{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
बुधवार 16 सितम्बर 2026
भाद्रपद शुक्ल 05 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 353
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

संसेक्स - 74,003.82
निफ्टी - 23,118.60
सोना - 1,61,965
चांदी - 2,45,000
डॉलर - 95.92

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

आपका भुगतान, कारोबारी पर भार

यूपीआई का नया नियम : 15 अक्तूबर से 2000 रुपये से अधिक के भुगतान पर 0.4 प्रतिशत शुल्क, लेकिन इसका भार कारोबारियों पर

नई दिल्ली। नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने मंगलवार को एक महत्वपूर्ण घोषणा की है। 15 अक्तूबर से चुनिंदा पर्सन-टू-मर्चेंट (पीटूएम) यूपीआई लेनदेन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लगेगा। पीटूपी लेनदेन पहले की तरह मुफ्त ही बना रहेगा। एमडीआर केवल कारोबारियों के लिए देय होगा। यह बदलाव डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में एक नया अध्याय शुरू करेगा।

एनपीसीआई के अनुसार, 2,000 रुपये से अधिक के लेनदेन पर व्यापारियों को 0.4 फीसदी का शुल्क देना होगा। 75,000 रुपये या उससे अधिक के भुगतान पर अधिकतम शुल्क 300 रुपये तय किया गया है। यह नया ढांचा यूपीआई पारिस्थितिकी तंत्र के लिए अधिक टिकाऊ वाणिज्यिक मॉडल बनाने के उद्देश्य से है। इससे प्राप्त आय का उपयोग भुगतान बुनियादी ढांचे में निवेश के लिए किया जाएगा। साथ ही, साइबर सुरक्षा, नवाचार और ग्राहक सेवा को बेहतर बनाने में भी मदद मिलेगी। यह कदम डिजिटल लेनदेन को और मजबूत

भुगतान	शुल्क (MDR)	कारोबारी पर भार
₹2,000	0%	₹0
₹3,000	0.40%	₹12
₹50,000	0.40%	₹200
₹75,000 या अधिक	-	₹300 (कैप्ड)

नोट: कुछ श्रेणी में छोटे कारोबारियों को MDR के दायरे से बाहर रखा गया है।

अन्य तरीकों से भुगतान पर अभी कितना MDR: क्रेडिट कार्ड पर 1.5% से 2.5% | डेबिट कार्ड पर 0.90% तक

व्यापारियों पर क्या होगा असर?

इस नए नियम से उन व्यापारियों पर सीधा असर पड़ेगा जो 2,000 रुपये से अधिक के यूपीआई लेनदेन स्वीकार करते हैं। उन्हें प्रत्येक ऐसे लेनदेन पर 0.4 फीसदी का शुल्क देना होगा। हालांकि, 75,000 रुपये से अधिक के बड़े भुगतानों के लिए शुल्क 300 रुपये तक सीमित रहेगा। यह शुल्क व्यापारियों के लिए एक नई लागत होगी। इसका उद्देश्य यूपीआई प्रणाली को आत्मनिर्भर बनाना है।

कुछ रेलवे टिकट पर शुल्क का क्या असर पड़ेगा?

विशिष्ट व्यापारी श्रेणियों के लिए एक निश्चित व्यापारी छूट दर (एमडीआर) लागू की गई है। इसमें रेलवे, दूरसंचार सेवाएं, बीमा और ईंधन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र शामिल हैं। यह दर 2000 रुपये से अधिक के प्रत्येक लेनदेन पर 5 रुपये निर्धारित की गई है। इन विशिष्ट क्षेत्रों पर 0.4 फीसदी की परिवर्तनीय दर के बजाय एक निश्चित शुल्क लिया जाता है। यह शुल्क लेनदेन की कुल राशि पर निर्भर नहीं करता है, बल्कि प्रति लेनदेन केवल 5 रुपये तय है। यह निश्चित दर मॉडल महत्वपूर्ण सार्वजनिक सेवाओं में संभावित लागत वृद्धि को रोकने में सहायक है। उपयोगिता बिल संग्रह और ईंधन खुदरा जैसे कम लाभ वाले क्षेत्रों में भी यह व्यवस्था लागू है। इसका मुख्य उद्देश्य आवश्यक उपभोक्ता सेवाओं को कम लागत वाला बनाए रखना है। साथ ही, यह सुनिश्चित करता है कि ये सेवाएं डिजिटल रूप से कुशल बनी रहें। यह नीति इन क्षेत्रों में डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इससे उपभोक्ताओं पर किसी भी प्रकार का अतिरिक्त वित्तीय बोझ नहीं पड़ता है। रेलवे टिकट की खरीद पर भी यह निश्चित शुल्क लागू होता है। यदि टिकट का मूल्य 2000 रुपये से अधिक है, तो प्रति लेनदेन 5 रुपये का निश्चित शुल्क लगेगा। यह यात्रियों के लिए एक निश्चित लागत सुनिश्चित करता है, चाहे टिकट की कीमत कितनी भी अधिक हो। परिवर्तनीय दर के बजाय निश्चित शुल्क से बड़े लेनदेन पर यात्रियों को सीधा लाभ मिलता है। यह रेलवे सेवाओं को डिजिटल रूप से अधिक सुलभ और किफायती बनाने में मदद करता है।

एमडीआर ढांचा क्या है और किस लेन-देन पर कितना शुल्क लगेगा?

एनपीसीआई के अनुसार, 2,000 रुपये तक के छोटे P2M लेन-देन पर 0% MDR (शून्य शुल्क) बना रहेगा, जो कुल P2M लेन-देन की मात्रा का 95 प्रतिशत से अधिक हिस्सा है।

सामान्य वाणिज्यिक P2M लेन-देन

2,000 से अधिक के P2M लेन-देन पर 0.4 प्रतिशत का बेसलाइन एमडीआर लागू होगा।

अधिकतम सीमा

75,000 या उससे अधिक के बड़े भुगतानों पर एमडीआर की अधिकतम सीमा 300 प्रति लेन-देन तय की गई है।

पूंजी बाजार लेन-देन

म्यूचुअल फंड, सिक्योरिटीज और स्टॉकब्रोकर्स को किए जाने वाले हस्तांतरण पर 0.02 प्रतिशत एमडीआर (अधिकतम 300) लागू होगा।

यूपीआई लेनदेन पर शुल्क, राहुल गांधी का आरोप, अमेरिकी दबाव की वजह से

प्रधानमंत्री फिर अमेरिकी दबाव के सामने समर्पण कर रहे

नई दिल्ली । कांग्रेस ने मंगलवार को केंद्र की मोदी सरकार पर आरोप लगाया कि वह यूपीआई लेनदेन पर शुल्क लगाने की तैयारी में है और मोदी सरकार का यह कदम अमेरिकी दबाव के आगे झुकने का नतीजा है। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि भले ही ग्राहकों से सीधा शुल्क न लिया जाए, लेकिन इसका बोझ अंततः वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में बढ़ोतरी के जरिए उन्हीं उठना पड़ेगा।

राहुल गांधी ने दावा किया कि 2,000 रुपये से अधिक के व्यापारिक यूपीआई लेनदेन, जो कुल लेनदेन मूल्य का करीब 65 प्रतिशत हैं, पर शुल्क लगने से उपभोक्ताओं की जेब पर सीधा असर होगा। उन्होंने सवाल उठाया कि दुकानदार पर लगने वाली फीस आखिर आएगी कहां से? कीमतों में जुड़कर सीधे ग्राहक की जेब से आएगी। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि अमेरिकी भुगतान कंपनियां लंबे समय से भारत की शून्य एमडीआर (व्यापारी छूट दर) नीति का विरोध कर रही हैं, और अब मोदी सरकार ने ठीक उसी दिशा में नीति बदलने की तैयारी में है। उन्होंने कहा, अमेरिका के साथ व्यापार समझौते की तरह ही, समझौता कर चुके प्रधानमंत्री मोदी फिर अमेरिकी दबाव के सामने समर्पण कर रहे हैं। फिलहाल किसी भी राशि के यूपीआई लेनदेन पर कोई शुल्क नहीं लिया जाता है। हालांकि, केंद्र सरकार ने बैंकों और भुगतान प्रणाली प्रदाताओं को 2,000 रुपये तक के यूपीआई लेनदेन या रुपे डेबिट कार्ड के जरिये किए गए भुगतान पर कोई शुल्क न लगाने का निर्देश दिया है। मोदी सरकार ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि 2,000 रुपये से अधिक के लेनदेन पर शुल्क लागू होगा या नहीं और इसका भुगतान व्यापारियों को करना होगा या नहीं।

वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मामले में मोदी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने यूपीआई पर कोई शुल्क नहीं की व्यवस्था को बदलकर दो हजार रुपये तक के यूपीआई लेनदेन पर शुल्क नहीं लगाने की दिशा में कदम बढ़ाया है। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने आशंका जाहिर की कि पांच हजार रुपये के लेनदेन पर 25 रुपये और 10 हजार रुपये के लेनदेन पर 50 रुपये तक की संभावित वसूली हो सकती है। उन्होंने कहा कि यदि व्यापारियों पर एमडीआर का अतिरिक्त बोझ डाला जाता है, तब वह अंततः वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में शामिल होकर आम उपभोक्ता से ही वसूला जाएगा।

खास खबर

संजुक्ता पराशर बनी कोबरा यूनिट की आईजी

नई दिल्ली। 2006 बैच की आईपीएस अधिकारी संजुक्ता पाराशर को सीआरपीएफ की कोबरा यूनिट का आईजी नियुक्त किया गया। कोबरा का पूरा नाम कमांडो बटालियन फॉर रिजॉल्यूट एक्शन है। वह इस पद पर पहुंचने वाली पहली महिला अधिकारी हैं। कोबरा मुख्यालय ने पिछले हफ्ते उनकी नियुक्ति का आदेश जारी किया था। जानकारी आज सामने आई है। वह 1996 बैच के आईपीएस अधिकारी दानेश राणा की जगह लेंगी। संजुक्ता पाराशर असम-मेघालय कैडर की आईपीएस अधिकारी हैं। असम में नक्सलवाद के खिलाफ अभियान चलाने में उनकी अहम भूमिका रही थी। उन्हें असम की लेडी सिंघम भी कहा जाने लगा। कोबरा ने कई राज्यों में लेफ्ट विंग एक्सट्रीमिज्म से निपटने के लिए 2008-09 में कोबरा बनाई थी।

गोल्डन खड़ाऊ, चांदी के कड़े- धीरेंद्र शास्त्री ने अंबानी इवेंट में जीता दिल

मुंबई। बीती रात अंबानी परिवार ने मुंबई स्थिति अपने घर में गणपति बप्पा का भव्य स्वागत किया, जिसमें बॉलीवुड, खेल और राजनीतिक जगत के साथ-साथ कई धर्मगुरुओं ने शिरकत की। बाबा रामदेव और जया किशोरी के अलावा, बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री भी अंबानी के गणेशोत्सव में पहुंचे। एंटीलिया में धीरेंद्र शास्त्री का लुक सबसे ज्यादा चर्चा का विषय रहा, खासकर उनके पैरों ने सबका ध्यान खींचा। हमेशा की तरह भगवा कुर्ते और सफेद धोती में दिखे शास्त्री ने मरून शॉल ओढ़ी हुई थी और माथे पर चंदन-टीका लगाए थे। उनका अंदाज जितना सादा था, उतना ही क्लासी लग रहा था। लेकिन उनके पैरों ने सभी को अचंभित किया, क्योंकि धीरेंद्र शास्त्री जूतों या चप्पलों की जगह उन्होंने पारंपरिक गोल्डन खड़ाऊ पहने थे। पैरों में आलता लगा हुआ था और चांदी के कड़े भी नजर आए, जो उनके पारंपरिक अवतार को और ज्यादा ख़ास बना रहे थे।

जैकलीन को मकोका केस में आरोपी बनाने पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली। अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस से जुड़े 200 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एक महत्वपूर्ण मो ड़ आ गया है। राउज एवेन्यू कोर्ट ने यह फैसला सुरक्षित रख लिया है कि सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े मकोका (महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम) केस में जैकलीन को आरोपी बनाए या नहीं। फिलहाल, जैकलीन मकोका मामले में आरोपी नहीं हैं, हालांकि मई 2026 में दिल्ली की अदालत ने उन्हें मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोप तय करने का आदेश दिया था।

तेंदुए के शिकार का मामला : सुप्रीम कोर्ट सुनवाई के लिए हुआ तैयार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को उस याचिका को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति दे दी है, जिसमें तेंदुए के कथित शिकार के मामले में 'वाइल्डलाइफ एसओएस' के सह-संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी कार्तिक सत्यनारायण को मिली गिरफ्तारी से अंतरिम सुरक्षा वापस लेने के मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई है।

सत्यनारायण की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे ने प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी.मोहना की पीठ के समक्ष मामले पर तत्काल सुनवाई का अनुरोध किया। इस पर प्रधान न्यायाधीश ने स्पष्ट किया कि याचिका को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा।

यह पूरा मामला मध्यप्रदेश राज्य बाघ कार्यबल (एसटीएसएफ) द्वारा तेंदुओं के कथित अवैध शिकार की जांच से जुड़ा हुआ है। गौरतलब है कि इन तेंदुओं की खालें उत्तर प्रदेश के आगरा से बरामद की गई थीं। इससे पहले, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की ग्वालियर पीठ ने वन्यजीव (सुरक्षा) अधिनियम, 1972 के तहत दायर दो याचिकाओं को खारिज कर सत्यनारायण की अंतरिम सुरक्षा समाप्त कर दी थी और उन्हें 21 सितंबर को एसटीएसएफ के समक्ष पेश होने का निर्देश दिया था।

मध्यप्रदेश वन विभाग ने आरोप लगाया था कि सत्यनारायण ने उनके खिलाफ जारी तीसरा समन और गिरफ्तारी वारंट छिपाया है तथा वहां श्योपुर एवं मुरैना जिलों में 10 तेंदुओं के शिकार की जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं। हालांकि, वाइल्डलाइफ एसओएस प्रमुख ने खुद के 'फरार' होने के इन दावों को सिरे से खारिज किया है। सुप्रीम कोर्ट में दलील देकर वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ दवे ने कहा कि उनके मुवक्किल का संगठन एक गैर-सरकारी संस्था है और उन्होंने ही अधिकारियों को तेंदुए की खालें बरामद करने में सहायता की थी, लेकिन अब राज्य सरकार ने उन्हें ही मामले में आरोपी बना दिया है। अदालत की पूछताछ के जवाब में उन्होंने स्पष्ट किया कि उनके मुवक्किल घर में तेंदुए नहीं रखते थे, बल्कि उन्होंने ही आगरा में खालों की बरामदगी में मदद की थी। सत्यनारायण के वकील ने अदालत को आश्वस्त किया कि वह जांच एजेंसी के समक्ष पेश होने के लिए तैयार हैं, बशर्ते उन्हें उचित कानूनी सुरक्षा प्रदान की जाए।

यूसीसी को लेकर जल्द केंद्रीय गृह मंत्री शाह से मिलेगा जेडीयू नेताओं का गुट

पटना। जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय कुमार झा के हालिया बयान ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के भीतर राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। जेडीयू नेता झा ने घोषणा की है कि जेडीयू के नेता जल्द ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलकर समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर चर्चा करने वाले है।

यह मुद्दा एनडीए के भीतर काफी चर्चा का विषय बन गया है। केंद्र और बिहार दोनों जगह गठबंधन का नेतृत्व करने वाली भाजपा ने पूरे देश में यूसीसी लागू करने को अपनी विचारधारा से जुड़ा एक अहम संकल्प बना लिया है। इसके बावजूद, जेडीयू, लोक जनशक्ति पार्टी (एलजेपी) और अन्य सहयोगी दल, जो अपने अल्पसंख्यक वोट बैंक को बनाए रखना चाहते हैं, यूसीसी जैसे मुद्दों पर मतभेदों के बावजूद एनडीए में बने हुए हैं।

2024 के लोकसभा चुनाव में, जेडीयू ने किशनगंज, पूर्णिया और कटिहार जैसे अल्पसंख्यक-बहुल क्षेत्रों में उम्मीदवार उतारे थे, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। 2029 के आम चुनाव नजदीक आने के साथ, झा के बयान से अटकलें तेज हो गई हैं कि जेडीयू, एनडीए में मजबूती से रहते हुए, यूसीसी पर एक राजनीतिक संतुलन बनाने की कोशिश कर रही है। इसका एक अप्रत्यक्ष लाभ भाजपा को हिंदू वोट बैंक के ध्रुवीकरण में भी मिल सकता है।

सार्वजनिक परिवहन वाहनों में स्पीड लिमिटिंग डिवाइस जरूरी, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र-राज्यों को दिए निर्देश

नई दिल्ली । सड़क सुरक्षा को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार, सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सार्वजनिक परिवहन वाहनों में स्पीड लिमिटिंग डिवाइस यानी गति नियंत्रक उपकरण लगाने के नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। अदालत ने साफ कहा कि केवल नियम बना देना पर्याप्त नहीं है, उनका प्रभावी क्रियान्वयन भी सरकारों की जिम्मेदारी है। न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति के.वी. विश्वनाथन की पीठ ने सड़क सुरक्षा से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि केंद्रीय मोटर वाहन नियम, 1989 के नियम 118 के तहत अधिसूचित परिवहन वाहनों में निर्माण के समय या डीलर स्तर पर स्पीड लिमिटिंग डिवाइस या स्पीड लिमिटिंग फंक्शन लगाना अनिवार्य है। इसके बावजूद कई जगह इन नियमों का पूरी तरह पालन नहीं हो रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वाहन की फिटनेस जांच के दौरान भी यह सत्यापित किया जाना चाहिए कि उसमें गति नियंत्रक उपकरण लगा है या नहीं। इसके लिए मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 56 और केंद्रीय मोटर वाहन नियमों के नियम 189 के तहत ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशनों पर जांच की व्यवस्था करने को कहा गया है।

चार्जशीट के 48 घंटे में फैसला

कलोल पोक्सो केस में आरोपी को 20 साल की सजा

गांधीनगर । गुजरात के न्याय तंत्र और कानून-व्यवस्था के इतिहास में एक उल्लेखनीय उदाहरण सामने आया है। कलोल की तृतीय अतिरिक्त सत्र अदालत ने पोक्सो एक्ट के एक मामले में चार्जशीट दाखिल होने के महज 48 घंटे के भीतर पूरी सुनवाई कर फैसला सुना दिया। अदालत की कुल कार्यवाही करीब 16 घंटे में पूरी हुई। मामले में आरोपी गुफरान मोजाहिद पठाण (22) को पोक्सो एक्ट की धारा 6 के तहत दोषी ठहराते हुए 20 वर्ष के कठोर कारावास और रु. 2 लाख जुर्माने की सजा सुनाई गई।

अदालत ने गुजरात पीड़ित मुआवजा योजना-2019 के तहत नाबालिग पीड़िता को शारीरिक और मानसिक आघात से उबरने में सहायता के लिए रु. 2 लाख का मुआवजा देने का भी आदेश दिया है। यदि आरोपी 30 दिनों के भीतर जुर्माने की राशि जमा नहीं करता है, तो उसे अतिरिक्त तीन महीने की साधारण कैद भुगतनी होगी।

अभियोजन के अनुसार, आरोपी ने 17 वर्ष 2 माह की नाबालिग लड़की को प्रेमजाल में फंसाया और उससे शादी करने का झांसा दिया। इसके बाद उसे उसके अभिभावक की देखरेख से बहला-फुसलाकर ले गया और उसके साथ बार-बार शारीरिक शोषण किया। मामला सामने आने के बाद सांतेज पुलिस ने तेजी से जांच पूरी कर चार्जशीट अदालत में पेश की। इसके बाद अदालत में भी सुनवाई की प्रक्रिया को असाधारण तेजी से पूरा किया गया।

सरकारी वकील की दलीलों के आधार पर मामले के सभी महत्वपूर्ण गवाहों की गवाही एक ही दिन में दर्ज की गई। अभियोजन के अनुसार, गवाहों ने सरकार पक्ष के मामले को मजबूत समर्थन दिया। मजबूत साक्ष्यों और प्रभावी पैरवी के आधार पर अदालत ने आरोपी को दोषी करार दिया। कलोल की तृतीय सत्र अदालत के न्यायाधीश ने अपने फैसले की शुरुआत नारी सम्मान और उसके महत्व को रेखांकित करने वाले पवित्र श्लोक से की।

फैसले में अदालत ने कहा कि बच्चों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना जरूरी है, ताकि वे स्वस्थ तरीके से विकसित होकर वयस्क अवस्था में राष्ट्र के जिम्मेदार नागरिक बन सकें। इसी उद्देश्य से कठोर कानून बनाया गया है। अदालत ने यह भी माना कि मासूम बच्चों के साथ होने वाले अमानवीय मानसिक और शारीरिक अत्याचार स्वस्थ समाज के अस्तित्व के लिए गंभीर खतरा हैं।

गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने कलोल अदालत के इस रिकॉर्डतोड़ फैसले का स्वागत किया।

2029 में 15.38 लाख मतदान केंद्रों पर होगा मतदान

अगले लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुटा चुनाव आयोग, 46 प्रतिशत ज्यादा होंगे पोलिंग स्टेशन

नई दिल्ली। भारत के चुनाव आयोग ने अभी से 2029 में होने वाले लोकसभा चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, अगले चुनाव के लिए मतदाताओं तक पहुंच बढ़ाने के लिए मतदान केंद्रों की संख्या बढ़ाई जाएगी। आंकड़ों पर नजर डालें तो देश में मतदान केंद्रों की संख्या लगातार बढ़ी है। 2019 में जहां करीब 10.37 लाख मतदान केंद्र थे, वहीं 2024 में इनकी संख्या बढ़कर करीब 10.52 लाख हो गई। अब 2029 के लिए करीब 15.38 लाख मतदान केंद्रों का अनुमान सामने आया है।

चुनाव आयोग के पास फिलहाल करीब 30.48 लाख बैलेट यूनिट और 21.92 लाख कंट्रोल यूनिट उपलब्ध हैं। इन आंकड़ों की तुलना 2019 के लोकसभा चुनाव से करें तो उस समय चुनाव आयोग के पास करीब 14.88 लाख बैलेट यूनिट और 11.30 लाख कंट्रोल यूनिट थीं। यानी पिछले कुछ वर्षों में ईवीएम का मौजूदा स्टॉक काफी बढ़ा है। 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग करीब 3.57 लाख बैलेट यूनिट और 1.25 लाख कंट्रोल यूनिट खरीदने की योजना बना रहा है, खास बात यह है कि आयोग ने इतनी ही संख्या में पुरानी मशीनों को रिटायर करने की भी योजना बताई है। इसका मतलब है कि नई ईवीएम की खरीद से आयोग अपने कुल बेड़े को बड़े पैमाने पर बढ़ाने की बजाय पुरानी मशीनों को नई मशीनों से बदलने की तैयारी कर रहा है। यानी 3.57 लाख बैलेट यूनिट और 1.25 लाख कंट्रोल यूनिट की खरीद लगभग वन-टू-वन रिप्लेसमेंट के तौर पर होगी।

ईवीएम और वीवीपीएटी पर 486 करोड़ का खर्च

चुनाव आयोग के मुताबिक, 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले ईवीएम और वीवीपीएटी की खरीद पर करीब 486 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। वीवीपीएटी मशीन के जरिए मतदाता यह देख सकता है कि उसने जिस उम्मीदवार को वोट दिया है, उसकी पर्ची कुछ समय के लिए मशीन की पारदर्शी खिड़की के पीछे दिखाई देती है, इसके बाद यह पर्ची सीलबंद बॉक्स में चली जाती है।

राजपाल को सुप्रीम कोर्ट की आखिरी मोहलत, 2 हफ्ते में 2 करोड़ करें जमा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने चेक बाउंस से जुड़े वित्तीय विवाद में अभिनेता राजपाल यादव को 2 करोड़ रुपये जमा करने के लिए आखिरी बार दो सप्ताह का समय दिया है। यह रकम सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री में जमा करनी होगी। अदालत ने राजपाल यादव को अपना पासपोर्ट सरेंडर करने का भी निर्देश दिया है। हालांकि, अगली सुनवाई तक उनकी गिरफ्तारी से मिली राहत बरकरार रहेगी। मामले की अगली सुनवाई 5 अक्टूबर को होगी। सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने सुनवाई के दौरान अभिनेता के पुराने रवैये पर सवाल उठाते हुए उन पर भरोसा करने में संदेह जताया। सीजेआई ने टिप्पणी की कि उनके पुराने आचरण को देखते हुए उन पर भरोसा करना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि राजपाल यादव बॉलीवुड में ड्रामा और एक्टिंग के लिए माहिर हैं और अदालत में भी वैसा ही कर रहे हैं।

फिल्म के लिए लिया था करीब 5 करोड़ का कर्ज

यह विवाद वर्ष 2010 का है। राजपाल यादव ने अपनी पहली निर्देशित फिल्म 'अता पता लापता' बनाने के लिए दिल्ली की कंपनी मुरली प्रोजेक्ट्स से करीब 5 करोड़ रुपये का कर्ज लिया था। कॉमेडी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी और उसकी कमाई से लागत भी पूरी नहीं हो पाई। इसके बाद अभिनेता के सामने कर्ज चुकाने में परेशानी खड़ी हो गई। कर्ज की मूल रकम के साथ ब्याज और अन्य शुल्क जुड़ते गए और कई वर्षों में बकाया राशि करीब 9 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। इसी वित्तीय विवाद से जुड़े चेक बाउंस मामले में अदालत में कार्यवाही चल रही है।

वकील ने मांगी दो सप्ताह की मोहलत

सुनवाई के दौरान राजपाल यादव की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता पीएस पाटवालिया ने अदालत से दो सप्ताह का समय देने की मांग की।

कुछ ना कहना

कलेक्टर नें आवेदनों के शीघ्र निराकरण करने अधिकारियों को दिये निर्देश

जनसुनवाई में सुनी गईं आवेदकों की समस्याएँ, 98 आवेदकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई की श्रृंखला में 15 सितम्बर को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कलेक्टर कुमार सत्यम की अध्यक्षता में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री तनुश्री मीणा ने आवेदकों की समस्याएँ सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनके निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में 98 आवेदक अपनी समस्याएँ लेकर पहुँचे।

राशन पात्रता पर्ची बनवाने की मांग

जनसुनवाई में बैहर तहसील अंतर्गत ग्राम आमगांव के राजेश खरे राशन पात्रता पर्ची बनवाये जाने की मांग लेकर आये थे। राजेश का कहना था कि वह आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति है और उसे परिवार के भरण पोषण में काफी कठिनाईयो का सामना करना पड रहा है। अतः शीघ्र मेरी राशन पर्ची बनवायी जाए, जिससे परिवार के भरण पोषण में मदद मिले। इस प्रकरण में जिला आपूर्ति अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

नई स्कूल बिल्डिंग बनाने की गुहार

खैरलांजी तहसील के ग्राम किन्ही के प्रभंजन ठाकुर शिकायत लेकर आये थे कि प्राथमिक शाला मंदिर टोला किन्हीं का पुराना भवन जर्जर होकर गिरने की स्थिति में पहुंच गया है। नई बिल्डिंग में पढ़ाई संचालित होने के बावजूद पुरानी इमारत के आसपास सांप-बिच्छू निकलने से बच्चों की सुरक्षा पर खतरा बना हुआ है। ग्रामीणों और पालकों द्वारा पिछले 5 वर्षों से जर्जर भवन को डिस्मेंटल कराने की मांग की जा रही है, लेकिन अब तक कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल जर्जर भवन गिराने की कार्रवाई कर बच्चों एवं ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। इस प्रकरण में कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

ज्वाईनिंग नहीं दी जा रहीं

लांजी तहसील अंतर्गत ग्राम कुम्हारीकला के खगेन्द्र नारायण मिश्रा भानेगांव में अतिथि शिक्षक वर्ग 01 संस्?कृत का पद रिक्त होने के बावजूद प्रभारी द्वारा ज्वाइनिंग नही दिये जाने की शिकायत लेकर आये थे। खगेन्द्र ने बताया कि पीएमश्री हायर सेकेंडरी स्कूल भानेगांव में वर्ग-01 संस्कृत का पद पोर्टल पर रिक्त प्रदर्शित हो रहा है। मैरिट सूची में 13वें स्थान पर होने तथा ऊपर के अभ्यर्थियों की नियुक्ति हो जाने के बावजूद संस्था प्रभारी द्वारा खगेंद्र को ज्वाइनिंग नहीं देने की बात कही गई। खगेंद्र के द्वारा शीघ्र उसे ज्वाइनिंग दिलाये जाने की मांग की गई है। इस प्रकरण में जिला शिक्षा अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

लापता पिता की मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने के मांग

खैरलांजी तहसील अंतर्गत ग्राम सालेबर्डी की करिश्मा बावने 22 साल से लापता पिता का मृत्यु प्रमाण पत्र जारी कराने की मांग लेकर आयी थी। करिश्मा ने बताया कि उसके पिता रवि सोनवाने पिछले 22 वर्षों से लापता हैं और उनकी मां का भी तीन वर्ष पूर्व निधन हो चुका है। पिता के नाम दर्ज 50 डिसमिल भूमि का फौती प्रकरण कराने में मृत्यु प्रमाण पत्र आवश्यक होने के चलते उन्होंने संबंधित अधिकारियों से जल्द प्रमाण पत्र जारी करने की मांग की है। इस प्रकरण में एसडीएम वारासिवनी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

बीमा राशि की मांग

लामता तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत बटुआ के ग्राम बसेगांव के अजयलाल बघेले प्रधानमंत्री जनधन बीमा योजना की राशि प्रदाय करने की मांग लेकर आये थे। अजय ने बताया कि उसकी माता श्रीमती खेलेश्वरी का निधन 19 जुलाई 2026 को 55 वर्ष की आयु में हो चुका है, किंतु अब तक उसे बीमा की राशि प्राप्त नही हुई है। इस प्रकरण में अग्रणी बैंक प्रबंधक को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

मेरिट के अंक नही जोडे गये

किरनापुर तहसील अंतर्गत ग्राम करियादण्ड की खिलेश्वरी बिसेन आंगनवाड़ी सहायिका चयन में [illegible] के 5 अंक नहीं जोड़े जाने की शिकायत लेकर आयी थी। खिलेश्वरी का कहना था कि उसने आंगनवाड़ी सहायिका पद की चयन प्रक्रिया के लिए आवेदन किया था, किंतु वैध [illegible] कार्ड होने के बावजूद मेरिट में निर्धारित 5 अंक नहीं जोड़े गए, जिससे उनकी मेरिट प्रभावित हो रही है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से दस्तावेजों का सत्यापन कर [illegible] के 5 अंक जोड़ने और चयन प्रक्रिया में नियमानुसार लाभ दिलाने की मांग की है। इस प्रकरण में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

मॉयल ने नौकरी से हटा दिया

जनसुनवाई में बालाघाट तहसील के भरवेली निवासी जागेलाल वराडे मॉयल मैनेजर द्वारा उसे नौकरी से हटाने और बेघर करने की शिकायत लेकर आये थे। जागेलाल ने बताया कि वे अपने पिता के स्थान पर मॉयल भरवेली खान में कार्यरत थे और वर्ष 2008 में सड़क दुर्घटना में घायल हुए। उन्होंने बताया कि वर्ष 2009 में उन्हें 45 प्रतिशत स्थायी विकलांगता का प्रमाण पत्र मिला, जिसके बाद 6 जनवरी 2010 को मॉयल नागपुर द्वारा नौकरी से हटा दिया गया। अतः उसने विधिक सहायता, भरण-पोषण एवं न्याय दिलाने की मांग की है। इस प्रकरण में मॉयल मेनेजर भरवेली को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

प्रधानमंत्री आवास योजना सूची में नाम जोड़ने की मांग

बालाघाट तहसील अंतर्गत ग्राम नैतरा की मीता लिल्हारे प्रधानमंत्री आवास योजना की सूची में नाम जोडे जाने की मांग लेकर आयी थी। मीता लिल्हारे ने बताया कि करीब एक वर्ष पूर्व अतिवृष्टि के कारण उनके घर की छत गिर गई थी। मुआवजे के रूप में 6 हजार रुपये मिले, लेकिन रहने की उचित व्यवस्था नहीं होने से परिवार दूसरे के घर में झोपड़ी बनाकर रह रहा है। अतः प्रधानमंत्री आवास योजना की सूची में उसका नाम जोड़कर जल्द आवास योजना का लाभ दिलाया जाए। इस प्रकरण में जनपद सीईओ बालाघाट को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

दिवंगत पति के नाम फर्जी ऋण की शिकायत

खैरलांजी तहसील अंतर्गत ग्राम सालेबर्डी की जैतुरा बावने सेवा सहकारी समिति के रिकॉर्ड में उनके दिवंगत पति के नाम फर्जी ऋण दर्ज होने की शिकायत लेकर आयी थी। जैतुरा बावने ने बताया कि वर्ष 2019 में उनके पति ने न तो निजी ऋण लिया और न ही उर्वरक ऋण, क्योंकि वे उस समय खेती भी नहीं करते थे। रिकॉर्ड में 21 हजार 504 का उर्वरक ऋण, 64 हजार 510 का निजी ऋण सहित कुल करीब 1 लाख 08 हजार 364 का ऋण दर्ज बताया गया है। जैतुरा बावने ने ऋण दस्तावेजों की जांच कर फर्जीवाड़े का खुलासा करने और उचित न्याय दिलाने की मांग की है। इस प्रकरण में सीईओ जिला सहकारी केंद्रीय बैंक को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

अधिकारी लापरवाही न बरते-कलेक्टर

जनसुनवाई में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 98 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर कुमार सत्यम ने संबंधित आवेदन पर विभागीय अधिकारी को सख्त निर्देश दिये कि आवेदनो का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनसुनवाई के आवेदनों के निराकरण में किसी भी तरह से लापरवाही न बरती जाए। आवेदन का निराकरण संतोषजनक व संतुष्टि के साथ होना चाहिए ताकि किसी भी आवेदक को एक ही समस्या पर दोबारा जनसुनवाई में आवेदन की आवश्यकता न पडे।

डिप्लोमा इंजीनियर्स एशोसिएशन ने मनाया अभियंता दिवस

पदमेश न्यूज।बालाघाट। भारत रत्न डॉ.सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया के जन्मदिवस के पावन अवसर पर डिप्लोमा इंजीनियर्स एशोसिएशन बालाघाट से जुड़े अधिकारी-कर्मचारियों ने हर्षोल्लास के साथ अभियंता दिवस मनाया। जिन्होंने विभिन्न कार्यक्रमो का आयोजन कर भारत रत्न मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया को याद किया गया। प्रति वर्ष की तरह डिप्लोमा इंजीनियर्स एशोसिएशन बालाघाट द्वारा अभियंता दिवस पर आयोजित

समारोह की शुरूवात अभियंताओं व कर्मचारियों ने मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की प्रतिमा के समक्ष द्वीप प्रज्जवलित किया और माल्यापर्ण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।वही अभियंताओं के जीवन में उनके योगदान को याद किया गया।

डॉ.विश्वेश्वरैया को याद कर किया गया गुणगान

धरती को बेहतर और तकनीकी रूप से उन्नत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले भारत रत्न डॉ.सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की 165वीं जन्मजयंती, डिप्लोमा इंजीनियर्स एशोसिएशन और सेवानिवृत्त अभियंता संघ ने 15 सितंबर को अभियंता दिवस के रूप में मनाई गई। बताया गया कि आज भारत रत्न मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया का आज 165 वां जन्मदिवस हैं। इनका जन्म कर्नाटक राज्य में हुआ था। इनका जन्मदिवस अभियंता दिवस के रूप में मनाया जाता हैं। इस दिवस को मनाने का उदेश्य भी यही हैं कि हम उनके बताये कार्य को अपने जीवन में उतारे और उसे आगे बढ़ायें।भारत रत्न सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया के जन्मदिवस पर अभियंताओं का सम्मान किया गया। आज का दिन हम सभी के लिये प्रेरणा देने वाला अवसर हैं। तकनीकी अमला के लिये बहुत ही महत्व का दिन हैं। जिसे सभी ने मिलकर मनाया हैं। साथ ही संकल्प लिया गया कि तकनीकी कार्यों में गुणवत्ता को महत्व दिया जायेगा और कार्य किये जायेगें।

अंग्रेज भी आपको सर कहकर बुलाते थे-देवी प्रसाद

आयोजन को लेकर की गई चर्चा के दौरान रिटायर्ड इंजी देवी प्रसाद राहंगडाले बताया कि तकनीकि ज्ञान के ज्ञाता डॉ. विश्वेश्वरैया को आज इंजीनियर्स साथियों ने याद कर नमन किया है। जो हम सबके के प्रेरणास्त्रोत है और ये एक महान इंजीनियर थे।आज का दिन इंजीनियर्स साथियों के त्यौहार का दिन है, इस महत्वपूर्ण दिवस पर डॉ.सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया जैसी शख्सियत ने जन्म लिया था, जिसे अंग्रेज भी सर कहकर संबोधित करते थे। यह हमारे देश के लिए गौरव की बात है कि देश में इतने बड़े महान इंजीनियर ने जन्म लिया था। जिसे आज पूरे जिले में अभियंता याद करते हुए उन्हें नमन कर रहे है।

वारासिवनी में 18 सितंबर को लगेगा जिला स्तरीय जन-विश्वास शिविर

शिकायतों का मौके पर निराकरण, योजनाओं और विकास कार्यों की होगी जमीनी समीक्षा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 के तहत 18 सितंबर को सांदीपनी विद्यालय, वारासिवनी में जिला स्तरीय शिविर आयोजित किया जाएगा। कलेक्टर कुमार सत्यम के मार्गदर्शन में आयोजित होने वाले इस शिविर में जिले के सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहेंगे। शिविर का उद्देश्य प्रशासन को आमजन के और करीब लाना, नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निराकरण करना तथा शासकीय योजनाओं एवं विकास कार्यों की वास्तविक स्थिति का मौके पर जायजा लेना है।

लंबित शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण

शिविर के आयोजन से पहले जिला अधिकारियों को मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, जनसुनवाई और लोक सेवा गारंटी से संबंधित लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर उनका प्राथमिकता के आधार पर निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। शिविर में आम नागरिकों से प्राप्त होने वाले आवेदनों और शिकायतों का भी यथासंभव मौके पर ही समाधान करने का प्रयास किया जाएगा। अधिकारियों द्वारा विभिन्न विभागों की योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रगति की समीक्षा करते हुए यह देखा जाएगा कि शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक वास्तविक रूप से पहुंच रहा है या नहीं। विशेष रूप से नामांतरण, सीमांकन एवं बंटवारा, किसान फार्मर आईडी, आयुष्मान कार्ड, समग्र ई-केवाईसी, प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन, आंगनवाड़ी, स्वास्थ्य, शिक्षा, खाद-बीज वितरण तथा सार्वजनिक वितरण प्रणाली से संबंधित व्यवस्थाओं की समीक्षा की जाएगी।

विकास कार्यों की मौके पर होगी पड़ताल

जन-विश्वास अभियान के तहत जिला स्तरीय अधिकारी केवल शिविर तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि क्षेत्र में पहुंचकर विभिन्न विकास कार्यों की जमीनी स्थिति भी परखेंगे। इस दौरान सड़कों, तालाबों, अमृत सरोवरों, बांधों, जल जीवन मिशन की संरचनाओं तथा शासकीय भवनों का निरीक्षण किया जाएगा। अधिकारियों द्वारा निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, प्रगति और उपयोगिता की भी जानकारी ली जाएगी। इसके साथ ही स्वास्थ्य केंद्रों, आईटीआई, सहकारी समितियों, कृषि मंडियों, पुलिस थानों, लोक सेवा केंद्रों तथा शासकीय देवस्थानों का निरीक्षण प्रस्तावित है। इन संस्थानों में उपलब्ध सुविधाओं, व्यवस्थाओं और आमजन को दी जा रही सेवाओं की स्थिति का भी जायजा लिया जाएगा।

खाद-बीज से लेकर निजी विद्यालयों तक जांच

अभियान के दौरान नागरिकों से सीधे जुड़े विभिन्न प्रतिष्ठानों और संस्थानों का भी निरीक्षण किया जाएगा। अधिकारियों द्वारा खाद-बीज दुकानों, गैस गोदामों, पेट्रोल पंपों, पटाखा एवं विस्फोटक लाइसेंसधारियों तथा अधिकृत शस्त्र विक्रेताओं की व्यवस्थाओं और आवश्यक दस्तावेजों की जांच की जाएगी। इसके अलावा निजी विद्यालयों का निरीक्षण कर वहां विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं तथा शैक्षणिक व्यवस्थाओं की जानकारी भी ली जाएगी।

जनता और प्रशासन के बीच मजबूत होगा संवाद

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान का मूल उद्देश्य प्रशासनिक व्यवस्था को जनता के बीच ले जाकर शिकायतों के समाधान के साथ शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन की वास्तविक तस्वीर सामने लाना है। जिला स्तरीय शिविर के माध्यम से आम नागरिकों को अपनी समस्याएं सीधे अधिकारियों के समक्ष रखने का अवसर मिलेगा, वहीं अधिकारियों को योजनाओं के जमीनी प्रभाव और सामने आ रही व्यवहारिक कठिनाइयों को समझने का अवसर मिलेगा। 18 सितंबर को वारासिवनी में आयोजित होने वाला जिला स्तरीय शिविर इसी जनभागीदारी और जवाबदेह प्रशासन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा। प्रशासन द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि वे अपनी समस्याओं, शिकायतों और योजनाओं से संबंधित प्रकरणों के साथ शिविर में उपस्थित होकर इस अभियान का लाभ उठाएं।

सागर में जहरीली शराब की घटना के बाद जिले में अवैध शराब पर पुलिस का शिकंजा

रुपझर पुलिस ने 91 लीटर कच्ची महुआ शराब की जप्त, एक आरोपी गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सागर जिले में जहरीली शराब के सेवन से हुई मौतों की घटनाओं के बाद पुलिस ने अवैध हाथ भट्टी से तैयार कच्ची महुआ शराब के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के निर्देशन में जिलेभर में अवैध शराब के निर्माण, संग्रहण और बिक्री के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है।इसी अभियान के तहत रविवार को थाना रुपझर पुलिस ने ग्राम पोला में कार्रवाई करते हुए अलग-अलग मामलों में कुल 91 लीटर हाथ भट्टी की कच्ची महुआ शराब जप्त की जिसकी अनुमानित कीमत 9100 रुपये बताई गई है।

घर के पीछे छपरी से 66 लीटर शराब बरामद

प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार को थाना प्रभारी रुपझर के नेतृत्व में पुलिस स्टाफ ग्राम भ्रमण पर था। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम पोला सरईटोला में अवैध रूप से कच्ची महुआ शराब रखी गई है। सूचना की तस्दीक के लिए पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर राजेन्द्र मरकाम पिता मख्खन मरकाम 50 वर्ष ग्राम पोला सरईटोला थाना रुपझर निवासी को पकड़े।पुलिस ने आरोपी के कब्जे से उसके घर के पीछे स्थित छपरी से 66 लीटर हाथ भट्टी की कच्ची महुआ शराब बरामद की।जिसकी कीमत करीब 6600 रुपये बताई गई है। आरोपी के खिलाफ थाना रुपझर में अपराध क्रमांक 149/2026 धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया। गिरफ्तारी की सूचना उसके परिजनों को देने के बाद आरोपी को न्यायालय बैहर में पेश किया गया।

महिला के कब्जे से 25 लीटर महुआ शराब जप्त

इसी दिन ग्राम चौपाल कार्यक्रम के दौरान पुलिस को एक अन्य मुखबिर से सूचना मिली। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ग्राम पोला पहुंची और एक महिला के घर के पीछे स्थित बाड़ी में घेराबंदी कर कार्रवाई की।पुलिस ने उसके कब्जे से 25 लीटर हाथ भट्टी की कच्ची महुआ शराब जप्त की।जिसकी कीमत करीब 2500 रुपये बताई गई है। मामले में थाना रुपझर में अपराध क्रमांक 148/2026 धारा 34(1) आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की गई है।

पुलिस टीम की रही सराहनीय भूमिका

पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी रुपझर निरीक्षक कामेश धुमकेती सउनि गौरीशंकर देशमुख, प्रधान आरक्षक देवेश तिवारी, प्रधान आरक्षक तेजराम उइके, प्रधान आरक्षक संतोष मरकाम, आरक्षक नागेश धुमकेती सहित विशेष सहयोगी दस्ते की सराहनीय भूमिका रही।

तिरछा हुआ विशालकाय पेड़ दे रहा हादसे को न्योता, राहगीरों ने की हटाने की मांग

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी । वारासिवनी खैरलांजी मार्ग पर ग्राम सोनझरा से खरखड़ी के बीच सड़क किनारे लगा विशाल लिप्टन का पेड़ तेज हवा.तूफान के कारण तिरछा हो गया है। पेड़ इस कदर झुक गया है कि उसके गिरने की आशंका बनी हुई है। मार्ग पर लगातार आवागमन होने के कारण राहगीरों और वाहन चालकों में दुर्घटना को लेकर चिंता बनी हुई है। यह मार्ग वारासिवनी से खैरलांजी होते हुए महाराष्ट्र और नागपुर की ओर जाने वाला प्रमुख अंतरराज्यीय मार्ग है। इस कारण यहां दिनभर वाहनों की आवाजाही बनी रहती है। तिरछा पेड़ दूर से ही दिखाई देने के कारण वाहन चालक सावधानी बरतते हुए वहां से गुजर रहे हैं,लेकिन यदि अचानक पेड़ मार्ग पर गिर जाता है तो बड़ा हादसा हो सकता है। राहगीरों ने संबंधित सड़क विभाग से मांग की है कि मामले को गंभीरता से लेते हुए जल्द मौके पर पहुंचकर पेड़ को व्यवस्थित कराया जाए अथवा उसे काटकर मार्ग से हटाया जाए, ताकि किसी प्रकार की जनहानि या वाहन दुर्घटना की स्थिति निर्मित ना हो। इस संबंध में राहगीर यूरेन्द्र भगत ने बताया कि वे रामपायली थाना से खैरलांजी की ओर जा रहे थे। उन्होंने कहा कि इस मार्ग से उनका लगातार आना जाना होता है। सड़क किनारे तिरछा हुआ लिप्टन का पेड़ कभी भी गिर सकता है जिससे दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। संबंधित विभाग ने तत्काल ध्यान देकर पेड़ को हटाने की कार्यवाही करने की मांग की है।

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0033/ब-154/2026-27
मौजा टेकाड़ी लो., रा.नि.मं. खमरिया

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक मेहबुब खान पिता स्व. हबीब खान, जाति मुसलमान, निवासी ग्राम टेकाड़ी लो., तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा टेकाड़ी लो., रा.नि.मं. खमरिया, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपने भाई सलीम पिता हबीब का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 11.05.2008 मृत्यु स्थल ग्राम टेकाड़ी लो. के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 18.09.2026 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 08.09.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 16.09.2026

भूपेन्द्र अहिरवार
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

आवश्यकता है
लड़कों की आवश्यकता है
10वीं पास नो डी फार्मा नो बी फार्मा
मो. 9340308019

जमीन बेचना है
52 डिसमील
बस स्टैण्ड के पास भिलाई रोड गायत्री मंदिर के सामने लांजी
मो. 7611166768

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

मध्यप्रदेश में मौत की फैक्ट्री चला रही भाजपा सरकार

मप्र कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी का आरोप, बैगा परिवारों से मिले, कुपोषण से लेकर पोषण आहार तक आंकड़े छिपाने का लगाया आरोप

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बैहर-बिरसा सहित आदिवासी अंचलों में बीमारी और कुपोषण से बच्चों की मौत का मामला अब सियासी संग्राम का बड़ा मुद्दा बन चुका है। मंगलवार को मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी बालाघाट पहुंचे और सरकार पर जमकर हमला बोला। आदिवासी बच्चों की मौत, चावल घोटाला, डबल मनी प्रकरण, किसानों को 3100 रुपये धान का समर्थन मूल्य और किरनापुर की गर्भवती महिला के साथ कथित पुलिस ज्यादती जैसे मुद्दों को लेकर कांग्रेस ने न्याय यात्रा निकाली और सरकार से जवाबदेही तय करने की मांग की।

जीतू पटवारी दोपहर करीब 12:30 बजे सर्किट हाउस पहुंचे। यहां उन्होंने बैगा अंचल में बच्चों की मौत से प्रभावित परिवारों से मुलाकात की और उनके परिजनों से सीधे बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान जिला प्रशासन के कुछ अधिकारी भी मौजूद रहे। प्रभावित परिवारों से चर्चा के बाद पटवारी ने मीडिया से बातचीत की और सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए। इसके बाद पटवारी अंबेडकर चौक पहुंचे, जहां कांग्रेस द्वारा आयोजित जनसभा में उन्होंने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। पटवारी ने आरोप लगाया कि सरकार कुपोषण से लेकर पोषण आहार तक हर क्षेत्र में आंकड़े छिपाने का काम कर रही है और बच्चों की मौत के मामले में लीपापोती की जा रही है। उन्होंने कहा कि बच्चों की मौत की जिम्मेदारी अब तक किसी बड़े अधिकारी या मंत्री पर तय नहीं हुई है, जो बेहद गंभीर स्थिति है। पटवारी ने आरोप लगाया कि प्रदेश के कई जिलों में स्वास्थ्य और कुपोषण की स्थिति चिंताजनक है। उन्होंने छिंदवाड़ा और सागर की घटनाओं का जिक्र करते हुए भाजपा सरकार पर निशाना साधा और कहा कि प्रदेश में लगातार गंभीर घटनाएं सामने आ रही हैं, लेकिन सरकार जिम्मेदारी तय करने के बजाय मामलों को दबाने में लगी हुई है। उन्होंने बेहद तीखे शब्दों में सरकार पर हमला बोलते हुए मध्यप्रदेश को मौत की फैक्ट्री बनाने का आरोप लगाया। बैहर-बिरसा क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं को लेकर भी पटवारी ने सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि बच्चों की मौत और क्षेत्र में विकास की कमी का पूरा ठीकरा नक्सलवाद पर फोड़ना उचित नहीं है। उनका कहना था कि मुख्यमंत्री और कई मंत्री प्रभावित क्षेत्र में पहुंचे, लेकिन पीड़ित परिवारों के लिए ऐसी कोई ठोस पहल सामने नहीं आई, जिसकी सराहना की जा सके। पटवारी ने मुख्यमंत्री द्वारा बच्चों के परिजनों को दिए गए चार लाख रुपये के मुआवजे पर भी सवाल उठाया। उन्होंने सवाल किया कि क्या एक मासूम बच्चे की जिंदगी की कीमत केवल चार लाख रुपये है?, उन्होंने कहा कि सरकार को मुआवजे से आगे बढ़कर यह बताना चाहिए कि बच्चों की मौत के लिए जिम्मेदार कौन है और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए क्या ठोस व्यवस्था की जा रही है। जनसभा के दौरान पटवारी ने कई प्रभावित परिवारों को मंच पर बुलाकर उनसे बातचीत की। कांग्रेस के अनुसार परिवारों ने बताया कि अब तक कोई बड़ा अधिकारी उनके घर जाकर बच्चों की मौत की वास्तविक स्थिति जानने नहीं पहुंचा और न ही उन्हें पर्याप्त स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकीं। पटवारी ने इन दावों के आधार पर प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े किए और सरकार से तत्काल स्वास्थ्य सेवाएं मजबूत करने की मांग की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस विपक्ष में है और हर मुद्दे को राजनीति का विषय नहीं बनाती, लेकिन जिन मुद्दों पर सरकार की गंभीर खामियां सामने आ रही हैं, उन्हें उठाना विपक्ष का दायित्व है। पटवारी ने ऐलान किया कि आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य, कुपोषण, गरीबी, शिक्षा और रोजगार जैसे मुद्दों को लेकर कांग्रेस अब केवल जिला मुख्यालय तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि प्रदेश के आदिवासी ब्लॉकों में आंदोलन और प्रदर्शन किए जाएंगे। अधिकारियों का घेराव करने और जनजागरूकता अभियान चलाने की भी बात कही गई। पटवारी ने आदिवासी समाज से आधुनिक स्वास्थ्य व्यवस्था को अपनाने का आग्रह भी किया। उन्होंने कहा कि परंपराओं का सम्मान जरूरी है, लेकिन गंभीर बीमारी की स्थिति में आधुनिक चिकित्सा सुविधा तक पहुंच सुनिश्चित करना भी उतना ही जरूरी है। पटवारी ने बालाघाट के चर्चित चावल घोटाले को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि मामले में भाजपा के पूर्व मंत्री के परिवार से जुड़े लोगों की गिरफ्तारी हुई है और कुछ लोग फरार हैं। उन्होंने प्रदेश में भ्रष्टाचार को लेकर सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि मध्यप्रदेश में भ्रष्टाचार का कैंसर फैल चुका है।

अपने ही विधायक से इस्तीफा क्यों ?

अखिल भारतीय आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रांत भूरिया ने भी मंच से भाजपा सरकार पर आदिवासी समाज के अधिकारों की अनदेखी का आरोप लगाया। उन्होंने आदिवासी समाज से अपने अधिकारों के लिए आगे आने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने हाल में हुए कुछ आंदोलनों में कांग्रेस विधायक संजय उइके से इस्तीफे की मांग को लेकर भी सवाल उठाया। भूरिया ने कहा कि यदि इस्तीफा मांगना है तो मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री और जिम्मेदार मंत्रियों से मांग की जानी चाहिए, न कि अपने ही समाज के जनप्रतिनिधि से।

न्याय यात्रा पर पुलिस का पहरा

जनसभा के बाद कांग्रेस ने अंबेडकर चौक से कलेक्टर कार्यालय तक न्याय यात्रा निकाली। यात्रा के दौरान जगह-जगह पुलिस बल और बैरिकेडिंग नजर आई। कलेक्टर कार्यालय की ओर जाने वाले मार्ग को पुलिस ने पहले ही दोनों ओर से बैरिकेड कर दिया था। इसके चलते कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ने से रोक दिया गया। बाद विश्वैशरैय्या चौक के पास जिला प्रशासन की ओर से एसडीएम , राहुल नायक और नगर पुलिस अधीक्षक सहित अधिकारियों ने कांग्रेस से ज्ञापन प्राप्त किया। हालांकि इस दौरान जीतू पटवारी स्वयं ज्ञापन देने आगे नहीं गए और कांग्रेस के स्थानीय विधायकों को ज्ञापन सौंपने के लिए आगे किया गया। इसके बाद पटवारी और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रशासन के सामने अपनी मांगें रखीं। पूरे कार्यक्रम के दौरान शहर में भारी पुलिस बल तैनात रहा। कई स्थानों पर यातायात मार्ग परिवर्तित किए गए, जिसके कारण आम नागरिकों को भी आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा।

सतपुड़ा कॉलेज में सांसद भारती पारधी ने विद्यार्थियों से किया संवाद

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सतपुड़ा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड पॉलिटेक्निक, बालाघाट में विकसित भारत एवं नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत छात्र संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए नशे से दूर रहने तथा विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका पर चर्चा की। इस अवसर पर सांसद महोदया ने विद्यार्थियों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई। विद्यार्थियों ने संकल्प लिया कि वे स्वयं नशा नहीं करेंगे और अपने आसपास भी किसी व्यक्ति को नशा नहीं करने देंगे। विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों पर सांसद महोदया से प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान भी प्राप्त किया। कार्यक्रम में सतपुड़ा ग्रुप के डायरेक्टर संजीव कुमार मिश्रा एवं अंशुल जायसवाल, मुकानंद गौतम, जबलपुर से यूथ आइकॉन सुश्री दीक्षा चौरसिया, जिला युवा अधिकारी प्रांजल अग्रवाल, प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार गुप्ता, इश्वह मितेश शुक्ला एवं ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर डॉ. गोरखनाथ भुरे सहित शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सतपुड़ा ग्रुप की ओर से सांसद श्रीमती भारती पारधी को स्मृति चिन्ह भेंट कर आभार व्यक्त किया गया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

महिला ने मांगी इच्छा मृत्यु की अनुमति

जनसुनवाई में पहुंची सूरज कुमारी, बोलीं पति की बीमारी, बच्चों का भरण-पोषण और कर्ज ने तोड़ी कमर, मायल प्रबंधन पर सुनवाई नहीं करने का आरोप

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। करीब 33 वर्षों तक नौकरी करने के बाद भी पति को सेवा से हटाए जाने के पश्चात ईपीएफ और अन्य देय राशि का भुगतान नहीं होने से परेशान एक महिला ने अब परिवार सहित इच्छा मृत्यु की अनुमति मांगकर सिस्टम की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हिरापुर कैंप, वार्ड क्रमांक-7 निवासी सूरज कुमारी भलावी पति जयराम भलावी 15 सितंबर को परिवार के साथ जनसुनवाई में पहुंचीं और अपनी व्यथा बताते हुए पति तथा दो बच्चों सहित इच्छा मृत्यु की अनुमति देने की मांग रखी। सूरज कुमारी के अनुसार उनके पति जयराम भलावी मायल लिमिटेड बालाघाट भरवेली खान में पीआर कामगार के रूप में कार्यरत थे। उनका कर्मचारी क्रमांक 7624 बताया गया है। पति की तबीयत खराब होने के कारण वे काम से अनुपस्थित रहने लगे। महिला का आरोप है कि करीब 33 वर्ष की सेवा के बाद 23 दिसंबर 2025 को उनके पति को नौकरी से हटा दिया गया, लेकिन इसके बावजूद ईपीएफ सहित अन्य देय शासकीय राशि का भुगतान अब तक नहीं किया गया है। महिला का कहना है कि पति की बीमारी के इलाज और बच्चों के भरण-पोषण की जिम्मेदारी के चलते परिवार की आर्थिक स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। इलाज और घर खर्च चलाने के लिए उन्हें समूह से कर्ज लेना पड़ा है। अब कर्ज बढ़ता जा रहा है और आय का कोई स्थायी साधन नहीं बचा है।

सूरज कुमारी ने बताया कि वह अपने पति के बकाया भुगतान के लिए मायल प्रबंधन के समक्ष कई बार आवेदन और व्यक्तिगत रूप से निवेदन कर चुकी हैं। उनके अनुसार मायल प्रबंधन की ओर से उन्हें संबोधित अधिकारी और बाबू के पास भेज दिया जाता है। महिला ने आरोप लगाया कि कार्यालय में उनसे कथित तौर पर अपमानजनक भाषा में बात की गई और यह तक कहा गया कि शासन के पास फिलहाल पैसे नहीं हैं, पैसे आने पर भुगतान किया जाएगा। महिला का आरोप है कि समस्या का समाधान नहीं होने पर वह छिंदवाड़ा स्थित मायल कार्यालय तक भी गईं और दूरभाष के माध्यम से अधिकारियों से संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन इसके बावजूद अब तक उनकी समस्या का निराकरण नहीं हो पाया। लगातार कार्यालयों के चक्कर लगाने और भुगतान के इंतजार के बीच परिवार की आर्थिक स्थिति और खराब होती चली गई। महिला के मुताबिक एक तरफ पति की बीमारी का इलाज कराना है, दूसरी तरफ बच्चों का पालन-पोषण और कर्ज चुकाने का दबाव है। ऐसे में परिवार मानसिक और आर्थिक रूप से पूरी तरह टूट चुका है। इसी परेशानी के चलते सूरज कुमारी ने जनसुनवाई में पहुंचकर प्रशासन के सामने अपनी मांग रखी कि यदि उनके परिवार की समस्या का समाधान नहीं किया जा सकता तो उन्हें पति और दो बच्चों सहित इच्छा मृत्यु की अनुमति प्रदान की जाए।

गौर विसर्जन के साथ महिलाओं ने तोड़ा निर्जला व्रत

नदी-जलाशयों में महिलाओं ने किया गौर का विसर्जन

पदमेश न्यूज ।बालाघाट। पति की दीर्घायु और मंगलकामनाओ के लिए महिलाओं द्वारा सोमवार को किया गया निर्जला हरितालिका व्रत का मंगलवार को समापन हो गया। महिलाओं ने नदी-जलाशयों के तट पर गौर का पूजन कर विसर्जन किया। इसके बाद महिलाओं ने तीज का कठिन व्रत तोड़कर अन्न-जल ग्रहण किया।बताया गया की भाद्रपद के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाने वाला हरितालिका तीज का पर्व भगवान शिव और माता पार्वती के अखंड जुड़ाव का प्रतीक है।इस दिन व्रतधारी महिलाएं भगवान शिव एवं माता पार्वती की विधिवत पूजा करती हैं। मान्यता है कि इस दिन गौरी-शंकर की विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना करने से अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होती है। यह एक कठिन और सबसे लंबी अवधि का व्रत है। जो सूर्योदय से शुरू होकर दूसरे दिन सूर्योदय तक उपासक निराहार निर्जला रूप से व्रतधारी महिला और कन्याओं द्वारा किया जाता है।मंगलवार को सूर्योदय में गौर विसर्जन के साथ महिलाओ ने निर्जला व्रत पूरा किया।

सुंदर मंडप के नीचे गौर को विराजित कर किया पूजन

हरितालिका तीज का पर्व नगर मुख्यालय सहित पूरे जिले में निर्जला मनाया गया। जहां महिलाओं एवं युवतियों ने भगवान शिव और माता पार्वती की आराधना करके पति की दीर्घायु और सुयोग्य वर की मनोकामना की।व्रतधारी महिलाओं ने घरो में सुंदर मंडप के नीचे गौर को विराजित कर उसका विधि, विधान से पूजन किया। पूजन में व्रतधारी महिलायें पांच प्रकार के व्यंजन अर्पित कर रेत से भगवान शंकर और पार्वती के अक्श को हल्दी, कुमकुम, चंदन, बेलपत्र और भगवान शंकर एवं माता पार्वती को चढ़ने वाले फल एवं सुहाग की सामग्री चढ़ाकर शुभमुहुर्त पर भगवान शिव और माता पार्वती का पूजन कर अपनी मनोकामना पूर्ण होने का आशीर्वाद मांगा।नगरीय क्षेत्र के महामृत्युंजय घाट, शंकरघाट, गायखुरी घाट, देवटोला नहर में सुबह से ही गौर विसर्जन का सिलसिला प्रारंभ हो गया था। इस दौरान बड़ी संख्या में व्रतधारी महिलाओं ने भगवान शंकर और माता पार्वती के रेत से बनाए गए अक्श और गौर का विसर्जन किया। व्रतधारी महिलाओं ने घरों में सुंदर मंडप के नीचे गौर को विराजित कर उसका विधि, विधान से पूजन किया।

धार्मिक मान्यता के तहत रखा गया व्रत

व्रतधारी सुहागन महिलाओ ने बताया कि माता पार्वती ने भगवान शंकर को वर के रूप में पाने के लिए यह कठिन व्रत किया था, उनके जैसा व्रत तो संभव नहीं है लेकिन परंपरानुसार और धार्मिक मान्यता के तहत सुहागन महिलायें पति की दीर्घायु और कुंवारी कन्यायें भगवान शिव की तरह सुयोग्य वर पाने के लिय यह निर्जला व्रत करती है।रात्रि में पूजन के बाद दूसरे दिन गौर का विसर्जन कर व्रत को तोड़ती है।

बालाघाट के 9 खिलाड़ी राज्य स्तरीय वुशु प्रतियोगिता में दिखाएंगे दम

भोपाल में 16 से 18 सितंबर तक होगी 25वीं राज्य स्तरीय प्रतियोगिता

पदमेश न्यूज ।बालाघाट। मध्य प्रदेश वुशु संघ द्वारा 16 से 18 सितंबर तक भोपाल के टी.टी. नगर स्टेडियम स्थित मार्शल आर्ट हॉल में 25वीं सब-जूनियर, जूनियर एवं सीनियर राज्य स्तरीय वुशु प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता मध्य प्रदेश शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में होगी। इसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों से खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता के प्रदर्शन के आधार पर खिलाड़ियों का चयन आगामी राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए किया जाएगा।

बालाघाट से 9 खिलाड़ी चयनित

जिला खेल अधिकारी राहुल बारेसा के मार्गदर्शन में जिला प्रशिक्षण केंद्र, मुलना स्टेडियम से बालाघाट के 9 खिलाड़ियों का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया है। टीम के साथ कटंगी ब्लॉक युवा समन्वयक एवं प्रशिक्षक संतोष पारधी तथा प्रशिक्षक शुभम मनेश्वर रहेंगे।चयनित खिलाड़ियों में हर्षिता गौतम, नैनी टेकाम, प्राची दीवान, अक्षरा पाचे, आदेश रजक, आर्यन राजदीप, कोमल मनेश्वर, शिवम बावनकर एवं पूर्व समिरित शामिल हैं।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता में चयन पर नजर

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रदेशभर के खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। यहां बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को आगामी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा। बालाघाट के खिलाड़ियों से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है।

खिलाड़ियों को दी शुभकामनाएं

बालाघाट के चयनित खिलाड़ियों को जिला थांग-ता मार्शल आर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी, कराते स्पोर्ट्स प्रशिक्षण एवं एजुकेशन एसोसिएशन के संरक्षक अनिल धुवारे, उपाध्यक्ष रविन्द्र भाटिया, सह-सचिव चंद्रकांत पिपलेवार, कोषाध्यक्ष सरिता सोनकर सहित अन्य पदाधिकारियों ने शुभकामनाएं दी हैं। विभिन्न शिक्षण संस्थानों के प्राचार्यों और खेल एवं युवा कल्याण विभाग के पदाधिकारियों ने भी खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

आस-पास की खबरें

माँ तुझे प्रणाम योजना में लालबर्रा के युवक और युवतियों का होगा चयन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। खेल एवं युवा कल्याण विभाग बालाघाट जिला खेल अधिकारी राहुल बारेसा के निर्देशानुसार जिले के युवाओं को भारत की अंतराष्ट्रीय सीमा से अवगत करवाने के लिये "माँ तुझे प्रणाम योजना" के अंतर्गत युवाओं को भारत की

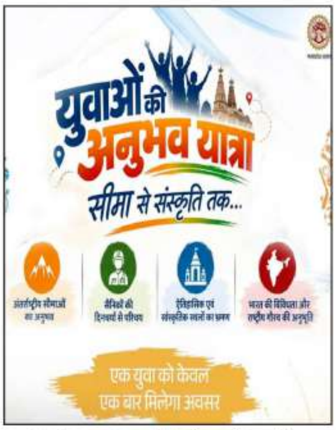

अंतराष्ट्रीय सीमा पर सैन्य गतिविधियों तथा दिनचर्या से अवगत करवाया जायेगा। साथ ही राष्ट्र के प्रति समर्पण, नेतृत्व विकास पर मार्गदर्शन दिया जायेगा। जिसके लिए लालबर्रा क्षेत्र के युवक-युवतियों का चयन किया जा रहा है। चर्चा में खेल विभाग के ब्लॉक समन्वयक लव नगपुरे ने बताया कि भारत की अंतर्राष्ट्रीय सीमा से अवगत करवाने के लिये "माँ तुझे प्रणाम योजना" के अंतर्गत युवाओं को भारत की अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर सैन्य गतिविधियों तथा दिनचर्या से अवगत करवाया जाना है। ताकि प्रदेश के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, भौगोलिक स्थानो से परिचय कराये जाने हेतु अनुभव यात्रा की जायेगी। योजना के अंतर्गत जिले के समस्त विकासखण्डों से 5 युवक, 5 युवतियों का चयन किया जाना है। जिसमें आवेदक की आयु 15 वर्ष से 25 वर्ष के बीच होनी चाहिये। युवाओं की आयु 31 दिसम्बर 2027 की स्थिति में 25 वर्ष से अधिक न हो। चयनित युवक/युवतियों के दल को पृथक-पृथक दल में भारत की अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं में एक्सपोजर विजिट या प्रदेश के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, भौगोलिक स्थान से परिचय करवाये जाने हेतु भेजा जायेगा। श्री नगपुरे ने बताया कि आवेदक एन.सी.सी., एन.एस.एस., खिलाड़ी, मेधावी छात्र, स्काउट गाईड से संबंध रखते है वे आवेदन पत्र विभागीय बेबसाइड से डाउनलोड करें। । इस के अलावा कार्यालय, जिला खेल और युवा कल्याण मुलना स्टेडियम बालाघाट से भी प्राप्त किये जा सकते है। साथ ही यह भी बताया कि आगामी 22 सितंबर तक कार्यालय में आवेदन जमा करना अनिवार्य है। वहीं पूर्व में भ्रमण पर गये युवक/युवतियाँ आवेदन न करे। आवेदक को चिकित्सा प्रमाण पत्र/फिटनेस प्रमाण पत्र, चरित्र प्रमाण पत्र, आवेदन पत्र के साथ संलग्न करना अनिवार्य है।

खुरपुड़ी में सरपंच चुनाव के लिए दो उम्मीदवारों ने जमा किया नामांकन फार्म

पिपरिया छि. में पंच के लिए आया सिर्फ एक नामांकन फार्म, तीन पंचायत से पंच पद के लिए किसी ने नही किया नामांकन फार्म जमा

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत खुरपुडी में सरपंच पद एवं ग्राम पंचायत पिपरिया छि., रमपुरी, मोहगांव बोरी, निलजी में पंच पद के रिक्त पद को भरने के लिए राज्य निर्वाचन आयोग के द्वारा उपचुनाव के लिए गत दिवस अधिसूचना जारी कर दी गई थी। 8 सितंबर से नामांकन फार्म जमा करने की प्रक्रिया शुरू हो गई थी। जिसके साथ ही खुरपुड़ी पंचायत में सरपंच पद एवं पिपरिया छि. वार्ड नं. 5, रमपुरी में वार्ड नं. 12, मोहगांव बोरी में वार्ड नं. 4, निलजी में वार्ड नंबर 17 के पंच पद के लिए नाम निर्देशन पत्र जमा करने की प्रक्रिया पुर्ण हो चुकी है। वहीं अंतिम तिथि 15 सितंबर को ग्राम पंचायत खुरपुड़ी में सरपंच पद के लिए दो उम्मीदवारों के द्वारा अपने नामांकन फार्म जमा किये गये है एवं ग्राम पंचायत पिपरिया छि. के वार्ड नंबर 5 में पंच पद के लिए सिर्फ एक नामांकन फार्म जमा किया गया है और अन्य तीन पंचायतों में वार्ड पंच के रिक्त पद हेतु किसी ने भी नामांकन फार्म जमा नही किये है। ऐसी स्थिति में इन तीन पंचायत रमपुरी, मोहगांव बोरी, निलजी में पंच का उपचुनाव नही होगा और पंचों के पद रिक्त रहेगें। इस तरह से ग्राम पंचायत खुरपुड़ी में सरपंच का चयन मतदान के माध्यम से किया जायेगा। वहीं ग्राम पंचायत पिपरिया छि. के वार्ड नंबर 5 में पंच निर्विरोध चुन लिया जा सकता है क्योंकि सिर्फ एक ही नामांकन फार्म जमा हुआ है, जहां पर अब चुनाव नहीं होगें। खुरपुड़ी पंचायत में दो उम्मीदवार महेश कावरे, धनाराम/जयपाल पगरवार ने नामांकन फार्म जमा किया है। जिनके मध्य चुनाव होगें और दोनों उम्मीदवारों के द्वारा चुनाव की तैयारी प्रारंभ कर दी गई है। इस तरह से खुरपुड़ी पंचायत में सरपंच पद एवं पिपरिया छि. पंचायत में पंच पद के लिए आगामी 29 सितंबर को चुनाव संपन्न होगा।

नामांकन फार्म की होगी जांच आज, 18 को मिलेगा चुनाव चिन्ह, 29 को मतदान

जनता अपना नया सरपंच चुनेगी 29 को

आपको बता दे कि ग्राम पंचायत खुरपुड़ी में सरपंच पद के लिए उपचुनाव की अधिसूचना जारी होने साथ ही अनारक्षित वर्ग से चुनाव लगने वाले इच्छुक उम्मीदवार के द्वारा तैयारी प्रारंभ कर दी गई थी और अंतिम दिन 15 सितंबर को सरपंच पद के लिए महेश कावरे व धनाराम पगरवार दो उम्मीदवारों के द्वारा अपने नाम निर्देशन पत्र जमा किये गये है। साथ ही 29 सितंबर को होने वाले पंचायत उपचुनाव में मतदान के माध्यम से ग्राम पंचायत खुरपुड़ी की जनता अपना नया सरपंच चुनेगी। जिसकी तैयारी निर्वाचन विभाग के द्वारा भी पूर्ण कर ली गई है। विदित हो कि त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव 2022 में संपन्न हुए थे। जिसमें विभिन्न ग्राम पंचायत से लोगों के द्वारा सरपंच पद के लिए नामांकन करके चुनाव लड़े गये थे और नवनिर्वाचित सरपंचों के द्वारा पदभार ग्रहण कर लिया गया था। इसी प्रक्रिया के तहत खुरपुड़ी में भी पंचायत चुनाव संपन्न हुए थे। जिसमें जनता जनार्दन के आशीर्वाद से धन्नालाल कावरे निर्वाचित हुए थे। किन्तु विगत माह पूर्व हृदयघात (हार्ट अटैक) से असमय निधन हो गया था। जिसके बाद से खुरपुड़ी पंचायत में सरपंच का पद खाली हो गया था। वही सरपंच नही होने पर निर्माण सहित अन्य कार्य प्रभावित हो रहे थे। ऐसी स्थिति में स्थानापन्न सरपंच पंचों के द्वारा चुना गया था जिसमें सरपंच पद आरक्षित वर्ग से वार्ड पंच महेश कावरे को स्थानापन्न सरपंच चुना लिया गया था। वहीं राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशन एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के द्वारा जिन पंचायतों में सरपंच, पंच के पद रिक्त है उन पंचायतों में उक्त पदों को भरने के लिए अधिसूचना जारी कर खुरपुड़ी में सरपंच एवं पिपरिया छि. में वार्ड नं. 5, रमपुरी में वार्ड नं. 12, मोहगांव बोरी में वार्ड नं. 4 एवं निलजी में वार्ड नं. 17 में पंच पद के लिए उपचुनाव की तिथि घोषित की गई और आगामी 29 सितंबर को ग्राम पंचायत खुरपुड़ी सहित अन्य पंचायतों में उपचुनाव संपन्न करवाये जायेगें।

आज से नामांकन निर्देशन पत्रों की होगी जांच - चंदन

दूरभाष पर चर्चा में खंड पंचायत अधिकारी चंदन मर्सकोले ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जिन पंचायतों में सरपंच, पंच, जनपद सदस्य, जिला पंचायत सदस्यों के पद रिक्त है उन पदों के लिए उपचुनाव हेतु गत दिवस अधिसूचना जारी की गई है। लालबर्रा विकासखंड के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत खुरपुड़ी में सरपंच पद एवं मोहगांव बोरी में वार्ड नंबर 4, पिपरिया छि. में वार्ड नं. 5, निलजी में वार्ड नं. 17 एवं रमपुरी में वार्ड नं. 12 में पंच के पद रिक्त है। उन पंचायतों में उपचुनाव 29 सितंबर को होगा। श्री मर्सकोले ने बताया कि 8 सितंबर से नामांकन की प्रक्रिया प्रारंभ हुई थी, 15 सितंबर अंतिम दिन तक सरपंच पद के लिए दो उम्मीदवारों ने एवं पिपरिया छि. में पंच पद के लिए एक उम्मीदवार ने नामांकन फार्म जमा किये है एवं तीन पंचायत से किसी ने भी पंच पद के लिए नामांकन फार्म जमा नही किया है। इस तरह से अब खुरपुड़ी पंचायत में सरपंच पद के लिए उपचुनाव होगा एवं पिपरिया छि. में पंच पद हेतु एक ही नामांकन फार्म जमा होने पर उसे निर्विरोध चुन लिया जायेगा। आगे बताया कि 16 सितंबर को नामांकन फार्म की जांच की जायेगी एवं नाम निर्देशन पत्र 18 सितंबर को दोपहर 3 बजे तक ले सकते हैं, जिसके बाद चुनाव चिन्ह आबंटित कर दिया जायेगा।

महाविद्यालय में "राष्ट्रीय हिन्दी दिवस" कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ एवं हिन्दी विभाग के संयुक्त तत्वाधान में

शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा में 15 सितंबर को राष्ट्रीय हिन्दी दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिससे विद्यार्थियों में हिन्दी भाषा के महत्व, उसकी उपयोगिता और वर्तमान समय में उसके बढ़ते प्रभाव पर प्रभावशाली व्याख्यान दिया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे ने विद्यार्थियों को हिन्दी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिन्दी केवल संवाद की भाषा नही, बल्कि हमारे संस्कृति, परम्परा, भावनाओं और राष्ट्रीय पहचान की सशक्त अभिव्यक्ति है और कहा हिन्दी को केवल हिन्दी दिवस तक सीमित रखने के बजाय दैनिक जीवन में इसके प्रयोग को बढ़ावा देना चाहिए। हिन्दी विभाग से श्रीमती अनिभा शरणागत ने कहा कि आज हिन्दी केवल साहित्य और बोलचाल तक सीमित रखने के बजाय विज्ञान, तकनीक, शिक्षा प्रशासन और डिजिटल माध्यमों में भी व्यापक रूप से उपयोग करने की आवश्यकता है। उन्होंने युवाओं से आव्हान किया कि वे हिन्दी पढ़ें, लिखें और नई तकनीक के माध्यम से हिन्दी को आगे बढ़ाये और हिन्दी तभी सशक्त होगी जब वह नई पीढ़ी के ज्ञान, विचार, नवाचार और रोजगार से जुडेगी। हिन्दी दिवस को केवल एक दिन का आयोजन न बनाकर वर्ष भर हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने पर उन्होंने विशेष जोर दिया। साथ ही यह भी कहा कि हिन्दी को बढ़ावा देने का अर्थ दूसरी भाषाओं का विरोध करना नहीं है। हमें सभी भाषाओं का सम्मान करते हुए अपनी मातृभाषा के प्रति गर्व और आत्मविश्वास की भावना विकसित करनी होगी। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. कामाक्षा बिसेन एवं आभार प्रदर्शन नरेश सौलखे के द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्राध्यापक सुमन बरवा, निर्मल कीर्ति गेडाम, डॉ. देवराज चौरे, श्रीमती भूमेश्वरी ठाकरे, श्रीमती संध्या भलावे, मनीष शिवहरे, पीतम मुरते, यादोराव राजुरकर, व्यंकट नगपुरे, श्रीमती सरिता ऐडे, रामदयाल मथारे, लकेश गेडाम, श्रीमती वंदना कुर्वे, मिनेश पंचेश्वर, प्रशिक हुमनेकर, निशांत तलवरे एवं छात्र-छात्राओं का सराहनीय योगदान रहा।

खमरिया में घर घर और पंडालों में विराजे भगवान श्री गणेश

पद्मेश न्यूज। खमरिया/लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत खमरिया सहित ग्रामीण अंचलों में गणेश चतुर्थी का पर्व श्रध्दा, उत्साह और उमंग के साथ मनाया जा रहा है। सोमवार को खमरिया सहित आसपास के क्षेत्र में गणपति बप्पा मोरिया के जयकारों से गुंजमान्य उठा। वहीं इस गणेशोत्सव पर्व पर खमरिया क्षेत्र के श्रध्दालुओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है एवं समितियों के द्वारा विविध धार्मिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जा रहा है। खमरिया क्षेत्र में गणेशोत्सव पर्व प्रारंभ होते ही 10 दिनों तक प्रथम पूज्य भगवान श्रीगणेश की आराधना का दौर शुरू हो चुका है और क्षेत्रीयजन सार्वजनिक पंडालों में विराजित भगवान श्रीगणेश की पूजा-अर्चना कर धर्मलाभ अर्जित कर रहे है। आपको बता दे कि खमरिया क्षेत्र में 10 दिनों तक मनाये जाने वाले गणेशोत्सव पर्व को लेकर घरों एवं सार्वजनिक पंडालों में भक्ति का माहौल है। इस वर्ष सार्वजनिक स्थलों और घरों में गणेश स्थापना को लेकर खासा उत्साह देखी जा रही है। साथ ही समितियों के द्वारा पर्व के दौरान विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जा रहा है एवं सुबह-शाम आरती की जा रही है। साथ ही गणपति बप्पा मोरिया सहित अन्य भक्ति गीत सुनाई दे रहे है जिससे पुरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया है।

निर्जला व्रत रखकर सुहागिन महिलाओं और कुंवारी कन्याओं ने मनाया हरितालिका पर्व

नदी, नहर एवं तालाबों में भक्तिभाव से किया गौर विसर्जन, भजन-कीर्तन का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में हिन्दु धार्मिक परंपराओं के अनुसार मनाया जाने वाला हरितालिका पर्व सोमवार को महिलाओं के द्वारा भक्तिभाव एवं धार्मिक आस्थाओं के साथ मनाया गया। वहीं व्रतधारी महिलाओं के द्वारा मंगलवार को प्रात:काल गौर विसर्जन किया गया। हरितालिका पर्व के अवसर पर सोमवार को महिलाओं व कुंवारी कन्याओं (लड़कियों) के द्वारा साज-श्रृंगार कर निर्जला व निराहार व्रत रखा गया एवं शाम को फुलेरा सजाकर बालू से माता गौरी व भगवान शिव की प्रतिमा बनाकर बेलपत्ती, नारियल, हल्दी, कुमकुम, सिंदुर, राम दतुन, फल सहित अन्य पकवानों से भोग लगाकर विशेष पूजा अर्चना की गई तथा रतजगा कर भजन-कीर्तन कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसके बाद दूसरे दिन मंगलवार को प्रात: में स्थानीय तालाबों, नदियों व नहरों के तटों में पहुंचकर विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर आरती पश्चात फूलेरा विसर्जन कर प्रसादी का वितरण किया गया। नगर मुख्यालय में महिला श्रध्दालुओं के द्वारा सर्राटी नदी, पांढरवानी स्थित विसर्जन घाट, तहसील कार्यालय रोड़ पुल पनबिहरी, अमोली में सर्राटी नदी एवं मिरेगांव में वैनगंगा बड़ी नहर के तट पर व्रतधारी महिलाओं एवं कुंवारी लड़कियों के द्वारा पूजा-अर्चना और आरती कर आस्थापूर्वक गौर विसर्जित किया गया। इस दौरान उक्त स्थानों में श्रध्दालुओं की भीड़ रही।

भगवान शंकर-माता गौरी की विशेष पूजा अर्चना कर की गई आराधना

आपको बता दे कि हिंदू धर्म में हरियाली तीज का खास महत्व है एवं भाद्रपक्ष के शुक्ल तृतीय को मनाया जाने वाला यह पर्व महिलाओं और कुंवारी लड़कियों के लिए विशेष महत्व रखता है। इस पर्व के दिन सुहागिन महिलाएं अपने अखंड सौभाग्य पति की लंबी आयु के लिए व्रत रखती है तो वहीं कुंवारी लड़कियां अपने पसंदीदा वर पाने के लिए भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा आराधना करती है एवं रातभर जागकर महिलाओं के द्वारा हरियाली तीज के गीत गाये गये। चर्चा में व्रतधारी महिलाओं ने बताया कि हरितालिका व्रत भाद्रपक्ष के शुक्ल तृतीय को मनाया जाता है और इस पर्व पर निर्जला व्रत रखकर शाम में फुलेरा बांधकर माता पार्वती व भगवान शंकर की पूजा अर्चना की जाती है एवं दुसरे दिन फुलेरा को नदी, तालाब में विसर्जित किया जाता है और यह व्रत पति की दीर्घायु व कुंवारी लड़कियां मनचाहा वर मिलने के लिए करती है। साथ ही यह भी बताया कि भगवान शंकर से विवाह करने के लिये माता पार्वती के द्वारा घोर तप किया गया जिससे प्रसन्न होकर भगवान शंकर ने माता पार्वती से विवाह किया एवं इस दिन माता पार्वती भक्ति से खुश होकर सभी स्त्रियों को अखण्ड सुहाग का वरदान दी थी। इसी मान्यता के अनुसार सुहागिन महिलाएं हरितालिका पर्व मनाती है और हरितालिका पर्व पर सुहागिन महिलाओं के द्वारा 24 घंटे का निर्जला व्रत रखा जाता है। सोमवार की रात्रि में फुलेरा बांधकर माता गौरी-भगवान शंकर की विशेष पूजा अर्चना कर रतजगा किया गया एवं मंगलवार को प्रात: में नदी, तालाबों में गौर विसर्जित कर हरितालिका पर्व का समापन किया गया।

कटंगझरी के शास. उमावि. के छात्र कुनाल उइके का संभाग स्तरीय खेल प्रतियोगिता के लिए हुआ चयन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत कटंगझरी स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के होनहार छात्र कुनाल उइके ने खेल जगत में विद्यालय सहित पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। कक्षा 10 वीं में अध्ययनरत कुनाल/महेन्द्रसिंह उईके ने गत 12 सितंबर को आयोजित जिला स्तरीय दौड़ खेल प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया है। जिला स्तर पर मिली इस शानदार सफलता के बल पर कुनाल का चयन अब आगामी संभाग स्तरीय खेल प्रतियोगिता के लिए हुआ है। विद्यालय प्राचार्य संजयकुमार मेश्राम ने कहा कि छात्र कुनाल उइके की यह सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा स्त्रोत बनेगी। खेल प्रशिक्षकों और शिक्षकों ने उम्मीद जताई है कि कुनाल संभाग स्तर पर दौड़ प्रतियोगिता में भी अपनी प्रतिभा का परचम लहराकर राज्य स्तर पर स्थान प्राप्त करेगा। छात्र कुनाल की इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार और ग्रामीणों में हर्ष व्याप्त है। छात्र कुनाल की इस विशेष उपलब्धि पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य संजयकुमार मेश्राम सहित समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने शुभकामनाएं देते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

किसानों की समस्याओं को लेकर २५ सितंबर को खैरलांजी में आंदोलन

किसान गर्जना की विकासखंड स्तरीय बैठक हुई

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी । खैरलांजी में किसान गर्जना कार्यालय का प्रारंभ कर विकासखंड स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में किसानों की विभिन्न समस्याओं एवं सरकार की नीतियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान आगामी २५ सितंबर को खैरलांजी में विकासखंड स्तरीय किसान आंदोलन करने का निर्णय लिया गया। यह बैठक प्रदेश अध्यक्ष अरविंद चौधरी, जिला अध्यक्ष रामकुमार नगपुरे सहित संगठन के पदाधिकारी एवं किसानो की उपस्थिति में की गयी। जिसमें भावांतर योजना, विधानसभा चुनाव के दौरान किसानों से किए गए वादों के तहत धान का समर्थन मूल्य ३१०० रुपये तथा गेहूं का २७०० रुपये प्रति क्विंटल दिए जाने, किसानों की फसलों में वर्तमान में हो रही बीमारी का सर्वे नहीं किए जाने तथा खेती के लिए आवश्यक मूलभूत सुविधाओं सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। जिसमें २५ सितंबर को खैरलांजी में विकासखंड स्तरीय आंदोलन आयोजित किया जाएगा। संगठन ने क्षेत्र के किसानों से अधिक से अधिक संख्या में आंदोलन में शामिल होने का आह्वान किया। बैठक के दौरान किसान गर्जना के द्वारा ग्रामीण संगठन का विस्तार करते हुए सावरी के धुरनलाल बिरनवार, अजबलाल नगपुरे एवं सूरतलाल लिल्हारे, मोवाड़ के होलूराम कहालकर व हेमंत मिश्रा तथा मानेगांव के साधु पारधी एवं महेंद्र नगपुरे को नियुक्ति पत्र प्रदान कर संगठन में जिम्मेदारी सौंपी गई। इस अवसर पर भारत शिवहरे, भरतलाल बिसेन, कुलदीप पटले, अशोक लिल्हारे, डेविड सेलोकर, अजब सिंह कृपगये, मुकेश दमाहे सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

किसान अपनी लड़ाई खूद लड़ रहा है हमे किसी राजनितिक दल की जरूरत नही-अरविन्द चौधरी

प्रदेशाध्यक्ष अरविन्द चौधरी ने बताया की किसान गर्जना संगठन का कार्यालय सभी ब्लॉक में खोलना जरूरी है। सभी जगह किसान परेशान है अभी भावांतर योजना सरकार लाई है। पहले सोसायटी में अच्छी खरीदी चल रही थी वहां भी २४४१ रुपए दे रहे हैं जबकि ३१०० रुपए का वादा किया था। सरकार आती जाती है वादा करती है पूरा नहीं करती इसलिए किसान अपनी लड़ाई लड़ने अब तैयार है।

विकासखंड के बाद जिले में रेल रोको आंदोलन और मुख्यमंत्री का घेराव करेंगे-रामकुमार नगपुरे

जिलाध्यक्ष रामकुमार नगपुरे ने बताया कि यह किसानों का कार्यालय खोला गया है क्षेत्र में किसानों की सर्वाधिक समस्या है तो वह यहां आकर बता सकते हैं। अभी किसानों के बीच कीट व्यादी की समस्या बढ़ रही है ऐसा ही रहा तो जल्द किसान बर्बाद हो जाएंगे आज तक कोई पटवारी या अधिकारी खेतों तक नहीं गया है। हम इस कार्यालय से एक फॉर्म किसान को दे रहे हैं जिसमें वह अपनी समस्या लिखकर यहां जमा करेगा उसे ज्ञापन के साथ अधिकारियों को देंगे। २५ सितम्बर को विकासखंड स्तरीय आंदोलन खैरलॉजी में रखा गया हैं, विकासखंड के बाद जिले में रेल रोको आंदोलन और मुख्यमंत्री का घेराव करेंगे।

जनता का भरोसा ही विकास और मजबूती का मुख्य आधार जनता दरबार-प्रदीप जायसवाल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी । नपा परिषद में पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे के द्वारा प्रति मंगलवार जनता दरबार का आयोजन कर जनता की समस्याओं के सीधे समाधान और आमजनमास के प्रति विश्वास को मजबूत करने का एक महत्तवपूर्ण माध्यम बन गया है। जिससे प्रतित हो रहा है की जनता का यह भरोसा ही शासन और प्रशासन की सार्थकता व मजबूती का मुख्य आधार साबित हो रहा है। जनता दरबार में सबसे पहले आंबेडकर भवन में निर्माणाधीन मैरीज लॉन के विषय पर चर्चा की गयी। साथ ही इस स्थल पर नवरात्रि में मातारानी की स्थापना व बडे बडे कार्यक्रम के संदर्भ में परवाह की गयी। जिसमें दो कार्य एंजेसी में आंबेडकर लान व बाहरी स्थल पर साज सज्जा दोनो एंजेसी को बुलवाकर उनसे कार्य को गति व नवरात्रि की तैयारीयों के विषय में मंत्रणा की गयी। जनता दरबार में भाजपा नेता किशोर अमूले ने भी समस्या से अवगत कराकर सभी को प्रभावित कर दिया। श्री अमूले ने बताया की रीधन भाऊ के मिल के सामने से गोटाडोल पूल की स्ट्रीट लाईट एक तरफ ही प्रकाशवान हो रही है। तत्काल विद्युत शाखा को बुलवाकर जायजा लिया तो वस्तु स्थिति सामने आयी की नपा परिषद ने पिछले देड माह से विद्युत मंडल को बिजली मीटर की पूरी कवायद कर दी है। किंतू विद्युत विभाग के द्वारा मीटर नही लगवाये जाने से ऐसी स्थिती का निर्माण हो रहा है। नगर की चारो दिशाओं के प्रवेश मार्ग को बेहद सौंदर्यीकृत करने की सोच को आगे बढाते हुये अब कंटगी दिशा में स्थानीय गौ शाला के आगे तक लग चुके स्ट्रीट लाईट के पोल की जंहा समीक्षा की गयी। वहीं लालबर्रा मार्ग पर भी इसी तरह डॉ चौधरी से लेकर गायत्री मंदिर के आगे तक मुख्य मार्ग पर स्ट्रीट लाईट की प्रकिया शुरू करने के आदेश प्रदान किये गये। दूसरी ओर जनता दरबार में नपा के अमले को नगर की सड़को पर बडते हुये ट्रेफिक पर व्यवस्था बनाने के निर्देश प्रदान किये है। गौरतलब है की तीन दिवस पूर्व नपा की टीम ने मुख्य मार्गो पर दुकानदारो तक को अपनी दुकान के सामने बेतरतीब से

खडे वाहनो को व्यवस्थित रूप से रखने का निर्देश प्रदान किया था। जिसे पुन टीम बनाकर इस अभियान को आगे बढाने का निर्देश प्रदान किये गये है। वहीं अनेको वार्डो की महिलाओं ने आकर मकान के लिये पट्टे की मांग सामने रखी। जिसमें विभाग ने अपनी पास की लिस्ट से मिलान कर जिलाधीश कार्यालय से भी पेंडिग पडी लिस्ट को बुलवाकर शीघ्र इस मांग को पुरी करने का आश्वासन दिया। चूंकि यह विषय प्रदेश शासन से जुडा होने के कारण इस विषय पर अच्छे से अच्छा करने की सोच जनता दरबार की तरफ से रखी गयी। नपा परिषद में समस्याओं को सामने रखने में महिलाओ की अधिक संख्या दिखने से प्रतित हो रहा हैं की अब यह कार्यक्रम एक बडे जनविश्वास को प्राप्त करने की दिशा में तेजी से कदम बढा रहा हैं।

व्रतधारी महिलाओं ने गौर का किया विसर्जन

नहर,नदी व तालाबों के तट पर रही महिलाओं की भीड़

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी । पति की दीर्घायु एवं अखंड सौभाग्य की कामना को लेकर महिलाओं के द्वारा रखा जाने वाला हरितालिका तीज का निर्जला व्रत नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में श्रद्धा और धार्मिक आस्था के साथ मनाया गया। बुधवार १५ सितंबर की सुबह व्रतधारी महिलाओं ने विधि विधान से पूजा अर्चना के बाद भगवान शिव एवं माता पार्वती की गौर प्रतिमाओं का नहर, नदी व तालाबों में विसर्जन कर व्रत का समापन किया। हरितालिका पर्व के अवसर पर महिलाओं ने अपने घरों में बालू,मिट्टी से भगवान शिव एवं माता पार्वती की गौर प्रतिमा तैयार कर पूजा अर्चना की। महिलाओं ने पूरी रात जागकर भजन कीर्तन एवं भगवान शिव पार्वती की आराधना की। सुबह घरों में पूजा अर्चना कर पकवानों का भोग लगाया गया। इसके बाद महिलाएं गौर प्रतिमा को लेकर नहर, नदी एवं तालाबों के तट पर पहुंचीं, जहां आरती करने के बाद विधि.विधान से गौर का विसर्जन किया गया। नगर से होकर गुजरने वाली बड़ी नहर एवं चंदन नदी के तट पर सुबह से ही व्रतधारी महिलाओं की टोलियां पहुंचने लगी थीं। महिलाओं ने माता गौरा की आरती कर गौर विसर्जन किया। इसके बाद एक दूसरे के माथे पर कुमकुम का टीका लगाकर अखंड सौभाग्य की कामना की तथा प्रसादी का वितरण किया। सुबह से दोपहर तक नगर के विभिन्न मार्गों पर गौर लेकर जाती महिलाओं की भीड़ दिखाई देती रही। हरितालिका तीज के अवसर पर नगर सहित क्षेत्र के अधिकांश घरों में रात भर भजन कीर्तन एवं जागरण का दौर चला। महिलाओं ने टोली बनाकर एक दूसरे के घर पहुंचकर हल्दी कुमकुम कार्यक्रम में सहभागिता की। पूरी रात भगवान शिव एवं माता पार्वती की आराधना करते हुए महिलाओं ने अपने पति की दीर्घायु तथा परिवार की सुख समृद्धि की कामना की।

नवदुर्गा उत्सव समीति सिविल क्लब की बैठक हुई

लाईव गरबे के आयोजन सहित अन्य विषयों को लेकर किया गया विचार विर्मश

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नवदुर्गा उत्सव समिति सिविल क्लब की बैठक १५ सितंबर को स्थानीय इंडोर स्टेडियम परिसर में आयोजित की गई। यह बैठक समिति अध्यक्ष संजय सिंह कछवाहा सहित अन्य सदस्यों की उपस्थिति में प्रारंभ की गई। जिसमें नवदुर्गा उत्सव समिति की परंपरा के तहत भव्य आयोजन को लेकर चर्चा की गई की किस प्रकार से पंडाल लाइटिंग गरबा और शरद पूर्णिमा का कार्यक्रम रहेगा। प्राप्त जानकारी अनुसार नवदुर्गा उत्सव समिति सिविल क्लब का यह २३ वां वर्ष है जिसमें हमेशा भव्यता की गुंजाइश रखी गई है। इसमें बंगाल कलकत्ता के कारीगरों के माध्यम से पंडाल का निर्माण किया जाता है हर बार लाइव गरबा किया जाता है। इस बार बेहतर डीजे एवं संचालक टीम को लाने वहीं लक्की ड्रा में लाखों के इनाम हर बार की तरह इस बार भी रखे गए हैं। तो वहीं सबसे बड़ा कार्यक्रम शरद पूर्णिमा के दिन रखा जाता है जिसमें हिंदी सिनेमा के प्रसिद्ध गायक एवं अभिनेता को लाने का प्रयास पर भी चर्चा की गई। वहीं उपस्थित सदस्यों के द्वारा कार्यक्रम को अति भव्य बनाने के लिए अपने अपने सुझाव दिए गए। जिस पर आगामी समय में बैठक कर चर्चा करने की बात कही गई। विदित हो की वह दुर्गा उत्सव का नाम जिले ही नहीं आसपास के क्षेत्र और महाकौशल सहित महाराष्ट्र के विभिन्न स्थानों पर ख्याति प्राप्त है। लगातार भव्य कार्यक्रमों की पेशकश की जाती रही है जहां पर दुर्गा उत्सव को देखने के लिए दूर दूर से लोग आते हैं इस वर्ष भी भव्यता में और बढ़ोतरी करने का प्रयास समिति का है। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष संजयसिंह कछवाहा, आशीष सिंह, संजय सिंह चंदेल, अजय पात्रे, संतोष शिवणे, संतोष आड़े, अरमान खान, हरी क्षीरसागर, बसंत गिरी, शिवदयाल देशमुख, संजय चोले, विक्रांत चंद्रवार, सुधीर शर्मा, असपाक खान, रिंकु दुबे, मनीष हेडाउ, कैलाश कसार, प्रदीप डहरवाल, राजेश पटले, सिकंदर मिश्रा, बंसत गिरी, शरीफ खान, राजू बोपचे, दिनेश पानेकर, मन्नू डहरवाल, बोनी पटले, आकाश बांडेबूचे, सुमित डोंगरे सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

नवदुर्गा उत्सव समिति के २३ वॉ वर्ष को भव्य बनाने पर हुई चर्चा - संजय सिंह कछवाह

समिति अध्यक्ष संजय सिंह कछवाहा ने बताया कि २३ वर्षो से हमारे द्वारा नवरात्र पर्व मनाया जा रहा है और हर बार जो बैठक आयोजित होती है वह इस बार की गई। सभी जानते हैं कि हमारे मंडल के द्वारा जो नवरात्र पर्व मनाया जाता है वह आसपास के जिले सहित संभाग और महाराष्ट्र में ख्याति प्राप्त है। यहां समिति के द्वारा चर्चा की गई की कैसे और नवरात्र पर्व को और भव्य कैसे बना सकते हैं। और क्या कुछ नया किया जा सकता है आज समिति का पुर्नगठन किया गया और सभी को जिम्मेदारी सौंपी गई साथ ही कुछ आवश्यक विषयों पर चर्चा की गई। पिछले चार वर्षो से पश्चिम बंगाल कलकत्ता के कारीगरों के द्वारा मनमोहक प्रतिमा एवं पंडाल का भव्य निर्माण किया जा रहा हैं जो इस वर्ष भी किया जाएगा। समिति का प्रयास रहेगा की बढ़कर कार्य किया जा सके। लाईव गरबा मे वायलिन वादक सहित अन्य आकर्षण भी शामिल किये जाने का विचार किया जा रहा है शरद पूर्णिमा को हमारे यहां जो बड़े बड़े कार्यक्रम होता है पिछले वर्ष फिल्म अभिनेता चंकी पाण्डे को आमंत्रित किया गया था उससे पहले भी राजपाल यादव, गुलशन ग्रोवर, मोहम्मद अजीज जैसे बडे कलाकारो को बुलवाया गया था इस वर्ष भी कोई बड़ा और चर्चित चेहरा लाने के प्रयास किये जा रहे है । लक्की भक्त उपहार कूपन मे भी लाखों के उपहार रखे जायेंगे ।

पिकअप की टक्कर से ३५ वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत

नेवरगांव टोल के पास भीषण सड़क हादसा वाहन चालक मौके से फरार

झपद्मेश न्यूज। वारासिवनी । वारासिवनी थाना क्षेत्र के ग्राम नेवरगांव वां टोल के पास मंगलवार को लालबर्रा की ओर से आ रहे पिकअप वाहन ने बाइक सवार युवक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में रामपायली निवासी ३५ वर्षीय किशोर सोनवाने की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। दुर्घटना के बाद पिकअप चालक वाहन को लॉक कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने वाहन जब्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रामपायली निवासी हीरालाल सोनवाने अपने पुत्र किशोर सोनवाने और नातिन काजल के साथ ग्राम पाथरी में रिस्तेदार की शादी का रिश्ता पक्का करने के लिए जा रहे थे। इसी दौरान वारासिवनी बस स्टैंड पर हीरालाल की बेटी रामकला सोनवाने मिल गईं। रामकला के आग्रह पर हीरालाल और काजल बस से पाथरी के लिए रवाना हो गए जबकि किशोर अपनी बाइक से पाथरी जाने के लिए निकल पड़ा। किशोर जैसे ही ग्राम नेवरगांव वां टोल के पास पहुंचा तभी लालबर्रा की ओर से आ रहे पिकअप वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि किशोर की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद पिकअप चालक वाहन को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। टोल कर्मचारियों ने एम्बुलेंस वाहन की सहायता से मृतक के शव को वारासिवनी पहुंचाया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्यवाही कर शव को सिविल अस्पताल परिसर स्थित शव विच्छेदन गृह में पंचनामा कार्यवाही कर पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है। वहीं पिकअप वाहन को थाने लाकर दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। जगतलाल राउत ने पुलिस को बताया की मैं वार्ड नं.४ ग्राम पाथरी रहता हूं। मजदूरी का काम करता हूं मेरे भतीजे रामेश्वर राऊत को ग्राम पाथरी निवासी हर्पित पारधी का फोन आया और बताया की तुम्हारे रिस्तेदार का एक्सीडेंट ग्राम नेवरगांव पंचायत के सामने हो गया है। तो मैं तथा मेरा काका भाई विजय राऊत के साथ नेवरगावं पंचायत के सामने आकर देखे तो मेरा साला किशोर सोनवाने रोड़ के किनारे मृत हालात में पड़ा था। हर्पित पारधी ने बताया की तुम्हारा साला मोटर सायकल से पाथरी तरफ आ रहा था तब एक पिकअप सफेद रंग की जो लालबर्रा तरफ से वारासिवनी तरफ जा रही थी उससे एक्सीडेंट होने के बाद वह मृत हो गया है। तब वहां उपस्थित लोगो ने पुलिस को फोन लगाये और थोड़ी देर बाद पुलिस आयी और मेरे साले किशोर सोनवाने के शव को लेकर वारासिवनी सिविल अस्पताल लेकर गये है।

इनका कहना है

घटना की जानकारी लगते ही मौके से शव बरामद कर मामले में आवश्यक कार्यवाही कर परिजनों को शव सुपुर्द कर दिया गया है। घटना में मर्ग कायम कर जांच प्रारंभ कर दी है यह एक्सीडेंट का मामला है

किरण कुमार बाहेश्वर
एएसआई वारासिवनी

पूर्व जनपद सदस्य सुरेन्द्र जैतवार ने ली कांग्रेस पार्टी की सदस्यता

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी । वारासिवनी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत बोदलकसा के भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जनपद सदस्य सुरेन्द्र जैतवार ने अपने कुछ साथियों के साथ वारासिवनी जनसंपर्क कार्यालय पहुंचकर विधायक विवेक पटेल के हस्ते कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है। विधायक विवेक पटेल ने सभी को विधिवत पार्टी का गमछा पहनाकर व तिलक लगाकर अभिनंदन किया। सुनील राणा ने कहा कि भाजपा सरकार का कार्यकाल लगभग तीन वर्ष पूर्णता की ओर है। लेकिन चुनाव में दिए गए वादों में से एक भी किसानों के वादों को पूरा नहीं किया है। किसान,युवा बेरोजगार,व्यापारी,आम जनता का भाजपा सरकार से मोहभंग हो गया है। आने वाले समय पर प्रदेश में कांग्रेस पार्टी की सरकार बनेगी। कांग्रेस पार्टी जल जंगल जमीन और आदिवासी अधिकार की रक्षा के साथ विकास की लड़ाई जारी रखेगीं। विधायक विवेक पटेल ने कहा कि देश का युवा ही राजनीति में बदलाव ला सकता है और कांग्रेस पार्टी युवाओं के हित में कार्य करती है। भाजपा सरकार ने युवाओं के रोजगार को छिन लिया है। लोग बेरोजगार हो गए दो वक्त की रोटी के लिए देश का युवा विदेशों में जा रहा है। गरीब और गरीब होते जा रहे है ये सरकार उद्योग पतियो की सरकार है। अडानी अंबानी ही हमारे देश को चला रहे है,इन लोगों का सरकार ने अरबो रुपए का कर्ज माफकर दिया और किसानों जब खेती के लिए कर्ज लेता है तो उन्हें दिया नहीं जाता है। बालाघाट जिले मलेरिया और अन्य बीमारियों से दर्जनों बच्चों की मौत हो गई। मगर अभी तक किसी भी अधिकारियों की जिम्मेदारी तय नहीं की गई। भाजपा के नेता वहां फोटो खिंचवाने चले गए मगर सुविधा अब तक उपलब्ध नहीं हो पाई है।

विश्वकर्मा:देवघर की आस्था से जमालपुर की मशीनों तक

भारत में कुछ पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं होते। वे किसी सभ्यता की उस गहरी चेतना को अभिव्यक्त करते हैं, जिसमें जीवन, श्रम, सृजन और प्रकृति एक-दूसरे से अलग नहीं हैं। विश्वकर्मा पूजा ऐसा ही पर्व है। यह औजारों, मशीनों, कारखानों और निर्माण-स्थलों की पूजा भर नहीं, बल्कि उस भारतीय दृष्टि का उत्सव है जिसमें सृजन साधना है, श्रम सम्मान है और कौशल संस्कृति है। धार्मिक परंपरा में भगवान विश्वकर्मा को देवशिल्पी कहा गया है—देवताओं के वास्तुकार, निर्माण-कला के आचार्य और शिल्पविद्या के आदिगुरु। पौराणिक आख्यानों में इंद्रपुरी, लंका, द्वारका, हस्तिनापुर और पुष्पक विमान जैसी अद्भुत रचनाओं का संबंध विश्वकर्मा से जोड़ा गया है। इन कथाओं का ऐतिहासिक मूल्य अलग-अलग हो सकता है, लेकिन उनका सांस्कृतिक संदेश गहरा है। भारतीय मानस ने निर्माण और तकनीकी कौशल को कभी केवल रोजी-रोटी का काम नहीं माना। शिल्पी के हाथ में सृजन की शक्ति देखी गई।इसी व्यापक सांस्कृतिक स्मृति की एक सुंदर कड़ी देवघर के बाबा बैद्यनाथ धाम से जुड़ती है। देवघर को हम सामान्यत: भगवान शिव के द्वादश ज्योतिर्लिंगों में प्रतिष्ठित बैद्यनाथ धाम के रूप में जानते हैं। लेकिन इस नगरी की पहचान केवल एक ज्योतिर्लिंग तक सीमित नहीं है। यहां धर्म, लोकविश्वास, स्थापत्य और पौराणिक स्मृति की अनेक धाराएं एक-दूसरे में मिलती हैं। बैद्यनाथ मंदिर परिसर की वास्तु-स्मृति को लेकर विश्वकर्मा से जुड़ी लोकमान्यताएं इसी सांस्कृतिक परंपरा का हिस्सा हैं। कहा जाता है कि देवशिल्पी विश्वकर्मा ने यहां मंदिरों का निर्माण किया था। यह ऐतिहासिक प्रमाण के रूप में नहीं, बल्कि सदियों से चली आ रही लोकआस्था के रूप में देखा जाना चाहिए। लेकिन लोकविश्वास की अपनी शक्ति होती है। वह पत्थरों और दीवारों को केवल स्थापत्य नहीं रहने देता, उन्हें कथा और स्मृति में बदल देता है। देवघर के मंदिरों को देखते हुए यही अनुभव होता है कि यहां पत्थर भी मानो कोई पुरानी कहानी कहते हैं। बैद्यनाथ धाम की मुख्य कथा स्वयं रावण, शिव और विष्णु से जुड़ी हुई है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, रावण भगवान शिव को प्रसन्न कर शिवलिंग को लंका ले जाना चाहता था। शर्त थी कि शिवलिंग को धरती पर रखने के बाद वह फिर उठाया नहीं जा सकेगा। देवताओं की लीला से रावण को उसे भूमि पर रखना पड़ा और वही स्थान आगे चलकर बैद्यनाथ धाम के रूप में प्रतिष्ठित हुआ। इस पौराणिक स्मृति के साथ जब विश्वकर्मा की स्थापत्य-कथा जुड़ती है तो देवघर का अर्थ और व्यापक हो जाता है। यहां शिव केवल आराध्य नहीं हैं, बल्कि उनके धाम को आकार देने वाला शिल्प भी धार्मिक स्मृति का हिस्सा बन जाता है। देवघर की लोककिंवदंती कहती है कि एक बार भगवान विश्वकर्मा पुष्पक विमान से आकाश मार्ग में भ्रमण कर रहे थे। उनकी दृष्टि इस पवित्र स्थल पर पड़ी। उन्होंने संकल्प लिया कि एक ही रात में यहां पांच दिव्य मंदिरों का निर्माण करेंगे। कथा के अनुसार, उन्होंने सबसे पहले भगवान शिव का मंदिर बनाया। उसके बाद माता पार्वती, भगवान गणेश और संध्या मंदिर का निर्माण हुआ। इसके बाद विश्वकर्मा ने अपने लिए एक भव्य मंदिर बनाना शुरू किया। यहीं कथा में कल्पना और आस्था का अद्भुत संसार खुलता है। लोकमान्यता है कि देवताओं को चिंता हुई कि कहीं विश्वकर्मा का अपना मंदिर बाबा बैद्यनाथ के मंदिर से भी अधिक भव्य न हो जाए। तब भगवान विष्णु ने मुर्गे का रूप धारण कर समय से पहले ही बांग दे दी। विश्वकर्मा ने समझा कि भोर हो चुकी है। एक रात में निर्माण पूरा करने का उनका संकल्प अधूरा रह गया और उनका अपना मंदिर भी अधूरा रह गया।

आओ खुशियों के खुबसूरत रिश्तों नातों संबंधों की कद्र करें

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियां में भारत ही एक ऐसा देश है जहां रिश्तोंनातों की बहुत गहराई से कद्र होती है, जो कि आदि अनादि काल से ही भारत की मिट्टी में समाया हुआ है,इसलिए जो मानव भारत की मिट्टी पर पैदा हुआ है उसमें प्राकृतिक रूप से उसके मन में रिश्ते नातों, संबंधों की कद्र करना समा जाता है, परंतु समय का तकाजा है,उसके चकरे के घूमने से कई चीजें न केवल बदल जाती हैं,बल्कि व्यक्ति विशेष का स्वभाव, अंदाज, आदत तो छोड़ो लेकिन उसके जीवन की दिनचर्या ही बदल जाती है जिसमें उसके रिश्ते नाते संबंधों में दरार आने लगती है, जिससे वह व्यक्ति खुशीयों की खूबसूरत लकीर से हटकर अकेलापन और दुख की ओर चल पड़ता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि इसका सबसे मजबूत कारण मिस अंडरस्टैंडिंग मिस कम्युनिकेशन व कम्युनिकेशन गैप है, चूंकि सामने वाला व्यक्ति, कहना कुछ चाहता है, हम समझते कुछ हैं, और हो कुछ और जाता है इसलिए सबसे पहले हमें उस अंडरस्टैंडिंग के अंदाज को समझने की जरूरत है,जिस लहजे में हमसे बोला जा रहा है, अगर हम यह तकनीक सीख गए तो मेरा पूरा विश्वास है हमारे रिश्ते नाते हमेशा दूर-दूर तक साधारण वह मजबूत रहेंगे। अवस्था में रहेंगे और हमें खुशियां मिलेगी क्योंकि खुशियों के लिए हमारे द्वारा बनाए संबंधों रिश्तो नातों को मजबूत स्वस्थ और खुशहाल बनाना जरूरी है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे रिश्तो के बिना जीवन बेकार है रिश्तो पर ध्यान देने की जरूरत है, खुशियों के खूबसूरत रिश्तों नातों को तोड़ने में गलतफहमी संवादहीनता व नांसमझी की मुख्य भूमिका हैं। खुशहाल रिश्तों नातों को मजबूत करने नजरअंदाजी झुकना व समर्पण का भाव होना अत्यंत जरूरी हैं।

साथियों बात अगर हम अपने जीवन में रिश्तों नातों को निभाने की करें तो,व्यक्ति के जीवन में उसका परिवार, दोस्त और रिलेटिव सबसे ज्यादा करीब होते हैं।रिश्ता चाहें जो भी हो,उसे निभाने के लिए कई जरूरी बातों का ख्याल रखना होता है। परिवार में हर व्यक्ति की सोच और स्वभाव एक दूसरे से अलग होती है, लेकिन फिर भी सभी घर में एक दूसरे के साथ बैलेंस बनाकर चलते हैं।कई बार व्यवहार बिल्कुल अलग होने और सोच एक दूसरे से न मिलने के कारण रिश्ते खराब हो जाते हैं और कई बार टूट भी सकते हैं,ऐसा कोई नहीं चाहता कि उनका रिश्ता उनके करीबियों से खराब हो जाए या टूट जाए, इसलिए अपने किसी भी रिश्ते में लापरवाही या नासमझी नहीं करनी चाहए। रिश्तो को खुशहाल रखने के लिए इन बातों को रेखांकित करना जरूरी है। (1) इज्जत और सम्मान करें-रिश्ता चाहें माता पिता से हो या दोस्तों से हो, उसकी मर्यादा को हमेशा याद रखना चाहिए,कोई भी रिश्ता बिना सम्मान के ज्यादा दिन नहीं टिक पाता है अपने रिश्तों को मजबूत बनाने के लिए एक दूसरे की इज्जत करना बेहद जरूरी है। (2)भरोसा करें और ईमानदार रहें-दुनियां के हर रिश्ते की नींव भरोसे पर टिकी होती है। भरोसा कमजोर पड़ते ही सालों पुराने और खून के रिश्ते भी टूट जाते हैं,इसीलिए हमको अपने किसी भी रिश्ते में बेवजह शक नहीं करना चाहिए और अपनों का भरोसा कभी नहीं तोड़ना चाहिए। (3) इन चीजों को करने से बचेंरोक-टोक ना करें-हर समय की रोक-टोक किसी भी व्यक्ति को परेशान कर सकती है और वे आपसे धीरे धीरे दूर हो सकते हैं, इसीलिए बेवजह बात बात पर रोक टोक ना करें और सामने वाले को उनका पूरा समय देने की कोशिश करें। (4) मिसकॉम्युनिकेशन से बचें-किसी भी रिश्ते में कम्युनिकेशन गैप आने से रिश्ते खराब हो जाते हैं, इस स्थिति से बचने के लिए मन में कोई बात ना रखें और खुलकर बात करें और दूसरो को भी अपने मन की बात कहने का मौका दें।

साथियों बात अगर हम रिश्ते खराब होने के कारणों की करें तो, जब जब किसी रिश्ते के बीच में मैं का भाव आ जाता है तो है रिश्ता खराब होना निश्चित होता है,उसरिश्ते को तब तक नहीं बचाया जा सकता जब तक की मैं का भाव मिटा न दिया जाए।और यह हमारी आपसी तालमेल पर ही निर्भर करता है कभी हम अपनी गलती माने, कभी सामने वाला अपनी गलती माने, इसी प्रकार से जिंदगी खुशी पूर्वक चलती रहती है। परंतु यदि हम यह सोच कर बैठ जाएंगे कि हम तो गल्ती करते ही नहीं, तो फिर रिश्ता निभाना मुश्किल हो जाएगा। कई बार हमको उस बात के लिए भी सामने वाले

से माफी मांग लेनी चाहिए, जिसमें कि हमारा कोई दोष नहीं है,क्योंकि कभी-कभी यह समय की आवश्यकता होती है और बाद में सही समय पर उस व्यक्ति को उसकी गलती का एहसास दिलाया जा सकता है।परंतु यदि अभी लड़ाई चल रही है और हम भी अपनी बात पर अड़ गए, तो फिर विवाद का अंत होना संभव ही नहीं है, विवाद बढ़ता ही चला जाएगा और यह स्थिति हमारे जीवन में अशांति और क्लेश घर कर जाएगा। एक सफल रिश्ते की दूसरी सबसे महत्वपूर्ण कुंजी है,विश्वास और एक दूसरे पर भरोसा, इसे कभी भी नहीं टूटने देना चाहिए, क्योंकि यदि एक बार किसी का भरोसा आप पर से उठ गया, तो यकीन मानिए फिर दोबारा से उस व्यक्ति को भरोसे में ला पाना असंभव ही होता है वह हमेशा हमें शक की दृष्टि से ही देखेगा। यदि एक बार हमारे जीवन में शक नामक घुन लग गया तो यकीन मानिए फिर वह हमको तबाह करके ही छोड़ता है। पुरानी कहावत है लव रिक्वायर्स टोलरेंस।इसका सीधा अर्थ है प्यार में नजर अंन्दाजी यानि झुकना जरुरी है।यानि अगर झुकोगे नहीं,तो टूट जाओगे(रिश्ता खत्म) ।तलाक के 90 प्रतिशत मामले अकड़ का नतीजा होते हैं। दोनों में से कोई भी झुकने को तैयार नहीं होता। इसलिए रिश्ता टूट जाता है।गलती हुई है,तो सॉरी बोलिए।बात को खत्म करिये।नजर अन्दाज करने की आदत डालिये।छोटी सी गलती को तूल देना अच्छा नहीं।अगर रिश्ता पति पत्नी का है,तो न कोई छोटा है,न कोई बड़ा ।टोकरी शहतूत के पेड़ की टहनी से इसलिए बनती है कि उसमें लचक होती है।वह मोड़ने पर टूटती नहीं ।यानि जो व्यक्ति झुकना नहीं जानता,वह टूट जाता है। इसलिए रिश्ता जिन्दा रखना है,तो झुकना सीखें वरना,एक दिन राख के ढेर में यादों को तलाशते रहजाएंगे ।रिश्तों में एक दूसरे को स्पेस देना बहुत जरूरी है। क्योंकि जब तक हम उनसे दूर नहीं जाएंगे वो आपकी कमी को कभी महसूस नहीं कर पाएंगे।और अगर रिश्तों को बेहतर बनाने की सोच से हम नजदीकियां बढ़ाएगे तो कहीं उलटा ही ना हो जाए,क्योंकि ज्यादा मिठास भी शुगर कर देती है,हाहाहा... इसलिए थोड़ी दूरियां बनाइये ताकि हमारी कमी उन्हें महसूस हो,हमको याद करने का उन्हें अवसर दे। साथियों बात अगर हम रिश्तो को जोड़े रखने की टिप्स को समझने की करें तो, रिश्तो को जोड़े रखने के लिए कभी अंधा कभी बहरा तो कभी गूंगा होना पड़ता है? जी हां! यह रिश्ते को ही नहीं आज अपने घर में भी हर बुजुर्ग को बच्चों के साथ रहना, खाना है,तो यह करना चाहिए। यह उपाय हमको हर समस्या से बचाए रखता है।(1) समझदारी-रिश्तों को मजबूती से जोड़ने के लिए समझदारी बहुत महत्वपूर्ण है, जिससे आप दूसरों की भावनाओं को समझ सकते हैं।(2) संवाद कौशल-सही संवाद कौशल रखना रिश्तों को मजबूत बनाए रखने में मदद करता है, जिससे समस्याओं का समाधान हो सकता है।(3)समर्पण-रिश्तों को टिकाऊ बनाए रखने के लिए समर्पण बहुत महत्वपूर्ण है, जिससे आप एक दूसरे के साथ खुशियों और दु:खों का हिस्सा बन सकते हैं। (4) सहमति और समर्थन-रिश्तों में सहमति और समर्थन देना जरूरी है ताकि हर कदम पर आप एक दूसरे के साथ हों। (5) आपसी आत्मविश्वासरिश्तों को मजबूत रखने के लिए आपसी आत्मविश्वास महत्वपूर्ण है, ताकि आप खुद को और दूसरों कोसमझ सकें।जो लोग रिश्तो के प्रतिवफादार नहीं होते, और उनकी मर्यादा नहीं समझते या उनकी कीमत नहीं समझते, ऐसे लोग अपने रिश्तो को आसानी से तोड़ देते हैं।रिश्ते तोड़ते समय उनके मन में जरा सा भी संकोच या शर्म महसूस नहीं होती क्योंकि ऐसे लोग शर्म और संकोच से परे होते हैं, वह जानते ही नहीं है कि ,शर्म, मर्यादा और संकोच क्या कहलाता है ? ऐसे व्यक्तियों से यदि रिश्ता टूट जाता है तो दुख नहीं करना चाहिए,क्योंकि यह व्यक्ति आगे जाकर हमें और ज्यादा परेशान करते हैं।हमें यदि कल परेशान होना है तो ,क्यों ना हम इनके रिश्ते से टूट कर ,अभी बिखर कर फिर नए तरीके से संभलकर जीवन को आगे बढ़ाएं।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि आओ खुशियों के खुबसूरत रिश्तों नातों संबंधों की कद्र करें। खुशहाल रिश्तों नातों को मजबूत करने नजरअंदाजी झुकना व समर्पण का भाव होना अत्यंत जरूरी.रिश्तों नातों को खुशहाल बनाने आपसी आत्मविश्वास, समर्पण सहमति समर्थन व समझदारी का भाव रूपी अस्त्र की महत्वपूर्ण भूमिका हैं।

-किशन सनमुखदास भावनानीं

मानसिक स्वास्थ्य की पहली चौखट बनता एआई

- डॉ. प्रियंका सौरभ

- सुलभता बढ़ाने की क्षमता के साथ गोपनीयता, गलत सलाह और मानवीय संवेदना की चुनौती

मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी परेशानियों के बीच अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आधारित चैटबॉट लोगों के लिए तेजी से संपर्क का पहला माध्यम बनते जा रहे हैं। अकेलापन, चिंता, तनाव, अवसाद, रिश्तों की उलझन या भावनात्मक संकट के क्षणों में कई लोग पहले किसी चिकित्सक के पास जाने के बजाय एआई से बातचीत करना पसंद कर रहे हैं। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में, जहां मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच अभी भी असमान है, एआई तकनीक एक नई संभावना प्रस्तुत करती है। हालांकि, यह समझना आवश्यक है कि एआई मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करने का माध्यम हो सकता है, उनका विकल्प नहीं। भारत में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की सबसे बड़ी चुनौतियों में प्रशिक्षित विशेषज्ञों की सीमित उपलब्धता, ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में सेवाओं का अभाव, उपचार की लागत तथा मानसिक बीमारी से जुड़ा सामाजिक कलंक शामिल हैं। ऐसे वातावरण में एआई की चौबीसों घंटे उपलब्धता महत्वपूर्ण अवसर पैदा करती है। व्यक्ति जब चाहे अपनी समस्या साझा कर सकता है और प्रारंभिक स्तर पर जानकारी, भावनात्मक सहारा तथा स्व-सहायता संबंधी सुझाव प्राप्त कर सकता है। एआई आधारित डिजिटल मानसिक स्वास्थ्य प्लेटफॉर्म इस दिशा में उपयोगी भूमिका निभा सकते हैं। मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं के प्रति सामाजिक झिझक भी एआई के उपयोग को बढ़ावा दे सकती है। अनेक लोग परिवार, मित्र या चिकित्सक के सामने अपनी भावनाएं व्यक्त करने में संकोच करते हैं। अपेक्षाकृत गुमनाम डिजिटल बातचीत उन्हें अपनी चिंता, डर और परेशानियों को शब्द देने का अवसर देती है। इस प्रकार चैटबॉट मानसिक स्वास्थ्य संबंधी संवाद की पहली सीढ़ी बन सकते हैं और व्यक्ति को आवश्यकता होने पर आगे पेशेवर सहायता लेने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। एआई का एक महत्वपूर्ण लाभ शुरुआती स्क्रीनिंग में भी है। व्यक्ति के संवाद, व्यवहार और कुछ डिजिटल संकेतों का विश्लेषण करके एआई संभावित चिंता, अवसाद या अन्य मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों की पहचान में सहायता कर सकता है। हालांकि ऐसी स्क्रीनिंग को अंतिम चिकित्सकीय निदान नहीं माना जाना चाहिए। इसका उद्देश्य केवल संभावित जोखिम को पहचानकर व्यक्ति को उचित विशेषज्ञ तक पहुंचाने में सहायता करना होना चाहिए। भारत की भाषाई विविधता को देखते हुए बहुभाषी एआई तकनीक भी विशेष महत्व रखती है। यदि मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जानकारी और प्रारंभिक सहायता केवल अंग्रेजी या कुछ सीमित भाषाओं तक रहेगी, तो बड़ी आबादी इससे बाहर रह जाएगी। भाषा-तकनीक और भारतीय भाषाओं के लिए विकसित डिजिटल प्रणालियां इस अंतर को कम कर सकती हैं। भविष्य में ऐसी सेवाओं को टेली-मानस जैसी सरकारी मानसिक स्वास्थ्य पहलों के साथ जोड़कर दूरदराज के क्षेत्रों तक प्रारंभिक सहायता पहुंचाई जा सकती है। व्यक्तिगत सहायता भी एआई की एक उपयोगी विशेषता हो सकती है। दवा लेने की याद दिलाना, नींद और दिनचर्या पर ध्यान देने के लिए प्रेरित करना, तनाव कम करने के अभ्यास सुझाना या संज्ञानात्मक व्यवहार चिकित्सा आधारित संरचित स्व-सहायता गतिविधियों में मार्गदर्शन देना कुछ ऐसे क्षेत्र हैं, जहां एआई सहयोगी भूमिका निभा सकता है। चिकित्सकों के लिए भी एआई मरीजों की नियमित निगरानी, जोखिम वाले मामलों की पहचान और प्राथमिकता तय करने में सहायक हो सकता है। इससे सीमित मानव संसाधनों का अधिक प्रभावी उपयोग संभव हो सकता है। लेकिन अवसरों के साथ जोखिम भी गंभीर हैं। भावनात्मक संकट में व्यक्ति अत्यधिक संवेदनशील स्थिति में होता है। यदि एआई गलत, अधूरी या संदर्भहीन जानकारी देता है तो वह व्यक्ति की समस्या को और बढ़ा सकता है। किसी नकारात्मक या भ्रमपूर्ण धारणा को चुनौती देने के बजाय चैटबॉट अनजाने में उसे मजबूत कर दे, तो परिणाम गंभीर हो सकते हैं। यही कारण है कि मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े एआई सिस्टम में सामान्य सूचना देने वाले चैटबॉट और चिकित्सकीय सहायता देने वाले प्रमाणित उपकरणों के बीच स्पष्ट अंतर होना चाहिए। सबसे बड़ा खतरा तब पैदा होता है जब व्यक्ति एआई को वास्तविक चिकित्सक का विकल्प समझने लगता है। लगातार बातचीत के कारण भावनात्मक निर्भरता भी विकसित हो सकती है। व्यक्ति यह मान सकता है कि मशीन उसकी भावनाओं को पूरी तरह समझती है, जबकि एआई के पास मानवीय अनुभव, नैतिक निर्णय, नैदानिक विवेक और वास्तविक सामाजिक संदर्भ को समझने की सीमाएं हैं। आत्महत्या या आत्महानि जैसे संकटपूर्ण मामलों में यह सीमा और अधिक गंभीर हो जाती है। व्यक्ति हमेशा सीधे शब्दों में अपनी स्थिति व्यक्त नहीं करता। उसके संकेत अप्रत्यक्ष, अस्पष्ट या सांस्कृतिक संदर्भों में छिपे हो सकते हैं। यदि एआई ऐसी चेतावनियों को पहचानने में विफल रहता है या समय पर मानवीय सहायता से नहीं जोड़ता, तो नुकसान की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए उच्च जोखिम वाले मामलों में चैटबॉट को बातचीत जारी रखने के बजाय प्रशिक्षित व्यक्ति, हेल्पलाइन या आपातकालीन सेवा की ओर तत्काल मार्गदर्शन करने में सक्षम होना चाहिए। गोपनीयता भी एक बड़ी चिंता है। मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी बातचीत अत्यंत निजी होती है। व्यक्ति अपनी भावनाएं, पारिवारिक परिस्थितियां, संबंध, भय और व्यक्तिगत अनुभव डिजिटल प्रणाली के साथ साझा कर सकता है। ऐसे संवेदनशील डेटा का संग्रह, भंडारण, उपयोग और साझा किया जाना स्पष्ट नियमों तथा मजबूत डेटा सुरक्षा के अधीन होना चाहिए।

भारत में डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण संबंधी व्यवस्था के संदर्भ में मानसिक स्वास्थ्य डेटा के लिए विशेष सावधानी आवश्यक है। इसके अतिरिक्त, एआई में मौजूद एल्गोरिथ्मिक पक्षपात भी चिंता का विषय है। भारत की भाषाई, सांस्कृतिक, लैंगिक और सामाजिक विविधता इतनी व्यापक है कि एक ही मॉडल सभी समुदायों की मानसिक स्वास्थ्य जरूरतों को समान रूप से नहीं समझ सकता। किसी एक भाषा, वर्ग या सांस्कृतिक संदर्भ पर आधारित प्रशिक्षण से तैयार प्रणाली दूसरे समुदाय के लिए अनुपयुक्त सलाह दे सकती है। इसलिए आगे का रास्ता एआई को रोकना नहीं, बल्कि उसे जिम्मेदारी के साथ विकसित करना है। मानसिक स्वास्थ्य संबंधी एआई प्रणालियों के लिए स्वतंत्र नैदानिक परीक्षण, नियमित सुरक्षा ऑडिट, स्पष्ट जवाबदेही और संकट-स्थिति में मानव विशेषज्ञ तक पहुंचाने के अनिवार्य प्रोटोकॉल होने चाहिए। उच्च जोखिम वाले मामलों में मानव हस्तक्षेप को वैकल्पिक नहीं, बल्कि अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। साथ ही, डिजाइन के स्तर पर ही गोपनीयता, डेटा न्यूनतमकरण और सुरक्षित उपयोग को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। भारत में एआई मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की पहली चौखट को व्यापक बना सकता है। वह उस व्यक्ति तक पहुंच सकता है जो दूरी, खर्च, भाषा या सामाजिक कलंक के कारण चिकित्सक तक नहीं पहुंच पा रहा। लेकिन पहली चौखट और अंतिम मंजिल में अंतर है। मानसिक स्वास्थ्य केवल सूचना या बातचीत का विषय नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना, नैदानिक समझ और निरंतर देखभाल का क्षेत्र है। इसलिए भविष्य की सही दिशा 'एआई बनाम चिकित्सक' नहीं, बल्कि 'एआई के साथ चिकित्सक' होनी चाहिए। तकनीकी पहुंच का विस्तार करे, प्रारंभिक संकेत पहचाने और सहायता की राह आसान बनाए; अंतिम निर्णय और देखभाल में प्रशिक्षित मानव विशेषज्ञ केंद्र में रहें। यही संतुलन भारत में सुरक्षित, सुलभ और मानवीय मानसिक स्वास्थ्य व्यवस्था की आधारशिला बन सकता है।

ब्रिक्स में भारत की जय-जयकार आतंकवाद पर एकजुट दुनिया और बदलती वैश्विक व्यवस्था

नई दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ने बदलती वैश्विक राजनीति में भारत की बढ़ती भूमिका का प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस तरह आतंकवाद के खिलाफ स्पष्ट और कठोर रुख रखा, वैश्विक दक्षिण को निर्णय प्रक्रिया में अधिक प्रभावी भूमिका देने की बात कही और अलग-अलग मत रखने वाले देशों को एक साझा घोषणापत्र पर सहमत कराया, उससे भारत की कूटनीतिक क्षमता सामने आई है। सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि यह रही कि ब्रिक्स देशों ने आतंकवाद के खिलाफ शून्य सहनशीलता की नीति पर सहमति जताई। पहलगाम आतंकी हमले की निंदा ने भारत के उस लंबे प्रयास को मजबूती दी है जिसमें वह आतंकवाद को किसी भी राजनीतिक या रणनीतिक बहाने से अलग रखकर उसके खिलाफ वैश्विक एकजुटता की मांग करता रहा है।

ब्रिक्स का दिल्ली घोषणापत्र इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इस संगठन में ऐसे देश शामिल हैं जिनके बीच अनेक अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर गंभीर मतभेद हैं। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध जारी है। पश्चिम एशिया में ईरान, इजरायल और अरब देशों के बीच तनाव की स्थिति बनी हुई है। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और ईरान जैसे देशों के अपने-अपने क्षेत्रीय हित हैं। ऐसे वातावरण में सभी सदस्य देशों को एक साझा दस्तावेज पर सहमत कराना आसान काम नहीं था। भारत ने किसी एक देश को कठघरे में खड़ा करने के बजाय आतंकवाद, युद्ध, आर्थिक दबाव और वैश्विक संस्थाओं में सुधार जैसे व्यापक मुद्दों पर सहमति बनाने का रास्ता चुना। यही भारतीय कूटनीति की सबसे बड़ी विशेषता रही।

घोषणापत्र में पहलगाम आतंकी हमले की कड़े शब्दों में निंदा और सीमा पार आतंकवाद सहित आतंकवाद के किसी भी रूप के खिलाफ शून्य सहनशीलता का संदेश भारत के लिए विशेष महत्व रखता है। आतंकवाद के वित्तपोषण और उसे संरक्षण देने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जरूरत पर जोर देकर ब्रिक्स ने यह संकेत दिया है कि आतंकवाद केवल किसी एक देश की सुरक्षा समस्या नहीं बल्कि पूरी मानवता के लिए चुनौती है। यह भारत के लिए इसलिए भी बड़ी उपलब्धि है क्योंकि आतंकवाद के मुद्दे पर वैश्विक मंचों पर लंबे समय से वह अधिक स्पष्ट और प्रभावी अंतरराष्ट्रीय कार्रवाई की मांग करता रहा है।

ब्रिक्स घोषणापत्र का एक और महत्वपूर्ण पक्ष संयुक्त राष्ट्र और उसकी प्रमुख संस्थाओं में सुधार की आवश्यकता पर सहमति है। सुरक्षा परिषद में भारत और ब्राजील की बड़ी भूमिका का समर्थन वैश्विक शासन व्यवस्था में बदलाव की बढ़ती मांग को दर्शाता है। भारत लंबे समय से कहता रहा है कि वर्तमान वैश्विक संस्थाएं आज की दुनिया की वास्तविकताओं का पूरा प्रतिनिधित्व नहीं करतीं। जब विश्व की आर्थिक और जनसंख्या संबंधी तस्वीर बदल चुकी है, तब निर्णय लेने वाली संस्थाओं में भी इसका प्रतिबिंब दिखाई देना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने इसी भावना को आगे बढ़ाते हुए कहा कि वैश्विक दक्षिण को केवल नियमों का पालन करने वाला नहीं बल्कि नियम तय करने वाला बनना होगा।

प्रधानमंत्री का यह संदेश ब्रिक्स की मूल भावना से भी जुड़ा हुआ है। भारत ने स्पष्ट किया कि ब्रिक्स किसी देश के खिलाफ बनाया गया मंच नहीं है। इसका उद्देश्य परस्पर सहयोग, विकास और वैश्विक समस्याओं के समाधान के लिए संवाद को बढ़ावा देना है। यह रुख ऐसे समय में महत्वपूर्ण है जब अमेरिका और पश्चिमी देशों के साथ व्यापार, शुल्क और रणनीतिक प्रतिस्पर्धा को लेकर दुनिया में तनाव बढ़ा हुआ है। घोषणापत्र में एकतरफा आर्थिक प्रतिबंधों, मनमाने शुल्क और गैर-शुल्क बाधाओं का विरोध तथा विश्व व्यापार संगठन में सुधार की आवश्यकता पर जोर देकर ब्रिक्स देशों ने नियम आधारित और अधिक संतुलित वैश्विक व्यापार व्यवस्था की मांग रखी है।

आर्थिक क्षेत्र में स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने और सीमा पार भुगतान व्यवस्था को तेज तथा सरल बनाने पर जोर भी भविष्य की दिशा का संकेत देता है। इसका उद्देश्य डॉलर आधारित व्यवस्था को तत्काल समाप्त करना नहीं बल्कि देशों के बीच व्यापार के लिए अधिक विकल्प तैयार करना है। यदि ब्रिक्स देश स्थानीय मुद्राओं में व्यापार और भुगतान की व्यवस्था को मजबूत करते हैं तो इससे आपसी आर्थिक निर्भरता बढ़ सकती है और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में नई व्यवस्थाओं को गति मिल सकती है। ऊर्जा सुरक्षा को लेकर भी सम्मेलन में महत्वपूर्ण चर्चा हुई। ऊर्जा का निर्बाध प्रवाह, महत्वपूर्ण ऊर्जा ढांचे की सुरक्षा और मजबूत आपूर्ति श्रृंखलाओं पर जोर पश्चिम एशिया के तनाव की पृष्ठभूमि में विशेष महत्व रखता है।

फिलिस्तीन के मुद्दे पर दो-राष्ट्र समाधान और संयुक्त राष्ट्र में फिलिस्तीन की पूर्ण सदस्यता के समर्थन से ब्रिक्स ने पश्चिम एशिया में संवाद और कूटनीति के माध्यम से दीर्घकालिक शांति की जरूरत दोहराई है। भारत ने भी लगातार यही रुख अपनाया है कि युद्ध किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकता और बातचीत तथा कूटनीति को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इस दृष्टिकोण से भारत एक ऐसे देश के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है जो अलग-अलग पक्षों के बीच संवाद का रास्ता खुला रखने में विश्वास करता है। ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की द्विपक्षीय मुलाकात भी विशेष चर्चा में रही। दोनों नेताओं ने भारत-चीन संबंधों को आगे बढ़ाने और मतभेदों को विवाद में नहीं बदलने पर जोर दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट कहा कि दोनों देशों के संबंधों के निरंतर विकास के लिए सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता आवश्यक है। उन्होंने आपसी सम्मान, आपसी संवेदनशीलता और आपसी हित के सिद्धांतों का पालन करने की जरूरत भी बताई। चीन के राष्ट्रपति ने दोनों देशों के एक-दूसरे की ताकत से सीखने और साझा विकास की दिशा में आगे बढ़ने की बात कही। इस बातचीत से यह संकेत जरूर मिला कि दोनों देश तनाव कम करने और संबंधों में व्यावहारिक सुधार की संभावनाएं तलाश रहे हैं, हालांकि सीमा विवाद जैसे जटिल मुद्दों का समाधान समय और निरंतर संवाद से ही संभव होगा।भारत-चीन संबंधों में सामान्य स्थिति की ओर बढ़ने का एक संकेत दोनों देशों के बीच हवाई संपर्क की बहाली भी है। चीन की विमानन कंपनी द्वारा 21 सितंबर से ग्वांगझू और नई दिल्ली के बीच नियमित उड़ान सेवा फिर शुरू करने की घोषणा दोनों देशों के लोगों और व्यापारिक संबंधों के लिए सकारात्मक कदम है। कोविड महामारी के बाद निलंबित हुई उड़ान सेवाओं और सीमा तनाव के कारण दोनों देशों के बीच संपर्क प्रभावित हुआ था। हवाई संपर्क की बहाली से व्यापार, पर्यटन और लोगों के बीच संबंधों को गति मिलने की उम्मीद की जा सकती है। इस पूरे घटनाक्रम के बीच भारत की आर्थिक स्थिति से जुड़ी एक और सकारात्मक खबर सामने आई है। चार सितंबर को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 44.9 अरब डॉलर बढ़कर 785.7 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। इस वृद्धि के साथ भारत विदेशी मुद्रा भंडार के मामले में रूस को पीछे छोड़कर दुनिया का चौथा सबसे बड़ा भंडार रखने वाला देश बन गया है। भारत से आगे चीन, जापान और स्विट्जरलैंड हैं। विदेशी मुद्रा भंडार में इतनी बड़ी वृद्धि ऐसे समय हुई है जब वैश्विक अर्थव्यवस्था कई तरह की अनिश्चितताओं से गुजर रही है। मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार भारत को वैश्विक आर्थिक उतार-चढ़ाव के दौरान अपनी मुद्रा और अर्थव्यवस्था को अधिक मजबूती से संभालने की क्षमता देता है।

ब्रिक्स सम्मेलन की तस्वीर को यदि व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखा जाए तो भारत के सामने केवल एक शिखर सम्मेलन की सफलता नहीं बल्कि वैश्विक नेतृत्व की नई संभावना दिखाई देती है। आतंकवाद के खिलाफ साझा सहमति, पहलगाम हमले की निंदा, सुरक्षा परिषद में भारत की बड़ी भूमिका का समर्थन, वैश्विक दक्षिण को निर्णय प्रक्रिया में अधिक अधिकार देने की आवाज, आर्थिक व्यवस्था में सुधार की मांग, पश्चिम एशिया में संवाद और शांति का आग्रह तथा चीन के साथ संबंधों में तनाव कम करने की कोशिश, इन सभी घटनाओं को एक साथ रखकर देखा जाए तो भारत की कूटनीति का व्यापक स्वरूप सामने आता है।

भारत की ताकत केवल आर्थिक विकास या सैन्य क्षमता में नहीं बल्कि अलग-अलग विचारधारा और हित रखने वाले देशों को संवाद की मेज पर लाकर सहमति बनाने की क्षमता में भी दिखाई दे रही है। दिल्ली घोषणापत्र इसी क्षमता का प्रमाण है। आने वाले समय में ब्रिक्स कितना प्रभावी वैश्विक मंच बनता है, यह उसके सदस्य देशों की घोषणाओं को वास्तविक नीतियों में बदलने की क्षमता पर निर्भर करेगा। लेकिन इतना स्पष्ट है कि नई दिल्ली में हुए सम्मेलन ने भारत को केवल मेजबान देश के रूप में नहीं बल्कि बदलती विश्व व्यवस्था में एक सक्रिय, संतुलित और निर्णायक शक्ति के रूप में स्थापित किया है। यही इस सम्मेलन की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

-कांतिलाल मांडोत

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। उठाव की सुस्तता से मंगलवार को खोपरा गोला सुस्ती पर रहा। शक्कर में नमरी रही। खाद्य तेलों में आयातित मालों की तेजी का असर रहा। अनाज, दलहन व तिलहन मंडी में अवकाश रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार खोपरा गोला में माँग सुस्त रहने से बाजार नरमी के रहे। शक्कर में भी बाजार घटाकर बोले गये। वहीं, खाद्य तेलों में आयातित मालों की तेजी का असर रहा। उधर, अनाज, दलहन व तिलहन मंडी में अवकश रहा। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4700-4850, खोपरा गोला 350-400, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 230-250, सांगली 310-320, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 775-785, गारबल्ड 755-760, मटरदाना 800-900, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाड़ा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची शंकर 3500-3800, मीडियम 4000-4200, बेस्ट 4400-4600, एक्स्ट्रा बेस्ट 4600-4800, पानबार 3000-3500, बड़ी इलायची 1350-1650, तरबूज मगज 500-525, काजू (240) 940-960, काजू (320) 910-920, काजू डब्ल्यू (340) 850-870, काजू एस.डब्ल्यू (300) 850-900, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 780-820, बादाम मगज 1065-1150, सिंगापुरी 980-1000, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 900-1000, बेस्ट 1250-1300, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूं आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3100, (160) 3200, (200) 3500, (250) 3800,

तेल- सींगदाना 1780-1800, मुम्बई 1800, राजकोट तेलिया 2770, सोया साल्वेंट 1380-1390, सोया रिफाइंड 1440-1445, कपास्या 1610, धूलिया 1600, कड़ी 1600,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1725, मुम्बई पाम 1505, मुम्बई सोया 1490,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2690, देवास-उज्जैन 2690, खंडवा-बुरहानपुर 2660, अकोला 3950 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8000-8200, रायड़ा 7000-7200, सोयाबीन 6000, टोली (महुआ बीज) 5700-5900, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6750-6850, एवरेज 6500-6550, विशाल 6550-6650, काबूली चना डॉलर 7000-8300, काबूली चना रशियन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7000-7300, मूंग पुराना बोल्ड 7400-7600, मीडियम 7300-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7400, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7700-7900, उड़द बेस्ट 9200-9500, उड़द गर्मी 8800-9200, ग्रेविटी क्लीन 9500-9900, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000-9500, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11800, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 300, रतलाम 290 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। मंगलवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। दोनों मूल्यवान धातुओं में बाजार सुस्ती के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 229000, चाँदी (99) 228800, टंच 228200, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 148300,

आरबीआई अक्टूबर में बढ़ा सकता है ब्याज दरें-रिपोर्ट

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) अक्टूबर की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर सकता है। एमके ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज की एक रिपोर्ट के अनुसार, घरेलू और वैश्विक मैक्रोइकोनॉमिक परिस्थितियों में आए हालिया बदलावों से यह संभावना काफी बढ़ गई है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि दर वृद्धि चक्र शुरू होने पर भी यह सीमित रह सकता है। रिपोर्ट ने ब्याज दर परिदृश्य में बदलाव के पीछे तीन प्रमुख घटनाक्रमों का जिक्र किया है। इनमें एफसीएनआर जमा में 136 अरब डॉलर तक की मजबूत बढ़ोतरी, कच्चे तेल की कीमतों में उछाल (ब्रेंट क्रूड 100 डॉलर प्रति बैरल के पार) और वैश्विक स्तर पर मौद्रिक नीति का सख्त होना शामिल है। यूरोपीय सेंट्रल बैंक (ईसीबी) पहले ही दरें बढ़ा चुका है, जबकि अमेरिकी फेडरल रिजर्व और बैंक ऑफ जापान से भी दरों में वृद्धि की उम्मीद है। इन बदली हुई परिस्थितियों में आरबीआई का व्यापक फोकस घरेलू लिक्विडिटी और विदेशी मुद्रा प्रबंधन पर बने रहने की संभावना है।

भारतीय शेयर बाजार में बढ़त के साथ कारोबार

मुंबई। एजेंसी। भारतीय बेंचमार्क इंडेक्स ने मंगलवार को आईटी शेयरों में जोरदार खरीदारी के दम पर बढ़त दर्ज की, जो ज्यादातर एशियाई बाजारों से बेहतर प्रदर्शन था। सेंसेक्स 399.79 अंक बढ़कर 75,181.55 के स्तर पर बंद हुआ, वहीं निफ्टी50 103.30 अंक की बढ़त के साथ 23,501.40 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी50 में एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा और इंफोसिस जैसे आईटी दिग्गजों ने सबसे ज्यादा बढ़त हासिल की, जिससे निफ्टी आईटी सेक्टर में 5 फीसदी की शानदार तेजी दर्ज की गई। हालांकि, व्यापक बाजार में तस्वीर कुछ कमजोर रही। निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मालकैप इंडेक्स दोनों में मामूली गिरावट देखने को मिली, जबकि निफ्टी रियल्टी सबसे ज्यादा गिरने वाला सेक्टर रहा। क्सपर्ट्स के अनुसार, भारतीय बाजारों को शुक्रवार की कमजोरी के बाद गणेश चतुर्थी की छुट्टी से पहले मिले-जुले वैश्विक संकेतों का सामना करना पड़ा। सोमवार को अमेरिकी बाजारों में गिरावट जारी रही, जहां सेमीकंडक्टर शेयरों में बिकवाली के कारण एनविडिया 2 फीसदी से ज्यादा टूट गया। तकनीकी नजरिए से एक्सपर्ट्स के मुताबिक, अगर निफ्टी 23,300 के ऊपर बना रहता है तो बाजार का रुख सकारात्मक रह सकता है। ऊपर की ओर 23,550 और फिर 23,750 अहम रेजिस्टेंस स्तर हैं। कच्चे तेल की कीमतों में नरमी बाजार को और मजबूती दे सकती है। इससे पहले 11 सितंबर बाजार की शुरुआत गैप-डाउन के साथ हुई थी। हालांकि, भारतीय शेयरों ने इसके बाद तेज वापसी की। सूचकांक के दिग्गज शेयरों में चुनिंदा खरीदारी ने शुरुआती नुकसान को कम करने में मदद की। यह वापसी बहुत व्यापक नहीं थी। मानक सूचकांक अंततः मिले-जुले रुख के साथ बंद हुए। बैंक निफ्टी ने मामूली बढ़त के साथ कारोबार समाप्त किया।

मेटा अब सीधे भारतीय एजेंसी को देगा डेटा

नई दिल्ली। एजेंसी। ऑनलाइन बाल यौन शोषण (सीएसएएम) और अन्य हानिकारक सामग्री के खिलाफ सरकार की कड़ी सख्ती के बीच, सोशल मीडिया दिग्गज मेटा ने बाल सुरक्षा से जुड़े मामलों की जानकारी सीधे भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) द्वारा संचालित साइबर अपराध मंच को देने पर सहमति जताई है। यह कदम मेटा को भारत में कानून प्रवर्तन एजेंसियों को सीधे जानकारी देने की प्रतिबद्धता जताने वाली पहली बड़ी प्रौद्योगिकी मध्यस्थ कंपनी बनाता है। केंद्र सरकार लंबे समय से सोशल मीडिया मंचों पर मजबूत सुरक्षा उपाय और अधिक जवाबदेही सुनिश्चित करने पर जोर दे रही है। मेटा के प्रवक्ता ने बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता बताया और अपराधियों की जवाबदेही तय करने के लिए सरकार के साथ काम करने की प्रतिबद्धता जताई। पहले मेटा यह जानकारी अमेरिका स्थित एक केंद्र को देता था, लेकिन अब यह व्यवस्था भारत केंद्रित होगी, जिससे त्वरित कार्रवाई में आसानी होगी। सरकारी सूत्रों ने स्पष्ट किया है कि भारत में बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा मूलभूत सिद्धांत है, जिस पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता। सरकार उन मंचों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दे चुकी है जो नाबालिगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रहते हैं। हाल ही में, सरकार ने सीएसएएम और डीपफेक जैसी सामग्री पर अंकुश लगाने के तरीके को लेकर मेटा को नोटिस जारी किया था और उनके वैश्विक अधिकारियों को तलब भी किया था। यह मेटा की प्रतिबद्धता बच्चों के लिए मंचों को सुरक्षित बनाने की दिशा में पहला महत्वपूर्ण कदम है। सरकार का कहना है कि अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है, और सभी मंचों से ऐसी हानिकारक सामग्री की सक्रिय रूप से पहचान कर उसे हटाने की अपेक्षा है। भारतीय कानून का पालन न करने पर सरकार कड़ी चेतावनी दे चुकी है।

रूस प्रतिबंध विधेयक पर अमेरिकी संसद में घमासान!

नई दिल्ली। एजेंसी। अमेरिकी कांग्रेस में रूस पर प्रतिबंध लगाने वाले एक महत्वपूर्ण विधेयक को लेकर घमासान मचा हुआ है। प्रतिनिधि सभा में इस विधेयक में ऐसे संशोधन पेश किए गए हैं, जो भारत सहित रूस के प्रमुख व्यापारिक साझेदारों पर टैरिफ लगाने या फिर इस प्रावधान को पूरी तरह हटाने की मांग करते हैं। यह विधेयक यूक्रेन युद्ध के लिए रूस को मिलने वाली वित्तीय सहायता को बाधित करने का लक्ष्य रखता है, लेकिन इसके माध्यमिक प्रतिबंधों को लेकर गहरे मतभेद उभर आए हैं। लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रूस एंड ईरान एक्ट नामक यह विधेयक पिछले महीने अमेरिकी सीनेट से 86-11 के भारी बहुमत से पारित हो चुका है। इसका उद्देश्य रूस के नेतृत्व, ऊर्जा क्षेत्र और उसके शैडो फ्लीट पर प्रतिबंध लगाकर यूक्रेन के खिलाफ युद्ध के लिए मॉस्को को मिल रही आर्थिक मदद को रोकना है। विधेयक में अमेरिकी राष्ट्रपति को रूस के कच्चे तेल के प्रमुख खरीदार देशों पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने का अधिकार देने का भी प्रस्ताव है, हालांकि सीनेट से पारित विधेयक में इन देशों के नाम स्पष्ट रूप से नहीं दिए गए थे। अब राष्ट्रपति के हस्ताक्षर से पहले इसे प्रतिनिधि सभा से पारित होना है, जिसके पास 3 नवंबर के मध्यावधि चुनाव से पहले केवल चार कार्यदिवस बचे हैं। इसी बीच प्रतिनिधि सभा में दो मुख्य संशोधन चर्चा का विषय बने हुए हैं। डेमोक्रेटिक सांसद स्टेनी होयर ने एक संशोधन पेश किया है, जिसमें चीन, भारत, तुर्किये और यूएई सहित 10 देशों को उन व्यापारिक साझेदारों के रूप में स्पष्ट रूप से नामित करने का प्रस्ताव है, जिन पर प्रस्तावित 100 प्रतिशत शुल्क लगाया जा सकता है। इसका अर्थ है कि रूस से तेल कारोबार करने वाले ये देश विधेयक में प्रस्तावित माध्यमिक टैरिफ के दायरे में आ जाएंगे। इसके विपरीत, डेमोक्रेटिक सांसद ग्रेगरी मीक्स ने एक अलग संशोधन पेश किया है, जिसमें राष्ट्रपति को अतिरिक्त टैरिफ लगाने का अधिकार देने वाले पूरे प्रावधान (धारा 113) को हटाने की मांग की गई है। मीक्स इस तरह के व्यापक माध्यमिक टैरिफ के मुखर विरोधी हैं और उन्हें तीन अन्य सांसदों का समर्थन भी मिला है।

मेष- आज का दिन आपके लिए काफी सार्थक रहने वाला है। सामाजिक क्षेत्र में आपकी सक्रियता बढ़ेगी और किसी महत्वपूर्ण काम में सकारात्मक परिणाम मिलने से आत्मविश्वास भी मजबूत होगा। किसी बेहद करीबी मित्र की मदद से कार्यक्षेत्र में बड़ी सफलता मिल सकती है। परिवार की ओर से कोई अच्छी खबर आपका मन प्रसन्न कर देगी, वहीं जीवनसाथी के साथ बिताया समय रिश्ते में मिठास बढ़ाएगा।

वृषभ- आज परिस्थितियां आपके पक्ष में रहेंगी और पहले से बनाई गई योजनाओं में से कोई महत्वपूर्ण काम पूरा हो सकता है। विद्यार्थियों के करियर में ऐसा बदलाव आ सकता है, जो भविष्य के लिए फायदेमंद साबित होगा। सोशल मीडिया या ऑनलाइन क्षेत्र से जुड़े लोगों की मुलाकात किसी ऐसे व्यक्ति से हो सकती है, जिससे आगे चलकर लाभ मिलेगा।

मिथुन- आज आप अपने लक्ष्य को लेकर काफी गंभीर नजर आएंगे और उन्हें हासिल करने के लिए नई योजना बना सकते हैं। अचानक कोई अच्छी खबर मिल सकती है और अप्रत्याशित धन लाभ के योग भी बन रहे हैं। नौकरीपेशा लोगों को किसी महत्वपूर्ण काम में सफलता मिल सकती है।

कर्क- आज का दिन मिला-जुला रहेगा, लेकिन समझदारी से काम लेने पर आप परिस्थितियों को अपने पक्ष में कर सकते हैं। किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह या सहायता किसी महत्वपूर्ण काम में काफी उपयोगी साबित होगी। परिवार के साथ मनोरंजन का कार्यक्रम बन सकता है और घर में अच्छा माहौल रहेगा। हालांकि पैसों के लेन-देन में सावधानी बरतें और अनावश्यक आर्थिक जोखिम लेने से बचें।

सिंह- आज का दिन अच्छा रहेगा, लेकिन आपकी सफलता काफी हद तक आपके व्यवहार और निर्णय लेने के तरीके पर निर्भर करेगी। अपनी सोच और व्यवहार में संतुलन बनाए रखें और किसी व्यक्ति पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करने से बचें। दाम्पत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी और जीवनसाथी के साथ रिश्ते और मजबूत होंगे। आज बड़े और जल्दबाजी वाले फैसले लेने से बचना ही समझदारी होगी।

कन्या- आज का दिन आपके लिए बेहद शानदार रहने वाला है। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और धन कमाने के नए अवसर सामने आ सकते हैं। विद्यार्थियों को शिक्षकों का पूरा सहयोग मिलेगा तथा करियर में आगे बढ़ने के रास्ते खुलेंगे। संतान की ओर से कोई सुखद समाचार मिल सकता है।

तुला- आज कामकाज की व्यस्तता बनी रहेगी और ऑफिस में आपको किसी महत्वपूर्ण मुद्दे पर अपनी बात मजबूती से रखने का अवसर मिल सकता है। आपकी बात का आसपास के लोगों पर अच्छा प्रभाव पड़ेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रहेगी, लेकिन परिवार से जुड़े कुछ मामलों को नजरअंदाज करना ठीक नहीं होगा। दोस्तों के साथ घूमने-फिरने का कार्यक्रम बन सकता है और परिवार में भी खुशी का माहौल रहेगा।

वृश्चिक- आज का दिन खुशियों और सकारात्मक घटनाओं से भरा रहेगा। ऑफिस में सहकर्मियों के साथ अच्छा तालमेल बना रहेगा और टीमवर्क से काम आसानी से पूरे होंगे। अचानक किसी नए स्रोत से धन लाभ हो सकता है, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति संतुलित होगी। शाम तक किसी समारोह या सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिल सकता है।

धनु- आज का दिन आपके लिए बेहद अच्छा रहेगा। परिवार के सदस्यों के साथ संबंध मजबूत होंगे और आप थोड़ी-सी अतिरिक्त मेहनत करके अपने महत्वपूर्ण लक्ष्यों को आसानी से प्राप्त कर सकते हैं। आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार आने के संकेत हैं। कारोबार के लिहाज से भी दिन लाभकारी रहेगा। किसी भी काम को जल्दबाजी के बजाय धैर्य और समझदारी से पूरा करने की कोशिश करें।

मकर- आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। परिवार से जुड़े किसी काम के कारण थोड़ी भागदौड़ करनी पड़ सकती है, लेकिन इसके बावजूद आप अपनी जिम्मेदारियों को अच्छी तरह संभाल लेंगे। ऑफिस में काम की गति बढ़ेगी और महत्वपूर्ण कार्य समय पर पूरे होने की संभावना है। भाई-बहन के साथ किसी विषय पर विचार-विमर्श होगा और किसी नए काम की योजना भी बन सकती है।

कुंभ- आज आपके सामने कामकाज से जुड़ा कोई बड़ा अवसर आ सकता है और सही समय पर उठाया गया कदम आपको अच्छा लाभ दिला सकता है। किस्मत का साथ मिलने से मुश्किल काम भी आसान होते नजर आएंगे। घर का माहौल खुशनुमा रहेगा और परिवार में आपसी विश्वास तथा प्रेम बढ़ेगा। अचानक धन लाभ का कोई अवसर मिल सकता है। आपके काम से प्रभावित होकर लोग आपकी प्रशंसा करेंगे और करियर में आगे बढ़ने के नए रास्ते खुल सकते हैं।

मीन- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहेगा और किसी खास काम में अच्छा लाभ मिलने की संभावना है। भाई-बहन के साथ रिश्तों में सुधार आएगा और आपसी समझ बढ़ेगी। जीवनसाथी आपकी बातों और विचारों से प्रभावित हो सकते हैं, जिससे दाम्पत्य संबंधों में सकारात्मकता आएगी। व्यापार के मामलों में दिन अच्छा रहेगा और सामाजिक कार्यों में भी सफलता मिलने के संकेत हैं।

शब्दजाल - 8392

अ	क	ल	इं	दि	रा	गां	धी	इं	ल	ज
र	ट	ल	दे	व	गौ	ड़ा	इं	द्र	ट	वा
त	स	ल	ल	र्म	छ	मो	रा	कु	ख	ह
च	ज	ज	वि	पु	र	रा	प	मा	ली	र
म	र	दो	ज	हा	लं	र	तू	र	झ	ला
न	क	ण	प	ह	री	जी	ना	गु	घ	ल
मो	अ	स	सिं	या	प	दे	श	ज	ला	ने
ह	ता	दा	ई	ह	व	सा	फ	रा	श	ह
न	बा	चे	न	ब्रा	जी	ई	री	ल	प	रु
सिं	पा	ला	ल	ब	हा	दु	र	शा	स्त्री	ता
ह	रा	जी	व	गां	धी	रा	वा	द	प	न

शब्द जाल में भारत के 10 प्रधानमंत्रियों के नाम नाम ढूंढिए, नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

जवाहरलाल नेहरू, लालबहादुर शास्त्री, चरण सिंह, मोरारजी देसाई, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, अटलबिहारी, मनमोहन सिंह, इंद्रकुमार गुजराल, देवगौड़ा

शब्दजाल - 8391 का हल

फिल्म वर्ग पहेली- 7326

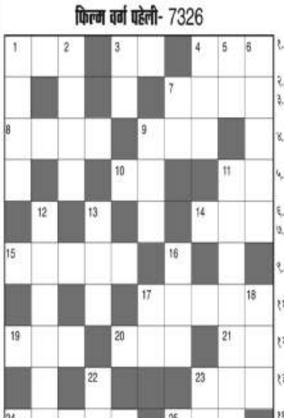

बायें से दायें:-

१. 'राह बनी खुद मंजिल' गीत वाली विस्वजीत, वहीदा की फिल्म-३
३. संजीवकुमार, सुचित्रासेन की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
४. 'मैं ने तेरे लिए ही' गीत वाली अमिताभ, राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-३
७. गोविंदा, आदित्य, नीलम, मंदाकिनी की अजय कश्यप निर्देशित फिल्म-४
८. 'कितना मजा आ रहा है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२,२
९. राजेंदकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'ना जाओ परदेस' गीत वाली दिलीपकुमार, अनिलकपूर, जैकी श्रॉफ, श्रीदेवी, पुनम ढिल्लों की फिल्म-२
११. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की 'हर तरफ हर जगह' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'ऐ मेरे मेहरबां ऐ मेरे हमनशीं' गीत वाली मनोजकुमार, साधना की फिल्म-३
१५. जीतेंद्र, रेखा की 'गोकुल की गलियों का' गीत वाली फिल्म-२,२,१
१७. 'जाओ जाओ हम से क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ, अमृता सिंह की फिल्म-२,३
१९. अरविंद, प्रभुदेवा, काजोल की 'चंदा रे चंदा रे कभी' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'सिलसिला शुरू हुआ यहाँ से' गीत वाली फिल्म-३
२१. राजकपूर, नर्गिस की 'राजा की आएगी बारात' गीत वाली फिल्म-२
२३. शशि, संजीवकुमार, वहीदा, पुनम की फिल्म-३
२४. राहुलराय, शीबा की 'तेरी दोस्ती में मिला है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
२५. 'देखो मेरा दिल मचल' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, नाना पटेकर, तब्बू की 'हम हैं बनारस के भैया' गीत वाली फिल्म-४
२. शाहरुख, विवेक, जूही की फिल्म-४
३. धर्मेन्द्र, माला सिन्हा की 'गैरों पे करम अपनों पे सितम' गीत वाली फिल्म-२
४. 'कभी तो मिलेगी कहीं' गीत वाली अशोक, प्रदीप, मीना की फिल्म-३
५. फिल्म 'परिवार' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
६. शाहबद, किरण, तब्बू, रीता की फिल्म-५
७. सनी, सुष्मिता सेन की 'कोई देख रहा हुए हुए के' गीत वाली फिल्म-२
९. 'तेरे चेहरे में वो' गीत वाली फिरोज खान, हेमा मालिनी, रेखा की फिल्म-३
११. जॉय, सायरा की 'दिल की महफिल सजी है' गीत वाली फिल्म-२,२,३
१२. 'इक तुम पास ना आना' गीत वाली अमिताभ, लक्ष्मी छाया की फिल्म-२,१,३
१३. अक्षयकुमार, माधुरी दीक्षित की 'दुनिया से दूर जा रहा हूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६. राजकुमार, शत्रुघ्नसिन्हा, हेमा मालिनी, मिथुन चक्रवर्ती की फिल्म-३
१७. आमिर खान, फैजलखान, ट्विंकल की 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२२. 'आज सजन मोहे अंग लगालो' गीत वाली फिल्म-२
२३. नसीरुद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7325

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

16 सितम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

बुधवार 2026 वर्ष का 259 वा दिन
दिशाशूल उत्तर ऋतु शरद।
विक्रम संवत् 2083
शक संवत् 1948
मास भाद्रपद पक्ष शुक्ल
तिथि पंचमी 09.00 बजे को समाप्त।
नक्षत्र विशाखा 17.23 बजे को समाप्त।
योग वैधृति 12.23 बजे को समाप्त।
करण बालव 09.00 बजे तदनन्तर कौलव 21.51 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 04.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 02° 43'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872834
जूलियन दिन 2461299.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना रवि उस्सानी तारीख 04
विशेष बलराम जयंती।

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	05.55 बजे से
चंद्र	तुला में	तुला	08.06 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृश्चिक	10.20 ब.से
बुध	कन्या में	धनु	12.36 बजे से
गुरू	कर्क में	मकर	14.42 बजे से
शुक्र	तुला में	कुंभ	16.28 बजे से
शनि	मीन में	मीन	18.01 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	19.31 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	21.11 बजे से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		मिथुन	23.10 बजे से
		कर्क	01.23 बजे से
		सिंह	03.39 बजे से

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	06.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः संगीत का सौंदर्य

फ्रांस के प्रसिद्ध संगीतकार गाल्फर्ड के पास एक लड़की संगीत सीखने आया करती थी जो अत्यंत कुरूप थी। एक दिन लड़की ने गाल्फर्ड को बताया कि जब कभी वह मंच पर जाती है तो सोचने लगती है कि अन्य लड़कियां तो बहुत ही आकर्षक हैं। कहीं लोग उसकी हंसी तो नहीं उड़ाएंगे। इस आशंका से वह ढंग से नहीं गा पाती। लेकिन घर पर अपने लोगों के बीच वह ठीक से गाती है और वहां सभी उसके गायन की प्रशंसा करते हैं। बस मंच पर जाने के समय ही वह अपनी सारी क्षमता गंवा बैठती है। गाल्फर्ड ने उसकी बातें ध्यान से सुनी। फिर अत्यंत स्नेहपूर्वक बोले, 'बेटी, संगीत का अपना सौंदर्य होता है। जो उस सौंदर्य का रस पीने आते हैं, वे गायक व गायिका का रूप नहीं देखते। फिर भी तुम ऐसा करो कि रोजाना एक बड़े शीशे के सामने खड़े होकर अपनी छवि निहारो और ऐसा करते हुए गीत गाओ। इससे तुम्हारी झिझक अपने आप खत्म हो जाएगी और यह भी समझ में आ जाएगा कि संगीत की मधुरता और संगीतकार के रूप का आपस में कोई संबंध नहीं है। दर्पण के सामने जब तुम भाव विभोर होकर गाओगी तो तुम्हारे मन से हर तरह का डर निकल जाएगा। फिर धीरे-धीरे तुम मंच पर बेफिक्र होकर गा सकोगी।' लड़की ने अपने गुरु की सलाह पर उसी दिन से अमल करना शुरू कर दिया। इससे उसके भीतर आत्मविश्वास आने लगा। फिर जब वह मंच पर उतरी तो उसकी झिझक पूरी तरह खत्म हो गई। संगीत के क्षेत्र में उसने काफी प्रसिद्धि प्राप्त की। उसका नाम था मेरी बुडलनाल्ड।

सूडोकू नवताल- 7635

★★★★☆ मध्यम

			1					6
7		2		5				9
		4			2	7	5	
5	7				9		1	8
				6				
6	1		3				2	4
	5	1	9			8		
2				8		9		1
9					3			

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल -7634 का हल

1	9	3	2	4	6	5	8	7
4	7	2	5	1	8	3	6	9
6	5	8	7	3	9	1	2	4
3	8	9	4	5	1	2	7	6
2	4	7	6	9	3	8	1	5
5	1	6	8	7	2	4	9	3
8	2	4	9	6	5	7	3	1
7	6	1	3	2	4	9	5	8
9	3	5	1	8	7	6	4	2

शब्द पहेली - 8850

बाएँ से दाएँ

1.जनमत-4
4.सचेत,सजग-4
7. सहयात्री,संगी-5
9.रुपया,पैसा -2
11.छोटी सवारी गाड़ी-2
12.घ्राणेंद्रिय-2
13.बेकार-3
15.झुका हुआ-2
16.बसंत काल-3
17.टिड्डा-3
18.अन्वेषण,ढूंढना-2
19.जलने की प्रक्रिया-3
21.एक विदेशी शराब-2
23.कला,हुनर-2
24.मैदे की एक प्रकार की रोटी-2
25.आत्मबलिदानी-5
29.करामात-4
30.नामसूची-4

ऊपर से नीचे

1.पूजा,प्रार्थना-4
2.मार्ग,पथ-2
3.यमराज,मृत्युदेवता-2
4.स्वच्छ-2
5.दूल्हा,वरदान-2
6.द्वेष,ईर्ष्या-4
8.तमीज,तहजीब-3
10.सेंधमार-5
11.चुगली करना-5
13.देवर्षि-3
14.रसद,खाद्य सामग्री-3
18.भयानक,डरावना-4
20.अक्षर (उर्दू-3)
22.संजीव कुमार व लीना चंदावरकर की फिल्म-5
25.तेज,सत्य-2
26.ईश्वर,भगवान-2
27.रुदन,क्रंदन-2
28.मोमबत्ती(उर्दू-2)

शब्द पहेली -8849 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

स्वामित्व योजना के निष्पादन से अलग रखने, फार्मर आईडी पर कार्रवाई रोकने, जिओ टैग गिरदावरी से भी मुक्त रखने की मांग

पटवारियों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन, मांगें नहीं मानी तो कलमबंद आंदोलन की चेतावनी

पद्मेश न्यूज। लांजी। स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन-2026 योजना में पटवारी संवर्ग को निष्पादक की भूमिका से अलग रखने सहित विभिन्न मांगों को लेकर पटवारी संघ लांजी ने 15 सितंबर मंगलवार को मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम लांजी को ज्ञापन सौंपा। संघ ने कहा कि योजना के तहत पटवारियों से ई-केवाईसी, पंजीयन और अन्य व्यक्तिगत दायित्व वाले कार्य कराए जाने से भविष्य में कानूनी विवादों में उन्हें व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार ठहराए जाने की आशंका है। ज्ञापन में संघ ने बताया कि ग्रामीण आबादी क्षेत्र की भूमि सामान्य राजस्व कृषि भूमि से अलग प्रकृति की है। स्वामित्व योजना के तहत सर्वेक्षण एवं मानचित्रण पंचायत राज व्यवस्था के मार्गदर्शन में किया गया है, जबकि राजस्व विभाग के पटवारियों ने इसमें सहयोगात्मक भूमिका निभाई है। संघ का कहना है कि योजना के निष्पादन एवं पंजीयन की जिम्मेदारी पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के माध्यम से कराई जाना अधिक उचित होगा। पटवारी संवर्ग आवश्यक राजस्व एवं अभिलेखीय सहयोग देने के लिए तैयार है।

दस्तावेज में नाम आने से बढ़ेगा व्यक्तिगत दायित्व

संघ ने ज्ञापन में कहा कि पंजीयन दस्तावेज में पटवारी का नाम, पद, पहचान संबंधी विवरण और ई सिग्नेचर निष्पादक के रूप में प्रदर्शित होने पर भविष्य में सीमा, क्षेत्रफल, नाम, वारिसान, हिस्सेदारी, कब्जा अथवा पहचान संबंधी विवाद होने पर पटवारी को व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार ठहराए जाने की संभावना रहेगी। साथ ही किसी अभिलेख में सुधार की जांच भी उसी पटवारी से कराने की स्थिति तकनीकी रूप से उचित नहीं है। संघ ने योजना को प्रदेश स्तर पर लागू करने से पहले तकनीकी और लिपकीय त्रुटियों को सुधारने के लिए पर्याप्त अवसर देने की मांग की। कहा कि 100 दिन की समय-सीमा के बाद भी कई विवादों का निराकरण न्यायालयीन प्रक्रिया से ही संभव होगा।

फार्मर आईडी को सतत प्रक्रिया मानने की मांग

पटवारी संघ ने फार्मर आईडी को लेकर भी अपना पक्ष रखा। संघ का कहना है कि पटवारियों ने कम समय में बड़ी संख्या में फार्मर आईडी बनाकर योजना के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। शेष फार्मर आईडी तकनीकी समस्याओं के निराकरण के साथ लगातार बनने वाली प्रक्रिया है। इसलिए किसी पटवारी पर इसके लिए मानसिक दबाव या कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए। संघ ने कार्रवाई पर रोक लगाने के स्पष्ट निर्देश जारी करने की मांग की है।

जिओ टैग गिरदावरी का विरोध जारी

ज्ञापन में जिओ टैग गिरदावरी को भी अव्यावहारिक बताते हुए पटवारियों को इससे अलग रखने की मांग की गई। संघ ने कहा कि जिओ टैग गिरदावरी के दौरान सुरक्षा संबंधी चिंताएं भी सामने आई हैं। संघ ने स्पष्ट किया कि जब तक जिओ टैग व्यवस्था से संबंधित उनकी आपत्तियों का निराकरण नहीं होता, तब तक पटवारियों को इसके लिए प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जिम्मेदार नहीं माना जाए।

वेतन विसंगति और कैडर रिव्यू का मुद्दा भी उठाया

पटवारी संघ ने वेतन विसंगति, ग्रेड-पे, कैडर रिव्यू और पदोन्नति सहित लंबित सेवा संबंधी समस्याओं के स्थायी निराकरण की मांग भी की। संघ का कहना है कि शासन की विभिन्न योजनाओं को जमीन पर लागू कराने में पटवारी लगातार महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं, लेकिन मूल सेवा समस्याएं लंबे समय से लंबित हैं। ऐसे में नई योजनाओं का अतिरिक्त तकनीकी और प्रशासनिक कार्यभार देने से पहले इन समस्याओं का समाधान किया जाना चाहिए। संघ ने चेतावनी दी कि मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया और पटवारियों पर अत्यधिक दबाव बनाया गया तो प्रदेश स्तर पर कलमबंद आंदोलन किया जा सकता है। इसकी जिम्मेदारी शासन की होगी। ज्ञापन सौंपने के दौरान अध्यक्ष पारस भगत, उपाध्यक्ष ओमप्रकाश सोनी, प्रिंसु दुबे, सचिव मनीष डोंगरे, रुपेन्द्र कुथे, संजय पटले, देवराज रहांगडाले, देवेन्द्र महोबे, मौसमी सुखदेव, श्याम सुंदर अग्रवाल, विनय भालाधरे, सौरभ सिंह राजपूत, शिवानी चतुर्वेदी, आशिष बोमारडे, अभिजीत सिंह ठाकुर, रुक्मणी बैगा, मुस्कान रघुवंशी, मिथलेश शेण्डे, संजय धारणे, देवेन्द्र शरणागत, मुनेश अड़मे, गिरीश चौधरी, भूपेंद्र रिनायत, योगेश पटले, संदीप पाण्डे, दिव्या पंचेश्वर, अभिषेक तिवारी, अंशुल भावसार, चैनेन्द्रसिंह लिल्हारे, शशी लोधी, निराली बिसेन, पवन पटेल, सौरभ श्रीवास्तव, दीक्षा गणवीर, शिल्पा सोमराज, जागेश्वर धुर्वे, प्रतिभा पटेल, रोहित चावले, पल्लवी बांगरे, गौतम उके, कुमेन्द भोयर, अंजली यादव, ऋषि कपूर डोंगरे, रामकुमार सिंह तोमर, हेमंत यादव, पवन रावत, तोमेश सोनवाने, अरविंद उइके, प्रशांत मर्सकोले, राकेश कोरे, कुलदीप नागपुरे सहित अन्य पटवारी उपस्थित रहे।

घर-घर हो रही विघ्नहर्ता की आराधना, गणपति भक्ति में रंगा नगर

पद्मेश न्यूज। लांजी। गणेशोत्सव के अवसर पर इन दिनों नगर सहित ग्रामीण अंचलों का वातावरण पूरी तरह भक्तिमय नजर आ रहा है। घर-घर में भगवान श्री गणेश की प्रतिमाएं विराजित कर श्रद्धालु विधि-विधान से विघ्नहर्ता की पूजा-अर्चना कर रहे हैं। सुबह-शाम गणपति बप्पा की आरती और जयकारों से वातावरण गूंज रहा है। गणेश चतुर्थी से शुरू हुए इस पावन पर्व को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है। परिवारों द्वारा घरों में आकर्षक ढंग से गणपति स्थापना के लिए सजावट की गई है। प्रतिदिन भगवान श्री गणेश को दूर्वा, पुष्प, मोदक एवं विभिन्न प्रकार के नैवेद्य अर्पित कर सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की जा रही है। विशेषकर बच्चों में गणेशोत्सव को लेकर खासा उत्साह है। बच्चे सुबह से ही पूजा की तैयारियों में जुट जाते हैं और शाम को परिवार के सदस्यों के साथ आरती में शामिल होकर गणपति बप्पा के जयकारे लगाते हैं। कई घरों में प्रतिदिन भजन-कीर्तन एवं धार्मिक आयोजन भी किए जा रहे हैं। श्रद्धालुओं का मानना है कि भगवान श्री गणेश विघ्नों को हरने वाले और शुभ कार्यों के आराध्य देव हैं। उनकी श्रद्धा एवं भक्ति से पूजा करने पर घर में सकारात्मक ऊर्जा, सुख-शांति और समृद्धि का संचार होता है। गणेशोत्सव के चलते नगर की गलियों से लेकर घरों तक गणपति बप्पा मोरया के जयघोष सुनाई दे रहे हैं। गणेशोत्सव ने परिवारों को भी एकजुट करने का कार्य किया है। पूजा-अर्चना के दौरान बच्चे, युवा और बुजुर्ग सभी उत्साहपूर्वक सहभागी बन रहे हैं। घरों में धार्मिक आस्था के साथ उत्सव का उल्लास दिखाई दे रहा है।

जहरीले सांप के काटने से 60 वर्षीय व्यक्ति की मौत

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी अनुभाग बहेला थाना क्षेत्र के ग्राम बिरनपुर में जहरीले सांप के काटने से एक 60 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। घटना 15 सितंबर की रात करीब 12:50 बजे की बताई गई है। मृतक की पहचान भरतलाल नागपुरे, निवासी ग्राम बिरनपुर, थाना बहेला के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 14 सितंबर की रात भरतलाल नागपुरे खाना खाने के बाद अपने कमरे में सोने चले गए थे। रात करीब 11 बजे वे शौच के लिए घर से बाहर निकले। इसी दौरान जैसे ही उन्होंने घर के दरवाजे के पास पोर्च में पैर रखा, वहां मौजूद सांप ने उनके पैर में काट लिया। सांप के काटने के बाद भरतलाल ने परिजनों को इसकी जानकारी दी और बताया कि उन्हें उल्टी जैसा महसूस हो रहा है। इसके बाद वे कमरे से बाहर आए तो सांप पोर्च के पास मुख्य दरवाजे में लिपटा हुआ दिखाई दिया। परिजनों ने सांप को मार दिया। इसके बाद परिजन भरतलाल को उपचार के लिए शासकीय सिविल अस्पताल लांजी लेकर पहुंचे। उपचार के दौरान उनकी हालत बिगड़ती गई और डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। चिकित्सकों के अनुसार उनकी मृत्यु करीब रात 12:50 बजे हो गई। घटना की सूचना पुलिस को रात करीब 2:48 बजे दी गई। मृतक के परिजनों द्वारा थाना लांजी पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई गई। पुलिस ने प्रार्थी की रिपोर्ट पर मर्ग क्रमांक 00/26, धारा 194 बीएनएसएस के तहत मर्ग कायम कर जांच में लिया है। अग्रिम जांच बहेला थाना पुलिस के द्वारा की जाएगी।

भानेगांव में 200 साल पुराने हनुमान मंदिर की जमीन पर नामांतरण का आरोप, ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन

पटवारी-राजस्व अमले से सांठगांठ कर मंदिर की भूमि अपने नाम कराने का आरोप, भू-अधिकार पत्र व रजिस्ट्री की जांच की मांग

पद्मेश न्यूज। लांजी। ग्राम भानेगांव में करीब 200 वर्ष पुराने प्राचीन हनुमान मंदिर की भूमि को निजी व्यक्ति के नाम किए जाने के आरोप को लेकर मंदिर समिति एवं ग्रामीणों ने आपत्ति जताई है। इस संबंध में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व लांजी के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले की जांच कराने और कथित तौर पर जारी भू-अधिकार पत्रों की आगे की प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाने की मांग की गई है। ज्ञापन में बताया गया कि भानेगांव में बोरगांव पीडब्ल्यूडी सड़क के किनारे अस्पताल के सामने प्राचीन हनुमान मंदिर स्थित है। मंदिर करीब 200 वर्ष पुराना बताया गया है। राजस्व अभिलेख के अनुसार मंदिर की भूमि खसरा नंबर 145 में स्थित है। वर्तमान में मंदिर समिति, ग्राम पंचायत भानेगांव, विधायक निधि एवं जनभागीदारी के सहयोग से यहां भव्य हनुमान मंदिर का निर्माण कराया जा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार मंदिर के ठीक सामने खसरा नंबर 146/2 की भूमि स्थित है। यहां पूर्व में शासकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, पंचायत भवन एवं व्यायामशाला भवन संचालित होते थे। इन भवनों के जर्जर होने के बाद ग्राम पंचायत स्तर से उन्हें डिस्मेंटल कर भवन सामग्री की नीलामी भी कराई जा चुकी है। वर्तमान में खसरा नंबर 146/2 की भूमि खाली पड़ी है और मंदिर के ठीक सामने स्थित है। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि करीब दो वर्ष पूर्व शासन द्वारा कराए गए भू-स्वामित्व सर्वे के दौरान मंदिर के बाजू में रहने वाले डिलेश हनवत, निवासी बोरगांव, द्वारा पटवारी एवं राजस्व विभाग के कर्मचारियों से सांठगांठ कर मंदिर की भूमि को अपने नाम करा लिया गया। ग्रामीणों का आरोप है कि मंदिर के सामने स्थित भूमि को भी कथित रूप से फर्जी तरीके से अपने नाम रजिस्ट्री करा लिया गया। मंदिर समिति एवं ग्रामीणों ने पूरे मामले को गंभीर बताते हुए राजस्व अभिलेखों, भू-स्वामित्व सर्वे, भू-अधिकार पत्र और रजिस्ट्री की जांच कराने की मांग की है। ज्ञापन में डिलेश हनवत के नाम जारी भू-अधिकार पत्र क्रमांक 212 एवं 213 की आगे की प्रक्रिया तथा केवाईसी आदि पर तत्काल रोक लगाने की मांग की गई है। साथ ही खसरा नंबर 146/2 से संबंधित मूल रजिस्ट्री को शून्य किए जाने की कार्रवाई करने का अनुरोध किया गया है। ग्रामीणों ने कहा कि प्राचीन हनुमान मंदिर आस्था का प्रमुख केंद्र है और मंदिर की भूमि से जुड़े दस्तावेजों में किसी प्रकार की अनियमितता हुई है तो उसकी निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदारों के खिलाफ अनुशासनात्मक एवं दंडात्मक कार्रवाई की जानी चाहिए। ज्ञापन सौंपे जाने के दौरान हनुमान मंदिर समिति के सदस्य सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद रहे।

सोन नदी में डूबने से 52 वर्षीय व्यक्ति की मौत, दो दिन बाद मिला शव

पद्मेश न्यूज। लांजी। थाना लांजी क्षेत्र के ग्राम कोचेवाही स्थित सोन नदी में डूबने से एक 52 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान सुरपतलाल पिता स्व. जयलाल पाचे, निवासी ग्राम सर्रा, चौकी सुलसुली, थाना लांजी के रूप में हुई है। पुलिस में दर्ज मर्ग इंटीमेशन के अनुसार, सुरपतलाल 12 सितंबर 2026 को दोपहर करीब 2 बजे बंजरटोला जंगल की ओर पिहरी लाने की बात कहकर घर से निकला था। देर रात तक घर वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। बंजरटोला जंगल सहित आसपास के गांवों और क्षेत्रों में तलाश करने के बाद भी उसका पता नहीं चलने पर थाना लांजी में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई। इसके बाद 14 सितंबर को ग्राम कोचेवाही की सोन नदी में एक शव मिलने की सूचना पुलिस को मिली। सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे, जहां शव की पहचान सुरपतलाल पाचे के रूप में की गई। परिजनों के अनुसार, जंगल से लौटते समय नदी पार करने के दौरान पानी में डूबने से उसकी मौत होने की आशंका है। पुलिस ने मामले में मर्ग क्रमांक 35/2026, धारा 194 बीएनएसएस के तहत मर्ग कायम कर जांच में लिया है। मर्ग की जांच लांजी पुलिस के द्वारा की जा रही है। पुलिस के अनुसार, प्रथम दृष्टया मौत नदी के पानी में डूबने से होना सामने आया है। मामले में नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है।

नैनसुख पटले पंचतत्व मे विलीन

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्रांतर्गत ग्राम सावरीकला निवासी नैनसुख पटले पिता स्व दलिकचंद पटले का 47 वर्ष की आयु मे गोंदिया के एक निजी हॉस्पिटल मे 15 सितंबर को सुबह करीब 4.30 बजे निधन हो गया। आप अपने पीछे पत्नि, एक पुत्री एक पुत्र सहित भरा पूरा परिवार छोड़ इस दुनिया से विदा हो गये। आपका अंतिम संस्कार 15 सितंबर को दोपहर 2 बजे स्थानीय सावरी कला मोक्ष धाम मे सामाजिक रीति रिवाज के अनुसार किया गया। आपकी शव यात्रा में जनप्रतिनिधि, नाते रिस्तेदार, इष्ट मित्र, तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण जनों ने उपस्थित होकर पंच लकड़ी अर्पित करते हुए मृत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की, साथ ही इस दुख की घड़ी में परिवार को संबल प्रदान करने प्रार्थना करते हुए भाव पूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

ऋषि पंचमी पर गूंजे सप्तऋषियों के जयकारे, महिलाओं ने विधि-विधान से किया पूजन

पद्मेश न्यूज। लांजी। भाद्रपद शुक्ल पंचमी के पावन अवसर पर मंगलवार को लांजी नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में ऋषि पंचमी का पर्व श्रद्धा, आस्था और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया। पर्व को लेकर सुबह से ही महिलाओं में विशेष उत्साह दिखाई दिया। घरों में पूजा-अर्चना की तैयारियां शुरू हो गई थीं। स्नान-ध्यान के बाद महिलाओं ने व्रत रखा और विधि-विधान से सप्तऋषियों एवं माता अरुंधती का पूजन-अर्चन किया। ऋषि पंचमी के अवसर पर महिलाओं ने पूजा स्थल पर सप्तऋषियों का स्मरण करते हुए पुष्प, अक्षत, फल, नैवेद्य सहित विभिन्न पूजन सामग्री अर्पित की। इसके बाद श्रद्धापूर्वक ऋषि पंचमी की कथा का श्रवण किया गया। महिलाओं ने परिवार की सुख-शांति, समृद्धि, आरोग्य और खुशहाली की कामना करते हुए भगवान एवं सप्तऋषियों से प्रार्थना की।

घर-घर में बना भक्तिमय माहौल

पर्व को लेकर सुबह से ही लांजी नगर और ग्रामीण अंचलों में भक्तिमय वातावरण देखने को मिला। महिलाओं ने व्रत रखकर दिनभर सात्विक जीवनशैली का पालन किया। कई स्थानों पर महिलाओं ने एकत्रित होकर सामूहिक रूप से पूजा-अर्चना की और ऋषि पंचमी की कथा सुनी। पूजा के दौरान सप्तऋषियों के तप, त्याग, ज्ञान और संस्कारों का स्मरण किया गया।

आत्मशुद्धि और संयम का पर्व

धार्मिक मान्यता के अनुसार ऋषि पंचमी का पर्व आत्मशुद्धि, संयम और सदाचार से जुड़ा हुआ है। सनातन परंपरा में सप्तऋषियों को ज्ञान, तप और धर्म के मार्गदर्शक के रूप में विशेष स्थान प्राप्त है। इसी धार्मिक आस्था के साथ श्रद्धालु इस दिन सप्तऋषियों एवं माता अरुंधती का पूजन करते हैं। मान्यता है कि ऋषि पंचमी के दिन श्रद्धापूर्वक व्रत एवं पूजन करने से मन को शांति मिलती है तथा जीवन में सदाचार और सकारात्मक विचारों का संचार होता है। इसी विश्वास के साथ महिलाओं ने पूरे श्रद्धाभाव से पर्व मनाया और परिवार सहित समाज के सुख-समृद्धि एवं कल्याण की कामना की। दिनभर नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में पूजा-पाठ एवं धार्मिक गतिविधियों के चलते वातावरण भक्तिमय बना रहा।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

42,490 करोड़ के काम 2031 तक जारी रहेंगे

कैबिनेट बैठक में दी गई कई अहम प्रस्तावों को मंजूरी

भोपाल। भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में कई अहम प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने बताया कि कैबिनेट ने 42,490 करोड़ रूपए के कार्यों को वर्ष 2031 तक जारी रखने का निर्णय लिया है। इसमें 13,000 करोड़ रूपए से अधिक की सिंचाई परियोजनाएं शामिल हैं। बैठक में स्कूलों के उन्नयन के साथ उनके लिए पद स्वीकृत करने सहित अन्य प्रस्तावों को भी मंजूरी दी गई।

वहीं जनजातीय कार्य विभाग के प्रस्ताव पर वर्ष 1973-74 से 1997-98 तक नियुक्त उप शिक्षक, उपशाला शिक्षक, प्रशिक्षण शिक्षक, कनिष्ठ बोर्ड से चयनित शिक्षक, ऑपरेशन ब्लैक बोर्ड योजना के तहत नियुक्त शिक्षक और सहायक शिक्षकों को नियुक्ति दिनांक से नियमित वेतनमान देने को मंजूरी दी गई। इसके साथ एरियर राशि के भुगतान को भी स्वीकृति दी गई।

चार हाई स्कूलों के पद स्वीकृत

जनजातीय कार्य विभाग के प्रस्ताव पर वर्ष 2016-17 में माध्यमिक शालाओं के उन्नयन के तहत चार हाई स्कूलों के पदों की स्थिति तय करने को मंजूरी दी गई।

दो सिंचाई परियोजनाओं को जारी रखने की मंजूरी

जल संसाधन विभाग के प्रस्ताव पर चंदेरी माइक्रो सिंचाई परियोजना को लगातार जारी रखने और गोंड वृहद सिंचाई परियोजना को वर्ष 2031 तक जारी रखने की मंजूरी दी गई। ये परियोजनाएं 13,000 करोड़ रूपए से अधिक की सिंचाई परियोजनाओं में शामिल हैं।

न्यायिक अधिकारियों के उपकरणों की नीति में संशोधन

न्यायिक सेवा के अधिकारियों को लैपटॉप, कंप्यूटर और प्रिंटर उपलब्ध कराने से संबंधित नीति में संशोधन के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई।

लाड़ली बहनों को 250 अतिरिक्त देने का अनुमोदन

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के तहत रक्षाबंधन के मौके पर महिलाओं को दी गई 250 रूपए की अतिरिक्त सहायता से संबंधित कार्रवाई का अनुमोदन किया गया।

एमएसपी उपार्जन के लिए ब्याज मुक्त ऋण

प्रदेश में न्यूनतम समर्थन मूल्य के तहत खाद्यान्न उपार्जन के लिए निर्धारित ऋण सीमा के पुनर्भुगतान के लिए ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई। वहीं राज्य सरकार से अनुदान प्राप्त अशासकीय विधि महाविद्यालयों में कार्यरत प्राचार्य, प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक, क्रीड़ा अधिकारी और ग्रंथपाल को यूजीसी का सातवां वेतनमान देने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई।

मप्र में बनेंगे 4200 मेगावाट के दो परमाणु संयंत्र

- देश का प्रमुख न्यूक्लियर पावर सेंटर बनने की तैयारी

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार और न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) की पहल से राज्य में परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में बड़ा विस्तार होने जा रहा है। मंडला जिले में चुटका परमाणु बिजली परियोजना के बाद अब शिवपुरी जिले के भीमपुर में 2800 मेगावाट क्षमता का नया परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। दोनों परियोजनाओं के पूरा होने के बाद प्रदेश में परमाणु ऊर्जा से कुल 4200 मेगावाट बिजली का उत्पादन होगा।

शिवपुरी जिले के भीमपुर में प्रस्तावित परमाणु ऊर्जा संयंत्र की कुल क्षमता 2800 मेगावाट होगी। इसमें 700-700 मेगावाट क्षमता की चार इकाइयां स्थापित की जाएंगी। एनपीसीआईएल इस परियोजना के निर्माण और संचालन की जिम्मेदारी संभालेगा। परियोजना के लिए आवश्यक भूमि अधिग्रहण और पर्यावरणीय स्वीकृति की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। संयंत्र से उत्पादित बिजली का बड़ा हिस्सा मध्य प्रदेश को मिलने की संभावना है। इससे राज्य में औद्योगिक विकास और कृषि क्षेत्र के लिए बिजली की उपलब्धता मजबूत होगी।

चुटका परमाणु संयंत्र के लिए जमीन अधिग्रहण हुआ

मंडला जिले के चुटका में 1400 मेगावाट क्षमता का पहला परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया जा रहा है। यहां 700-700 मेगावाट क्षमता की दो इकाइयां लगाई जा रही हैं। परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण और स्थल से जुड़े शुरुआती ढांचागत कार्य पूरे किए जा चुके हैं। प्रशासन के अनुसार प्रभावित परिवारों के पुनर्वास और क्षतिपूर्ति की प्रक्रिया भी दर्ज आंकड़ों के मुताबिक पूरी कर ली गई है। चुटका संयंत्र से बिजली उत्पादन शुरू होने के बाद प्रदेश की निर्भरता पारंपरिक कोयला आधारित तापीय विद्युत गृहों पर कम होने की उम्मीद है।

प्रदेश की ऊर्जा क्षमता में होगी वृद्धि

भीमपुर और चुटका परियोजनाओं के चालू होने से मध्य प्रदेश में परमाणु ऊर्जा उत्पादन को बड़ा बढ़ावा मिलेगा। दोनों संयंत्र राज्य की बिजली ग्रिड में कुल 4200 मेगावाट क्षमता जोड़ेंगे।

29 अपराधी तड़ीपार, 80 पर कार्रवाई प्रस्तावित

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। आगामी त्योहारों और चुनाव के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए गोंदिया जिला पुलिस ने असामाजिक तत्वों और आदतन अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है. जिले के 16 पुलिस थानों की सीमा में पिछले आठ महीनों के दौरान 29 लोगों को तड़ीपार किया गया है, जबकि 80 अन्य लोगों के खिलाफ तड़ीपारी की कार्रवाई प्रस्तावित है. वहीं, 2,607 लोगों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई है।

जानकारी के अनुसार, विभिन्न थानों में दर्ज मामलों के आरोपी व आदतन अपराधियों द्वारा शांति भंग करने की आशंका को देखते हुए यह कार्रवाई की जा रही है. पुराने विवाद, आपसी रंजिश अथवा मामूली कारणों से होने वाले विवाद गंभीर अपराध में न बदलें, इसके लिए पुलिस ने संवेदनशील लोगों पर पहले से नजर रखना शुरू कर दिया है.

गंभीर अपराधों पर पुलिस की नजर

जिले में मामूली विवादों को लेकर मारपीट की घटनाओं के साथ ही हत्या, डकैती जैसे गंभीर अपराध भी सामने आते रहे हैं. ऐसे मामलों में शामिल अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस प्रशासन ने तड़ीपारी समेत अन्य प्रतिबंधात्मक कार्रवाई शुरू की है. पुलिस के अनुसार कुछ अन्य अपराधी भी अभी पुलिस के रडार पर हैं.

अपराधियों पर लगातार कार्रवाई

आगामी त्योहारों और चुनाव के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आदतन अपराधियों के खिलाफ मिनी मकोका, एमपीडीए और तड़ीपार जैसी कार्रवाई की जा रही है. इसके अलावा बड़ी संख्या में लोगों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई है. 29 लोगों को तड़ीपार किया जा चुका है, जबकि कुछ अन्य अपराधी पुलिस के रडार पर है।

गोरख भामरे, पुलिस अधीक्षक, गोंदिया

श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ मनाई गई ऋषि पंचमी

-10 हजार से ज्यादा डीई सालों से लंबित, सरकार अब 45 दिन में चार्जशीट और 9 महीने में जांच पूरी करने की तैयारी में

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्राम सोनपुरी में मंगलवार, 15 सितंबर 2026 को ऋषि पंचमी का पावन पर्व श्रद्धा, आस्था एवं भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर ग्रामवासियों ने धार्मिक परंपराओं का पालन करते हुए सप्तऋषियों का विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया। सुबह से ही ग्राम में धार्मिक वातावरण बना रहा और श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में सहभागिता की।

ऋषि पंचमी के अवसर पर श्रद्धालुओं ने प्रातः स्नान कर पूजा-अर्चना की तथा सप्तऋषियों कश्यप, अत्रि, भारद्वाज, विश्वामित्र, गौतम, जमदग्नि एवं वशिष्ठ ऋषि का श्रद्धापूर्वक स्मरण किया। साथ ही माता अरुंधती की भी पूजा-अर्चना की गई। श्रद्धालुओं ने परिवार की सुख-समृद्धि, शांति, स्वास्थ्य एवं मंगल की कामना करते हुए धार्मिक अनुष्ठान संपन्न किए।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संदीप गजभिये एवं भूमेश मात्रे उपस्थित रहे। इस दौरान भोजराज बिसेन, राजेश उमरे, नारायण राऊत, राकेश धनकड़े, संदीप कुशराम, जागेश गौतम सहित नाप मोती सर्पी मंडल सोनपुरी के सदस्य एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं ने ऋषि-मुनियों के आदर्शों और भारतीय संस्कृति में उनके योगदान को स्मरण किया। वक्ताओं ने कहा कि ऋषि पंचमी केवल पूजा-पाठ का पर्व नहीं, बल्कि हमारी प्राचीन संस्कृति, संस्कारों एवं ऋषि परंपरा के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर भी है। ऋषियों ने समाज को ज्ञान, सदाचार, संयम और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी है।

ग्राम की महिलाओं सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने व्रत एवं पूजन में सहभागिता की। पूजन के दौरान धार्मिक मंत्रोच्चार और श्रद्धा के माहौल से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। ग्रामीणों ने आपसी भाईचारे, सामाजिक एकता और धार्मिक परंपराओं को बनाए रखने का संकल्प भी व्यक्त किया।

ऋषि पंचमी के इस पावन अवसर पर ग्राम सोनपुरी में आयोजित कार्यक्रम ने ग्रामीणों को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जुड़ने का अवसर प्रदान किया। श्रद्धालुओं की उत्साहपूर्ण सहभागिता के साथ ऋषि पंचमी का पर्व शांतिपूर्ण, श्रद्धापूर्ण एवं भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ।

राहुल के कार्यक्रम में कांग्रेस नेताओं की नो एंट्री

- छात्रों के लिए 5 एकड़ में बनेगा हाईटेक डोम

भोपाल। राहुल गांधी के 19 सितंबर को इंदौर में होने वाले 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को कांग्रेस ने सामान्य राजनीतिक सभा से अलग रखने की तैयारी की है। कार्यक्रम स्थल पर करीब 5 एकड़ यानी ढाई लाख वर्गफीट में वॉटरप्रूफ हाईटेक डोम तैयार किया जा रहा है। इसमें करीब एक लाख छात्रों के बैठने की क्षमता होने का दावा किया गया है। आयोजन की सबसे खास बात यह है कि कार्यक्रम स्थल पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं की सामान्य एंट्री प्रतिबंधित रहेगी। मंच और दर्शक दीर्घा की पूरी व्यवस्था इस तरह की जा रही है कि कार्यक्रम का फोकस छात्रों पर रहे।

कार्यक्रम स्थल के लेआउट में राहुल गांधी का मंच उत्तर दिशा में बनाया जा रहा है। छात्रों के लिए मुख्य प्रवेश रीजनल पार्क की ओर से रखा गया है, जबकि राहुल गांधी के मंच तक पहुंचने के लिए अलग रास्ता तैयार किया जा रहा है। राहुल गांधी पीछे के रास्ते से सीधे मंच तक पहुंचेंगे। इस रास्ते पर उनके वाहन के अलावा किसी अन्य वाहन को प्रवेश नहीं देने की तैयारी है। इससे वीआईपी मूवमेंट को छात्रों की आवाजाही से अलग रखा जाएगा।

बारिश के बीच युद्धस्तर पर तैयारी

इंदौर में लगातार बारिश के कारण कार्यक्रम स्थल पर कीचड़ हो गया है। आयोजकों के सामने फिलहाल सबसे बड़ी चुनौती मैदान को समय पर तैयार करना है। इसके लिए बड़े पैमाने पर मिट्टी और गिट्टी डालकर जमीन को समतल और मजबूत किया जा रहा है। बारिश की संभावना को देखते हुए डोम को वॉटरप्रूफ बनाया जा रहा है, ताकि कार्यक्रम के दौरान छात्रों को परेशानी न हो। डोम के खंभे लगाने से लेकर संरचना खड़ी करने तक का काम लगातार चल रहा है।

दिल्ली की टीम ने संभाली कमान

कार्यक्रम की तैयारियों में दिल्ली से आई टीम की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। यह टीम डोम, मंच, मैदान के लेआउट और अन्य व्यवस्थाओं की निगरानी कर रही है। डिजाइन से लेकर आयोजन स्थल की कई व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में दिल्ली की टीम दिशा-निर्देश दे रही है। कांग्रेस का कहना है कि 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को राजनीतिक सभा के रूप में आयोजित नहीं किया जा रहा है।

जिप में सुरक्षा व्यवस्था की खुली पोल, कार्यकारी अभियंता के कक्ष में चोरी

कंप्यूटर चोरी, पंखे में तोड़फोड़ और अश्लील धमकी भरे कागज चिपकाए

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। गोंदिया जिला परिषद की प्रशासकीय इमारत में सुरक्षा व्यवस्था की गंभीर लापरवाही सामने आई है. अज्ञात चोरों ने निर्माण विभाग के कार्यकारी अभियंता के कक्ष का दरवाजे का कांच तोड़कर अंदर प्रवेश किया. कार्यालय में तोड़फोड़ करने के साथ कंप्यूटर चोरी कर लिया गया तथा छत के पंखों को भी नुकसान पहुंचाया गया. इतना ही नहीं, कार्यकारी अभियंता को अश्लील भाषा में गालीगलौज करने वाले कागज भी कक्ष में चिपकाए गए. यह घटना 15 सितंबर को सामने आई. 11 सितंबर से लगातार अवकाश होने के बाद मंगलवार को कार्यालय नियमित रूप से खुलने पर मामले का पता चला. घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण पुलिस को सूचित किया गया. इस मामले में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

घटना की सबसे गंभीर बात यह सामने आई कि जिला परिषद की पूरी प्रशासकीय इमारत में लगाए गए सीसीटीवी कैमरे बंद थे. लाखों रु. खर्च कर लगाए गए कैमरों का कार्यरत नहीं होना प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है. संवेदनशील शासकीय कार्यालय में एक भी कैमरा चालू नहीं होने से जांच में भी महत्वपूर्ण अड़चन आने की आशंका है. कार्यकारी अभियंता के कक्ष को विशेष रूप से निशाना बनाए जाने, दरवाजे का कांच तोड़ने, कंप्यूटर चोरी करने और धमकी भरे कागज चिपकाने से घटना को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं. क्या यह केवल चोरी की घटना थी या फिर महत्वपूर्ण प्रशासकीय डाटा अथवा दस्तावेजों को नुकसान पहुंचाने का प्रयास? क्या किसी को डराने या दबाव बनाने के उद्देश्य से यह कृत्य किया गया? इन सभी पहलुओं की जांच पुलिस द्वारा किया जाना आवश्यक है. सीसीटीवी कैमरे बंद होने की वजह, कंप्यूटर चोरी के पीछे का उद्देश्य और कार्यालय में प्रवेश करने वाले आरोपियों की पहचान अब जांच का मुख्य विषय है. जिला परिषद के अधिकारियों और कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता व्यक्त की जा रही है।

निष्पक्ष जांच की मांग

घटना के बाद जिला परिषद परिसर की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करने, बंद सीसीटीवी कैमरों को तत्काल शुरू कराने तथा रात के समय सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की जा रही है. नागरिकों और कर्मचारियों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की है.

प्राचीन स्थापत्य आज भी नए प्रयोग की प्रेरणा देता है - मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भारत की गौरवशाली प्राचीन स्थापत्य विरासत आज भी अभियंताओं को आधुनिक तकनीक के साथ नए प्रयोग करने की प्रेरणा देती है। अभियंताओं की प्रतिभा, तकनीकी ज्ञान और नवाचार से विकसित मध्यप्रदेश की परिकल्पना साकार हो रही है। वे मंगलवार को कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में अभियंता दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी नए मार्ग का निर्माण केवल आवागमन सुविधा नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के आर्थिक और सामाजिक विकास का द्वार खोलता है। एलोरा का कैलाश मंदिर, मंदसौर का धर्मराजेश्वर मंदिर और प्राचीन जल संरचनाएं तत्कालीन अभियंताओं की तकनीकी दक्षता का प्रमाण हैं। उन्होंने सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अभियंताओं को शुभकामनाएं दीं।

समारोह में उत्कृष्ट अभियंताओं, अधिकारियों, संयुक्त दलों और निर्माण एजेंसियों को पांच श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किए गए। मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया, विश्वकर्मा, विक्रमादित्य, रानी दुर्गावती पर्यावरण हितैषी और राजा भोज पुरस्कार प्रदान किए गए। मुख्यमंत्री ने लोक निर्माण विभाग के पिछले 10 वर्षों के सर्कुलर्स के संकलन का विमोचन किया। साथ ही लोक निर्माण विभाग और सीएसआईआर-एम्प्री भोपाल के बीच टिकाऊ अधोसंरचना निर्माण के लिए एमओयू हुआ।

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि विभाग की कार्य-संस्कृति में अनुसंधान, अनुशासन और गुणवत्ता को प्राथमिकता दी जा रही है।

पिता पर लाठी से प्रहार

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। सालेकसा थाने के तहत पांढरी निवासी फिर्यादी रमेश भाऊलाल लिल्हारे (59) अपने घर पर आराम कर रहा था. इसी दौरान फिर्यादी लड़का आरोपी छब्बू रमेश लिल्हारे (37) लाठी लेकर आया व फिर्यादी के साथ गालीगलौज कर गायत्री को घर से निकाल दो ऐसा कहा. इस बीच फिर्यादी पीछे के दरवाजे के गांव के चौक में गया. आरोपी ने चौक में आकर फिर्यादी पर लाठी से प्रहार कर दिया. जिसमें वह घायल हो गया. फिर्यादी की शिकायत पर सालेकसा पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार जांभुलकर कर रहे हैं।

अज्ञात हथियार से वृद्ध पर प्रहार

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। रावणवाड़ी थाने के तहत काटी निवासी फिर्यादी डा. श्रीनिवास नारायणदास गुप्ता (64) अपने पोते के साथ मोटरसाइकिल से काटी साप्ताहिक बाजार में जा रहा था. इसी बीच आरोपी प्रेमकिष्ण धनलाल बेलवंशी (40) ने रास्ता रोककर गालीगलौज कर फिर्यादी के दोनों हाथ पकड़कर खींच तान की व अज्ञात हथियार से प्रहार कर दिया. जिसमें वह घायल हो गया. साथ ही जिलाधीश के मनाई आदेश का उल्लंघन किया. फिर्यादी की शिकायत पर रावणवाड़ी पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच सहायक पुलिस निरीक्षक नावकार कर रहे हैं।

अवैध रेत ले जा रहे ट्रैक्टर को पकड़ा

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। तिरोड़ा थाने के तहत पाटीलटोला-येडमाकोट रास्ते पर घाटकुरोड़ा घाट से अवैध रेत ले जा रहे ट्रैक्टर को पकड़ा गया. इस कार्रवाई में 5 लाख रु. कीमत का ट्रैक्टर, 1 लाख रु. कीमत की ट्रॉली व 6 हजार रु. कीमत की एक ब्रास रेत ऐसा कुल 6 लाख 6 हजार रु. का माल जब्त किया गया. फिर्यादी सिपाही कैलाश ठाकरे की शिकायत पर तिरोड़ा पुलिस ने घाटकुरोड़ा निवासी आरोपी निषिध रुपचंद विठुले (25) के खिलाफ मामला दर्ज किया है. जांच पुलिस उपनिरीक्षक मुंगले कर रहे हैं।

दुर्घटना में युवक की मौत

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। आमगांव थाने के तहत आमगांव-लांजी रोड़ पर स्थित बाघ नदी के पुल के पास मोटरसाइकिल चालक ने चौपहिया वाहन को टक्कर मार दी. जिसमें मोटरसाइकिल चालक की मौत हो गई. जानकारी के अनुसार, बालाघाट जिले के आवारीटोला निवासी सुकराम किसन मेश्राम (30) ने अपनी मोटरसाइकिल लापरवाहीपूर्वक चलाते हुए बाघ नदी पुल के पास चौपहिया वाहन को पीछे से टक्कर दी. जिसमें उसके सिर पर गंभीर चोटें आई तथा उसकी मौत हो गई. फिर्यादी हवलदार खुशालचंद बर्वे (48) की शिकायत पर आमगांव पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच पुलिस उपनिरीक्षक कथले कर रहे हैं।

सितंबर आधा बीता, छात्र संघ चुनाव का अब तक अता-पता नहीं!

भोपाल। सितंबर का आधा महीना बीतने के बाद भी मध्यप्रदेश में छात्र संघ चुनाव को लेकर सरकार ने स्थिति स्पष्ट नहीं की है। इससे छात्र संगठनों में नाराजगी है। दरअसल, प्रदेश के सरकारी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में पिछले 6 साल से छात्र संघ चुनाव नहीं हुए हैं। हर साल सरकार तारीख बढ़ाने या स्थगित करने का आदेश जारी कर देती है। इस बार भी उच्च शिक्षा विभाग ने अब तक कोई कैलेंडर जारी नहीं किया है। इस मामले को लेकर उच्च शिक्षा विभाग ने पहले 10 सितंबर तक चुनाव प्रक्रिया का आश्वासन दिया था। उधर, एनएसयूआई और एबीवीपी दोनों ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

जलापूर्ति शुरू नहीं हुई तो शुक्रवार को सीईओ कार्यालय पर धरना

पद्मेश न्यूज। अर्जुनी मोरगांव/गोंदिया। बकाया बिजली बिल के कारण 1 सितंबर से बंद रामपुरी, खांबी और शिरेगांव बांध प्रादेशिक जलापूर्ति योजनाओं को तत्काल शुरू कराने की मांग को लेकर संबंधित गांवों के सरपंचों ने मंगलवार, 15 सितंबर को विधायक राजकुमार बडोले से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा. योजनाएं बंद होने से क्षेत्र के कई गांवों और हजारों परिवारों के सामने पेयजल संकट खड़ा हो गया है. जलापूर्ति बंद होने से महिलाओं, बुजुर्गों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों को पानी के लिए भटकना पड़ रहा है. सरपंचों ने मांग की कि थकी बिजली बिल का तत्काल भुगतान कर तीनों योजनाओं को पूर्ववत शुरू किया जाए. ज्ञापन स्वीकार करते हुए विधायक राजकुमार बडोले ने समस्या का जल्द समाधान कराने के लिए प्रयास करने का आश्वासन दिया. उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि गुरुवार तक जलापूर्ति योजनाएं शुरू नहीं हुईं, तो शुक्रवार को सभी संबंधित सरपंचों को साथ लेकर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के कार्यालय में ठिय्या आंदोलन किया जाएगा।

शिष्टमंडल ने जलापूर्ति योजनाओं के बकाया बिजली बिल और अन्य देनदारियों के भुगतान के लिए तत्काल निधि उपलब्ध कराने की मांग की. साथ ही योजनाओं की देखभाल व मरम्मत के लिए स्थायी आर्थिक व्यवस्था करने तथा भविष्य में आर्थिक कारणों से जलापूर्ति बंद न हो, इसके लिए शासन स्तर पर स्थायी उपाययोजना लागू करने की मांग भी की गई. सरपंचों ने कहा कि नागरिकों को पीने के पानी से वंचित रखना गंभीर मामला है. प्रशासन को तत्काल कार्रवाई कर योजनाएं शुरू करनी चाहिए, अन्यथा आंदोलन को तेज किया जाएगा. इस अवसर पर देवलगांव की सरपंच दीपाली कापगते, सुकली की सरपंच पंचशीला भोजराज मेश्राम, भिवखिड़की के उपसरपंच नीलकंठ बोरकर, चान्ना के उपसरपंच मोरेश्वर सोनवने, खांबी की सरपंच अश्विनी लोणारे, बोरटोला की सरपंच कुरुंदा इंद्रजीत वैद्य, सिरेगांव की सरपंच सागरबाई चिमणकर, सोमलपुर की सरपंच भूमिका ढोक, मुंगली के सरपंच भूषण नेवारे, अरततोंडी के सरपंच प्रदीप कांबले, दाभना के उपसरपंच राज्यपाल गभने, बोरटोला के उपसरपंच काशीनाथ कापसे, कवठा के सरपंच-प्रशासक पतिराम मेश्राम, चान्ना के सरपंच सचिन डोंगरे, गुढरी के सरपंच विवेक डोंगरे, शिरेगांव के उपसरपंच हेमकृष्ण संग्रामे, पूर्व जिप सदस्य किशोर तरोणे, पंचायत समिति सदस्य हेमराज पुस्तोडे सहित अनेक सरपंच, पदाधिकारी और नागरिक उपस्थित थे।

वनडे इतिहास का महामुकाबला

जब साउथ अफ्रीका ने 435 रनों का पहाड़ तोड़कर ऑस्ट्रेलिया को चटाई धूल

नई दिल्ली। क्रिकेट में जब 400 रन का आंकड़ा पार होता है तो आमतौर पर माना जाता है कि मैच लगभग एकतरफा हो चुका है, लेकिन इस खेल को अनिश्चितताओं का खेल क्यों कहा जाता है, यह 12 मार्च 2006 को एक बार फिर साबित हुआ। जोहान्सबर्ग के वांडरर्स स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया जैसी धाकड़ टीम के सामने साउथ अफ्रीका ने वनडे इतिहास का सबसे बड़ा सफल रन चेज करके नया इतिहास रचा। यह रिकॉर्ड आज भी कायम है और इसे वनडे क्रिकेट के सबसे रोमांचक मुकाबलों में से एक माना जाता है।

पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 50 ओवर में 4 विकेट पर 434 रन का पहाड़ खड़ा किया। कप्तान रिकी पोंटिंग ने सिर्फ 105 गेंदों पर 164 रन की तूफानी पारी खेली, जिसमें 13 चौके और 9 छक्के शामिल थे। एडम गिलक्रिस्ट ने 44 गेंदों पर 55, साइमन कैटिच ने 90 गेंदों पर 79 और माइकल हसी ने सिर्फ 51 गेंदों पर 81 रन ठोके, जिससे उस समय वनडे क्रिकेट का यह सबसे बड़ा टीम स्कोर बन गया। 435 रनों का लक्ष्य देखकर लगा कि मैच यहीं खत्म हो गया है और ऑस्ट्रेलिया की जीत निश्चित है।

लेकिन साउथ अफ्रीका ने ऐसा पलटवार किया जिसकी मिसाल आज भी दी जाती है। हालांकि, मेजबान टीम ने अपना पहला विकेट महज 3 रन पर गंवा दिया, जब बोएटा डिप्पेनार सिर्फ 1 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद कप्तान ग्रीम स्मिथ और हर्शल गिब्स ने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों की धज्जियां उड़ा दीं। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 187 रन की ऐतिहासिक साझेदारी करके मैच में साउथ अफ्रीका की न सिर्फ वापसी कराई बल्कि मैच में जान फूंक दी। स्मिथ ने सिर्फ 55 गेंदों पर 90 रन बनाए, जबकि गिब्स ने इस मुकाबले में 111 गेंदों में 175 रन की तूफानी पारी खेली, जिसमें 21 चौके और 7 छक्के शामिल थे।

गिब्स के आउट होने के बाद भी साउथ अफ्रीका ने हार नहीं मानी। जैक्स कैलिस, जस्टिन केम्प और फिर जोहान वान डर वाथ ने जरूरी रन रेट को बनाए रखा। वान डर वाथ ने सिर्फ 18 गेंदों पर 35 रन ठोके, जिसमें 3 छक्के शामिल थे। इसके बाद मार्क बाउचर ने जिम्मेदारी संभाली और 43 गेंदों पर 50 रन बनाकर टीम को जीत दिलाकर लौटे। उनका साथ रोजर टेलीमेकस और एंड्रयू हॉल ने भी दिया। मैच आखिरी ओवर में बेहद रोमांचक स्थिति में पहुंच चुका था, जहाँ साउथ अफ्रीका को जीत के लिए 7 रन चाहिए थे। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज ब्रेट ली के ओवर में मेजबान टीम ने 5 गेंद में ही लक्ष्य हासिल कर लिया और एक अविश्वसनीय जीत दर्ज की, जिसे क्रिकेट इतिहास का सबसे बड़ा सफल रन चेज माना जाता है।

क्रिकेट का वह महा रिकार्ड जिसकी 80 साल बाद हुई थी बराबरी, 10वें और 11वें नंबर के बल्लेबाजों ने जड़ा शतक

नई दिल्ली। क्रिकेट के मैदान पर रिकॉर्ड्स का बनना और टूटना एक सामान्य बात है, लेकिन कुछ रिकॉर्ड ऐसे होते हैं जो दशकों तक अजेय रहते हैं और जब टूटते या बराबर होते हैं, तो इतिहास में दर्ज हो जाते हैं। ऐसा ही एक महाचमत्कार हाल ही में रणजी ट्रॉफी में देखने को मिला, जिसने 80 साल पुराने एक बेहद दुर्लभ रिकॉर्ड की बराबरी की है। यह रिकॉर्ड तब बना था जब किसी टीम के 10वें और 11वें नंबर के बल्लेबाजों ने एक ही पारी में शतक जड़े हों। यह घटना क्रिकेट के हर समीकरण को बदल देने वाली और यह सिखाने वाली थी कि जब तक आखिरी विकेट क्रीज पर है, तब तक हार नहीं मानी जा सकती। यह अविश्वसनीय कहानी साल 1946 में लंदन के द ओवल मैदान पर भारत और सरे के बीच खेले गए मुकाबले से शुरू हुई थी। भारतीय टीम संघर्ष कर रही थी और महज 205 रनों पर अपने 9 विकेट गंवा चुकी थी। मैदान पर मौजूद दर्शकों और विरोधी टीम के लिए यह मैच बस एक औपचारिकता मात्र रह गया था, और हर किसी को लग रहा था कि भारतीय पारी कुछ ही पलों में सिमट जाएगी। तभी मैदान पर दो ऐसे खिलाड़ियों की एंट्री हुई, जिनसे किसी को रन बनाने की उम्मीद नहीं थी। एक थे लेग स्पिनर चंदू सरवटे और दूसरे थे मीडियम पेसर शूट बनर्जी। दोनों ही विशुद्ध रूप से गेंदबाज थे, जिन्हें आखिरी विकेट के रूप में केवल क्रीज पर टिकने की जिम्मेदारी मिली थी। लेकिन क्रीज पर आते ही इन दोनों खिलाड़ियों ने अपने जज्बे, हिम्मत और बेखौफ बल्लेबाजी से सरे के गेंदबाजों की धज्जियां उड़ानी शुरू कर दीं। जिसे लोग खेल का अंत समझ रहे थे, वह दरअसल क्रिकेट इतिहास की सबसे बड़ी शुरुआत थी। चंदू सरवटे ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 124 रन बनाए, वहीं शूट बनर्जी ने भी पीछे न रहते हुए ताबड़तोड़ 121 रन ठोक दिए। दोनों ने मिलकर 10वें विकेट के लिए रिकॉर्ड तोड़ 249 रनों की साझेदारी की। यह क्रिकेट इतिहास का पहला ऐसा मौका था जब नंबर 10 और नंबर 11 के बल्लेबाजों ने एक ही पारी में शतक बनाए हों। इस चमत्कारी साझेदारी के दम पर भारत ने न केवल मैच में वापसी की, बल्कि अंत में इस मुकाबले को 9 विकेट से अपने नाम किया। यह रिकॉर्ड इतना अद्भुत और अकल्पनीय था कि इसे टूटना तो दूर, इसके बराबर पहुंचना भी नामुमकिन लग रहा था। यह रिकॉर्ड लगभग 80 सालों तक अटूट रहा। इस जादुई आंकड़े की बराबरी आखिरकार साल 2025 में मुंबई के तनुश कोटियन और तुषार देशपांडे की जोड़ी ने रणजी ट्रॉफी के दौरान की।

नकवी की विदायी के बाद अगले एशिया कप में नहीं रहेगा ट्रॉफी विवाद

मुम्बई । भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशिया कप में जीत के बाद भी एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से इंकार कर दिया। ये एशिया कप में दूसरी बार है जब भारतीय टीम ने नकवी से ट्रॉफी लेने से इंकार किया है। इसका सबसे बड़ा कारण है कि नकवी पाक बोर्ड के अध्यक्ष होने के साथ ही पाक सरकार में मंत्री भी हैं। इससे पहले 2025 एशिया कप में भारतीय पुरुष टीम ने भी खिताब जीतने के बाद नकवी से ट्रॉफी लेने से इंकार कर दिया था। इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि ट्रॉफी को लेकर चला आ रहा यह गतिरोध आखिर कब तक जारी रहेगा। हालांकि, अब ऐसा लगता है कि इस विवाद का समापन शीघ्र ही होने वाला है। एसीसी अध्यक्ष के रूप में मोहसिन नकवी का कार्यकाल 3 अप्रैल, 2027 को समाप्त हो जाएगा। वहीं एशिया कप का आयोजन हर दो साल में एक बार होता है और ऐसे में अगला पुरुष एशिया कप जून 2027 में प्रस्तावित है, जिसका सीधा अर्थ है कि तब तक मोहसिन नकवी एसीसी अध्यक्ष पद पर नहीं होंगे। ऐसे में अगले एशिया कप में ट्रॉफी को लेकर कोई विवाद खड़ा होने की संभावना नहीं है, क्योंकि भारतीय टीम को किसी ऐसे व्यक्ति से ट्रॉफी नहीं लेनी होगी जिस पर उन्हें आपत्ति है।

एशिया कप में भारतीय टीम की पुरानी कमजोरी निकलकर सामने आई

दुबई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशिया कप में श्रीलंका को हराकर अपना खिताब जरूर बरकरार रखा है पर इस जीत के दौरान टीम की एक पुरानी कमजोर उभरकर सामने आ गयी है। ये है कमजोर क्षेत्ररक्षण वाली। भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में अपने सभी मैच आसानी से जीत जिस कारणी भी उसकी कमजोर फिल्डिंग छिप गयी और इस बारे में अधिक बात नहीं हो पायी। भारतीय खिलाड़ियों ने अच्छी गेंदबाजी और बल्लेबाजी कर विरोधी टीमों को कोई अवसर नहीं दिया हालांकि इसके बाद भी उसे कमजोर क्षेत्ररक्षण को ठीक करना होगा। जिससे कि उसे आईसीसी टूर्नामेंट में कोई परेशान न आये।

एशिया कप के पूरे टूर्नामेंट के दौरान क्षेत्ररक्षण की कमजोरी स्पष्ट रूप से दिखी, जहाँ भारत ने पाँच मैचों में कुल 13 कैच छोड़े। यहाँ तक कि फाइनल में भी भारतीय खिलाड़ियों ने तीन कैच गिरा दिये। इसके बाद भी टीम को बड़ी जीत मिल गयी। मुख्य कोच अमोल मजूमदार का हालांक मानना है कि कि खिलाड़ी क्षेत्ररक्षण में सुधार के लिए कड़ी मेहनत और लगातार अभ्यास कर रहे हैं।

कोच के अनुसार टीम को क्षेत्ररक्षा में सुधार करना ही होगा। उन्होंने कहा, निश्चित तौर पर सुधार की गुंजाइश है हालांकि हमने बहुत अच्छा काम किया है। हम इस विभाग में कड़ी मेहनत कर रहे हैं, हमने इसको काफी समय दिया है और बहुत अभ्यास भी किया है। हम इसे बेहतर बनाने के लिए अपनी पूरी मेहनत और ईमानदारी से प्रयास कर रहे हैं।

पाकिस्तान हॉकी टीम का भारत दौरा तय, चैंपियंस ट्रॉफी में होगा मुकाबला

नई दिल्ली। पाकिस्तान की हॉकी टीम अगले महीने भारत का दौरा करेगी, जब वह 27 अक्टूबर से 05 नवंबर के बीच होने वाले 2026 पुरुष एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में हिस्सा लेगी। हॉकी इंडिया ने सोमवार को इस बड़े टूर्नामेंट के शेड्यूल की घोषणा की, जिसकी मेजबानी पंजाब कर रहा है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मोहाली में टूर्नामेंट की तारीखों का आधिकारिक एलान किया और बताया कि मुकाबले मोहाली और जालंधर में आयोजित किए जाएंगे। टूर्नामेंट की ओपनिंग सेरेमनी और लीग स्टेज के मैच जालंधर में खेले जाएंगे, जबकि सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले मोहाली में होंगे। इस टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान के अलावा चीन, जापान, कोरिया और मलेशिया की टीमें हिस्सा लेंगी। ओमान और बांग्लादेश को रिजर्व टीम के रूप में रखा गया है। हॉकी टूर्नामेंट में पाकिस्तान के हिस्सा लेने पर पूछे गए सवाल पर मुख्यमंत्री भगवंत मान ने स्पष्ट किया, मल्टी-नेशन टूर्नामेंट से कोई दिक्कत नहीं है। शायद द्विपक्षीय सीरीज (भारत बनाम पाकिस्तान) नहीं हो सकती है। यह बयान भारत की केंद्रीय खेल नीति के अनुरूप है, जो पाकिस्तान के साथ किसी भी तरह के द्विपक्षीय संपर्क पर रोक लगाती है। यह नीति पिछले साल पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा की गई सैन्य कार्रवाई के मद्देनजर अपनाई गई थी, जिसमें 26 लोग मारे गए थे। हालांकि, बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में दोनों देशों की टीमों का एक-दूसरे के खिलाफ खेलना एक अलग मामला माना जाता है। इस दौरे से दोनों देशों के बीच खेल संबंधों को लेकर जारी अनिश्चितता थोड़ी कम हुई है, लेकिन द्विपक्षीय सीरीज पर भारत का रुख अभी भी अडिग है। यह टूर्नामेंट हॉकी प्रेमियों के लिए एक शानदार अवसर होगा, जब वे क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्वियों को एक बार फिर मैदान पर भिड़ते हुए देख पाएंगे।

ट्रॉफी विवाद पर राजीव शुक्ला का बड़ा खुलासा

भारतीय टीम ने जानबूझकर नहीं ली ट्रॉफी

नई दिल्ली। महिला टी20 एशिया कप 2026 के फाइनल में भारतीय महिला टीम ने श्रीलंका को 72 रन से हराकर शानदार जीत दर्ज की, लेकिन इस जीत के बाद ट्रॉफी वितरण समारोह ने सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरीं। भारतीय महिला टीम ने एशियन क्रिकेट काउंसिल के अध्यक्ष मोहसिन नकवी के हाथों से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया, जिसके बाद मैदान पर काफी देर तक असमंजस की स्थिति बनी रही और अंततः मोहसिन नकवी बिना ट्रॉफी सौंपे ही वहां से चले गए। अब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने इस पूरे घटनाक्रम पर बड़ा खुलासा किया है।

राजीव शुक्ला ने स्पष्ट किया कि भारतीय टीम और प्रबंधन ने आपसी विचार-विमर्श के बाद सामूहिक रूप से यह फैसला किया था कि वे मोहसिन नकवी के हाथों से ट्रॉफी स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि इस निर्णय की जानकारी संबंधित पक्षों को पहले ही दे दी गई थी। शुक्ला के अनुसार, जब स्टेडियम में मोहसिन नकवी को भारतीय टीम के इस फैसले से अवगत कराया गया तो उन्होंने इस पर कोई आपत्ति नहीं जताई। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद शुक्ला ने दोहराया कि ट्रॉफी न लेने का फैसला सुनियोजित था और भारतीय टीम को भी इससे अवगत करा दिया गया था। इसके बाद मोहसिन नकवी ने ट्रॉफी किसी अन्य व्यक्ति को सौंप दी और वहां से रवाना हो गए।

बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने भी पहले ही यह साफ कर दिया था कि ट्रॉफी समारोह को लेकर भारतीय टीम का रुख पहले से तय था। उन्होंने कहा था कि सभी मौजूदा पहलुओं पर विचार करने के बाद सोच-समझकर फैसला लिया गया और एशियन क्रिकेट काउंसिल को पहले ही बता दिया गया था कि ऐसी परिस्थिति में भारतीय टीम ट्रॉफी वितरण समारोह में हिस्सा नहीं लेगी। फाइनल के दौरान देवजीत सैकिया और मोहसिन नकवी के बीच बातचीत की कुछ तस्वीरें भी सामने आई थीं, जिन्हें लेकर सोशल मीडिया पर काफी अटकलें लगाई जा रही थीं।

स्टीव स्मिथ की 2028 ओलंपिक पर नजरें, पर 2027 एशेज खेलने पर है सस्पेंस

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने अपने टेस्ट क्रिकेट भविष्य को लेकर एक बड़ा बयान दिया है, जिसमें उन्होंने 2028 ओलंपिक खेलों का हिस्सा बनने की इच्छा जताई है, लेकिन साथ ही यह भी स्वीकार किया है कि अगले साल इंग्लैंड में होने वाली एशेज सीरीज में उनके खेलने के बारे में अभी कुछ भी निश्चित नहीं है। स्मिथ, जो अब 37 वर्ष के हो चुके हैं, चाहते हैं कि वह इंग्लैंड में एशेज सीरीज जीतने वाली टीम का हिस्सा बनें, क्योंकि ऑस्ट्रेलिया ने आखिरी बार 2001 में इंग्लैंड की सरजमीं पर एशेज जीती थी। हालांकि, उन्होंने माना कि 2027 एशेज अभी काफी दूर है। स्मिथ 2019 और 2023 में इंग्लैंड में 2-2 से ड्रॉ हुई एशेज सीरीज का हिस्सा रहे हैं। हाल ही में एक अखबार के साथ बात करते हुए, स्टीव स्मिथ ने कहा, मुझे अभी यह भी नहीं पता कि मैं वहां पहुंच पाऊंगा या नहीं। जब उनसे इंग्लैंड में एक और एशेज कैंपेन की उम्मीद के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, मैं एक तरह से सीरीज-दर-सीरीज प्रपोजल पर हूं, जैसा कि मैं कुछ समय से हूं और यह अभी मेरे लिए काफी दूर है। ऐसे में हां, मैं वहां एक सीरीज जीतना या वहां एक एशेज जीत चुका होना पसंद करूंगा, लेकिन आप इंतजार करें और देखें कि यह सच होता है या नहीं। स्मिथ यह बयान डबलिन में यूरोपियन टी20 प्रीमियर लीग में एम्स्टर्डम फ्लेम्स के लिए खेलते हुए दे रहे थे, जो उनकी शॉर्टर फॉर्मेट में सक्रिय रहने की इच्छा को दर्शाता है। 128 सालों के बाद ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी हो रही है, और स्मिथ पहले भी कह चुके हैं कि वह ओलंपिक स्क्वॉड का हिस्सा बनना पसंद करेंगे। तब तक वह 39 साल के हो चुके होंगे, लेकिन उनका फोकस अभी भी शॉर्टर फॉर्मेट में बने रहने पर है। उन्होंने कहा, अभी शायद ओलंपिक्स का हिस्सा बनने की कोशिश करनी है।

कृष्णामाचारी श्रीकांत ने गंभीर और अय्यर पर साधा निशाना

नई दिल्ली। टीम इंडिया के पूर्व मुख्य चयनकर्ता कृष्णामाचारी श्रीकांत ने अफगानिस्तान के खिलाफ पहले टी20 मैच में युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को प्लेइंग इलेवन से बाहर रखने के फैसले पर कोच गौतम गंभीर और कप्तान श्रेयस अय्यर पर तीखा हमला बोला है। श्रीकांत ने इस बात पर हैरानी जताई कि जो खिलाड़ी पिछली सीरीज में प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया था, उसे अफगानिस्तान के खिलाफ पहले टी20 में संजू सैमसन की जगह ड्रॉप कर दिया गया। संजू सैमसन उस मैच में सिर्फ 10 रन ही बना पाए थे, जिससे टीम मैनेजमेंट का फैसला सही साबित नहीं हुआ। श्रीकांत ने अपने यूट्यूब चैनल पर मजाकिया लहजे में बताया, कल, क्योंकि सूर्यवंशी नहीं खेला, तो हम एक मूवी देखने लगे। मेरी पत्नी चिल्ला रही थी कि सूर्यवंशी नहीं खेला और बहस करने लगी कि जो पिछले मैच में प्लेयर ऑफ द मैच था, वह नहीं खेल रहा है। मेरी पत्नी भी उसके बाहर होने पर सवाल उठा रही है। उन्होंने मैनेजमेंट के इस बर्ताव को अनुचित ठहराते हुए कहा कि यह गलत संकेत भेज रहा है और खिलाड़ियों के मन में संदेह पैदा कर रहा है। श्रीकांत ने जोर दिया कि वैभव सूर्यवंशी ने दिलीप ट्रॉफी, टी20 इंटरनेशनल, इंडिया-ए और आईपीएल जैसे हर स्तर पर रन बनाए हैं और उन्हें प्रमोट किया जाना चाहिए।

श्रीकांत ने टीम मैनेजमेंट की आलोचना करते हुए यह भी कहा कि वे संजू सैमसन के साथ भी ठीक से बर्ताव नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा, यह टीम मैनेजमेंट संजू सैमसन के साथ खेल रहा है। मुझे सैमसन पर दया आती है। या तो आप उसे ज्यादा मौके दें और फिर उसे ड्रॉप कर दें या वैभव सूर्यवंशी को बिना ड्रॉप किए कई मैच दें। श्रीकांत के अनुसार, भारत जो गलती कर रहा है, वह यह है कि दोनों खिलाड़ियों को इधर-उधर दो-दो मैच मिल रहे हैं, जो किसी भी खिलाड़ी के लिए अच्छा नहीं है। अब संजू सैमसन के पहले मैच में फेल होने के बाद यह सवाल खड़ा हो गया है कि क्या उन्हें दूसरे मैच में मौका मिलेगा या वैभव सूर्यवंशी की वापसी होगी।

चोटिल वरुण चक्रवर्ती अफगानिस्तान सीरीज से बाहर, भारतीय टीम को पांचवें गेंदबाज की कमी

नई दिल्ली । भारत और अफगानिस्तान के बीच जारी 3 मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज में भारतीय टीम को एक बड़ा झटका लगा है। मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती चोट के कारण बाकी बचे दो मैचों से बाहर हो गए हैं। वरुण ने नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए पहले टी20 मैच में शानदार गेंदबाजी की थी, जहां उन्होंने अपने 4 ओवर के कोटे में एक विकेट लेकर सिर्फ 16 रन खर्च किए थे और अपनी 16 गेंदों में एक भी बाउंड्री नहीं खाई थी। उनकी चोट से भारतीय टीम की चिंताएं बढ़ गई हैं, खासकर जब भारत को इस सीरीज के बाद जापान दौरे और एशियन गेम्स में भी हिस्सा लेना है, जहां वरुण के जाने की संभावना भी अब कम हो गई है।

वरुण चक्रवर्ती की जगह आज, यानी 15 सितंबर को अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले दूसरे टी20 इंटरनेशनल मैच में कौन खेलेगा, यह एक बड़ा सवाल है। स्क्वॉड में मौजूद रवि बिश्नोई उनके सबसे संभावित विकल्प के रूप में नजर आ रहे हैं। बिश्नोई एक लेग स्पिनर हैं और इन परिस्थितियों में अच्छी गेंदबाजी करने की क्षमता रखते हैं। हालांकि, किसी भी नए स्पिनर को सीधे टीम में शामिल करने के बजाय स्क्वॉड से ही विकल्प चुनने की संभावना अधिक है।

वरुण की चोट के अलावा, भारतीय टीम को पहले मैच में एक बड़ी कमजोरी भी उजागर हुई थी, वह है पांचवें गेंदबाज की कमी। टीम इंडिया को 3 गेंदबाजों ने मिलकर 4 ओवर किए थे, और उन 4 ओवरों में भारत ने 59 रन लुटा दिए थे।

लगातार क्रिकेट से थके ईशान किशन बोले- 2 दिन तक बिस्तर से नहीं उठूंगा

नई दिल्ली। भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन के लिए पिछले कुछ दिन बेहद व्यस्त रहे हैं, जिसका असर उनकी थकान भरी प्रतिक्रियाओं में साफ दिख रहा है। चेन्नई में दिलीप ट्रॉफी 2026 का फाइनल खेलने के बाद वह बेंगलुरु गए और फिर दिल्ली पहुंचे, जहां उन्हें 13 सितंबर को अफगानिस्तान के खिलाफ पहले टी20 इंटरनेशनल मैच में हिस्सा लेना था। इस व्यस्त कार्यक्रम के बीच, 11 सितंबर को फील्डिंग सेशन और नेट्स के दौरान उन्हें एक गेंद डक करने की कोशिश में कमर में खिंचाव भी महसूस हुआ था। हालांकि, वह 13 सितंबर को अफगानिस्तान के खिलाफ खेले और अभिषेक शर्मा के साथ एक बड़ी साझेदारी निभाते हुए 42 रन बनाए, जिससे टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। मैदान पर बतौर फील्डर भी उनका दिन बहुत व्यस्त रहा, उन्होंने एक खिलाड़ी को रन आउट भी कराया था।

बीसीसीआई द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में ईशान किशन ने अपनी चुनौतियों और थकान के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा, एक प्रोफेशनल के तौर पर, मुझे लगता है कि जब हालात बदलते हैं, तो हमें जल्द से जल्द उसमें ढलना होता है। हमें बार-बार उस जोन में जाने की जरूरत है, क्योंकि यह पहली बार नहीं है जब हम ऐसा कर रहे हैं। उन्होंने आगे स्वीकार किया कि अलग-अलग फॉर्मेट में खेलने के बाद टी20 क्रिकेट में वापस आने पर कभी-कभी गेम के साथ तालमेल बिठाने में थोड़ा समय लगता है, लेकिन शांत और स्थिर रहकर अपना सर्वश्रेष्ठ देना महत्वपूर्ण है। 33 गेंदों में 42 रन बनाने वाले ईशान ने मजाकिया अंदाज में कहा कि उन्होंने आज एक वनडे पारी खेली, क्योंकि दूसरे छोर से अभिषेक शर्मा पिटाई कर रहे थे। अंतरराष्ट्रीय शेड्यूल की व्यस्तता और हाल के दिनों में लगातार खेलने के अनुभव को देखते हुए, ईशान किशन ने टीम इंडिया के अगले मैच से पहले आराम करने की इच्छा जताई, क्योंकि उन्हें रिकवरी की आवश्यकता है।

मंधाना ने रोहित को पीछे छोड़ा, अब विराट कोहली का रिकार्ड है निशाने पर

मुम्बई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की अनुभवी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने एशिया कप में शानदार प्रदर्शन के साथ ही पुरुष टीम के दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा को पीछे छोड़ दिया। मंधाना अब टी20 अंतरराष्ट्री क्रिकेट में सबसे ज्यादा अर्धशतक लगाने वाली भारतीयों की सूची में दूसरे पायदान पर पहुंच गई हैं। मंधाना ने अब तक 176 टी20आई मैचों में 4751 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतकीय और 38 अर्धशतकीय पारियां शामिल हैं, कुल मिलाकर उनके नाम 38 बार 50 से अधिक रन हैं।

कार्यालय नगरपालिका परिषद वारासिवनी, जिला बालाघाट (म.प्र.)

क्रमांक / 2572/ लो.नि.वि./न.पा.प./2026 — वारासिवनी तारीख 09/09/2026

।। निविदा आमंत्रण सूचना ।।

एतद् निम्नलिखित कार्य / सामग्री हेतु केंद्रीयकृत प्रणाली में समस्त पंजीकृत (अ) श्रेणी विद्युत श्रेणी ठेकेदारों से ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा का विवरण **https://mptenders.gov.in** पर देखी जा सकती है।

क्र	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
01	2026_UAD_ 536103_1 दिनांक:- 16.09.2026	**High-mast Lights are being installed at various location across the city (Ward No. 02, 03, 08, 11, 12, 14, 15 and Sarandi Trenchng Ground) at Waraseoni**	समयावधि:- 02 माह लागत:- 10,28,256/-	नि.प्र.मूल्य:- 2000/- EMD:- 7,712/-	19.10.2026

नोट:-

निविदा से संबंधित समस्त जानकारी एवं निविदा की शर्ते ऑनलाईन पोर्टल www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है एवं निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार का संशोधन केवल उक्त वेबसाईट पर देखा जा सकता है, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद् वारासिवनी
जिला बालाघाट(म.प्र)

डाक्टर का इंतजार कर रही घायल महिला की मौत

रजेगांव ग्रामीण अस्पताल का मामला - ड्यूटी पर तैनात डाक्टर करीब एक घंटे बाद पहुंचीं

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। रजेगांव स्थित ग्रामीण अस्पताल में समय पर उपचार नहीं मिलने से सड़क हादसे में घायल महिला की मौत होने का गंभीर आरोप ग्रामीणों ने लगाया है. ड्यूटी पर तैनात चिकित्सा अधिकारी के समय पर अस्पताल में मौजूद नहीं रहने की बात सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं. घटना से ग्रामीणों में रोष है.

जानकारी के अनुसार, 26 अगस्त 2026 को मुरपार निवासी एक महिला सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गई थी. ग्रामीण उसे तत्काल उपचार के लिए रजेगांव ग्रामीण अस्पताल लेकर पहुंचे. आरोप है कि उस समय अस्पताल में कोई चिकित्सा अधिकारी मौजूद नहीं था. अस्पताल कर्मचारियों से पूछताछ करने पर डा. चेतना रहांगडाले की ड्यूटी होने की जानकारी मिली. ग्रामीणों के अनुसार, डाक्टर को फोन पर घटना की जानकारी देने के बावजूद वह करीब एक घंटे बाद अस्पताल पहुंचीं. इसी दौरान घायल महिला की मौत हो गई. हालांकि, महिला की मौत का वास्तविक कारण और उपचार में देरी की भूमिका जांच के बाद ही स्पष्ट होगी. घटना की जानकारी मिलते ही मरीज कल्याण समिति के सदस्य जनाब जाकिर खान ने अस्पताल पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया. उन्होंने चिकित्सा अधीक्षक डा. संजय माहुले से फोन पर संपर्क कर पूरे मामले की जानकारी दी।

गंभीर हालत में मरीज को अस्पताल लाने के बाद यदि समय पर डाक्टर ही उपलब्ध न हों तो यह बेहद गंभीर मामला है. इस घटना की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोषी पाए जाने पर जिम्मेदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि भविष्य में किसी मरीज की जान जोखिम में न पड़े.

जनाब जाकिर खान, सदस्य, मरीज कल्याण समिति

संबंधित समय में डा. चेतना रहांगडाले की ड्यूटी थी, लेकिन उनकी अनुपस्थिति सामने आई है. उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया जा रहा है. स्पष्टीकरण मिलने के बाद मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी.

डा. संजय माहुले, चिकित्सा अधीक्षक

धाबेटेकड़ी में जुआ खेलते तीन गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। अर्जुनी मोरगांव थाना क्षेत्र के धाबेटेकड़ी आदर्श गांव में सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेल रहे तीन लोगों को पुलिस ने छापेमारी कर गिरफ्तार किया. यह कार्रवाई शुक्रवार रात करीब 9.40 बजे पानी की टंकी के पास की गई। पुलिस को डायल-112 के माध्यम से सूचना मिली थी कि धाबेटेकड़ी में कुछ लोग सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेल रहे हैं. सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की. इस दौरान अरविंद त्रक्षी रामटेके (62), धर्मेंद्र मोतीराम रामटेके (39) और राकेश सुरेश डोंगरवार (27) जुआ खेलते मिले. पुलिस ने तीनों को हिरासत में लेकर उनके पास से 1,520 रु. नकद और 52 ताश के पत्ते जब्त किए. आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

बाघ के हमले में 72 वर्षीय किसान की मौत

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। सड़क अर्जुनी तहसील के झुरकुटोला गांव के जंगल क्षेत्र में मंगलवार सुबह बाघ के हमले में 72 वर्षीय किसान की मौत हो गई. मृतक का नाम वातू बकाराम राऊत बताया गया है. घटना के बाद झुरकुटोला सहित आसपास के गांवों में दहशत का माहौल है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, वातू बकाराम राऊत मंगलवार, 15 सितंबर की सुबह बकरियों के लिए चारा लाने पहाड़ी क्षेत्र से लगे जंगल में गया था. इसी दौरान झाड़ियों में घात लगाए बैठे बाघ ने अचानक उस पर हमला कर दिया. बाघ के हमले में उसकी मौके पर ही मौत हो गई. घटना के समय आसपास मौजूद अन्य किसानों ने तत्काल गांव में इसकी जानकारी दी. इसके बाद पाटेकुर्रा के सरपंच प्रशांत बालसनवार ने वन विभाग और पुलिस को घटना की सूचना दी. जानकारी मिलते ही वन विभाग व पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की. मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए सड़क अर्जुनी ग्रामीण अस्पताल भेजा गया है. वनपरिक्षेत्र अधिकारी मिथुन तरोणे, डुग्गीपार थानेदार कमलेश सोनटक्के तथा संबंधित विभाग की टीम द्वारा आगे की जांच की जा रही है।

जंगल क्षेत्र में सतर्क रहने की अपील

घटना के बाद वन विभाग ने जंगल क्षेत्र में बाघ की मौजूदगी को देखते हुए ग्रामीणों और किसानों से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है. अकेले जंगल क्षेत्र में न जाने तथा वन क्षेत्र के आसपास सावधानी बरतने की सलाह दी गई है. घटना से क्षेत्र के किसानों में भय का माहौल बना हुआ है.

राष्ट्रीय लोक अदालत में 17,585 प्रकरणों का निपटारा

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। वर्षों से न्यायालयों में लंबित मामलों को आपसी समझौते और सामंजस्य के माध्यम से शीघ्र निपटाने के उद्देश्य से 12 सितंबर को गोंदिया जिले में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया. राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली तथा महाराष्ट्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, मुंबई के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गोंदिया और सभी तहसील विधिक सेवा समितियों के माध्यम से जिला एवं तहसील न्यायालयों में लोक अदालत आयोजित की गई।

लोक अदालत का उद्घाटन जिला न्यायाधीश-2 एम.टी. असीम के हाथों हुआ. उन्होंने लोक अदालत के लाभ और महत्त्व पर मार्गदर्शन किया. जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एन.के. वालके तथा गोंदिया जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एस.आर. बोरकर ने अधिक से अधिक मामलों को समझौते के माध्यम से निपटाने का आह्वान किया. राष्ट्रीय लोक अदालत में न्यायालयों में लंबित 5,563 मामले रखे गए थे. इनमें से 1,124 मामलों का समझौते के माध्यम से निपटारा किया गया. इन मामलों से 5 करोड़ 78 लाख 59 हजार 482 रु. की वसूली हुई. इसी प्रकार 71,568 पूर्व-विवादित मामलों में से 16,461 मामलों का निपटारा किया गया तथा 2 करोड़ 79 लाख 22 हजार 335 रु. की वसूली हुई. इस तरह कुल 17,585 मामलों का निपटारा करते हुए 8 करोड़ 57 लाख 81 हजार 817 रु. की वसूली की गई. राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता से नागरिकों का समय, पैसा और मानसिक परेशानी बची. सरल, सुलभ और शीघ्र न्याय उपलब्ध कराने के उद्देश्य को जिले में प्रभावी प्रतिसाद मिला. आयोजन को सफल बनाने में न्यायालयीन कर्मचारियों ने अथक परिश्रम किया।

विशेष अभियान में 167 फौजदारी मामले निपटे

विशेष अभियान के तहत जिला न्यायालयों में 228 फौजदारी मामले रखे गए थे. इनमें से 167 मामलों का निपटारा किया गया. इससे संबंधित पक्षकारों को लंबे समय तक चलने वाली न्यायिक प्रक्रिया के मानसिक और आर्थिक बोझ से राहत मिली. महावितरण, बिजली, पानी, दूरसंचार तथा बैंक वसूली से जुड़े पूर्व-विवादित मामलों में पक्षकारों ने समझौते के अनुसार संबंधित विभागों में बकाया राशि जमा की. इसके बाद उनके मामले स्थायी रूप से समाप्त किए गए. इससे विभागों और बकायादारों का भविष्य का न्यायालयीन खर्च तथा मानसिक परेशानी बची.

दो मोटर दुर्घटना दावों में 49.25 लाख का मुआवजा

जिला न्यायालय-1, गोंदिया में लंबित दो मोटर दुर्घटना दावों का लोक अदालत में समझौते से निपटारा किया गया. मुंबई उच्च न्यायालय की नागपुर खंडपीठ के न्यायमूर्ति तथा गोंदिया जिले के पालक न्यायमूर्ति एम.डब्ल्यू. चांदवानी और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष तथा प्रमुख जिला व सत्र न्यायाधीश आर.जी. वाघमारे की उपस्थिति में आवेदकों को 25 लाख रु. तथा 24 लाख 25 हजार रु. ऐसे कुल 49 लाख 25 हजार रु. के दो चेक प्रदान किए गए।

नाली सफाई को लेकर युवक का 'शोले स्टाइल' आंदोलन

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। गोरेगांव तहसील के कमरगांव में नालियों की सफाई की लंबित मांग को लेकर एक युवक के ग्राम पंचायत भवन की छत पर चढ़कर आंदोलन शुरू करने से हड़कंप मच गया. मांग पूरी नहीं होने पर धान की फसल पर छिड़काव करने वाला कीटनाशक पीकर आत्महत्या करने की धमकी दिए जाने से प्रशासन और पुलिस की परेशानी बढ़ गई. आंदोलक युवक का नाम दिनेश नागपुरे बताया गया है.

जानकारी के अनुसार, कमरगांव में पिछले कई दिनों से नालियों की नियमित सफाई नहीं होने के कारण जगह-जगह गंदा पानी जमा है. घरों के सामने पानी सड़ने से दुर्गंध फैल रही है और मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ गया है. इससे ग्रामीणों के स्वास्थ्य को लेकर चिंता जताई जा रही है. नालियों की तत्काल सफाई कराने की मांग को लेकर दिनेश नागपुरे ने ग्राम पंचायत प्रशासन के साथ ही गोरेगांव पंचायत समिति और जिलाधिकारी को भी कई बार ज्ञापन दिया था. बावजूद इसके समस्या का समाधान नहीं होने का आरोप लगाते हुए उसने मंगलवार, 15 सितंबर को ग्राम पंचायत भवन की छत पर चढ़कर आंदोलन शुरू कर दिया. नागपुरे के पास धान की फसल पर छिड़काव किया जाने वाला कीटनाशक होने की जानकारी सामने आने के बाद प्रशासन में हड़कंप मच गया. नालियों की सफाई को लेकर तत्काल निर्णय नहीं होने पर कीटनाशक पीने की चेतावनी दी. घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस दल मौके पर पहुंचा. पुलिस द्वारा नागपुरे को समझाने तथा उसे सुरक्षित नीचे उतारने के प्रयास किए गए. इस घटना के बाद ग्राम पंचायत प्रशासन नालियों की सफाई को लेकर क्या कदम उठाता है, इस पर ग्रामीणों की नजर बनी हुई है.

छायाचित्र - 15 ह्मश्चह्लद्म 04

आमगांव में अवैध शराब बिक्री पर रोक लगाएं

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। नगर परिषद क्षेत्र सहित तहसील के ग्रामीण इलाकों में कथित अवैध शराब बिक्री पर रोक लगाने, नए शराब दुकानों को लाइसेंस नहीं देने तथा किडंगीपार में शराबबंदी की मांग को लेकर हुए आंदोलन के दौरान नागरिकों पर दर्ज मामलों की कानूनी समीक्षा कर पात्र प्रकरण वापस लेने की मांग भारतीय जनकल्याण फाउंडेशन ने की है. इस संबंध में संस्था की ओर से मंगलवार, 15 सितंबर को मुख्यमंत्री व गृहमंत्री को ज्ञापन भेजा गया. संस्था अध्यक्ष सुभाष आकरे और महामंत्री यशवंत मानकर के नेतृत्व में ज्ञापन तहसीलदार, आमगांव तथा राज्य उत्पादन शुल्क विभाग, गोंदिया के माध्यम से शासन को भेजा गया।

ज्ञापन में कहा गया है कि आमगांव नगर परिषद क्षेत्र के बनगांव, किडंगीपार, माल्ही, पदमपुर, कुंभारटोली, बिरसी, रिसामा सहित आसपास के गांवों में अवैध शराब बिक्री के कारण सामाजिक वातावरण प्रभावित हो रहा है. संस्था का दावा है कि शराब की लत से महिलाओं, युवाओं और आम नागरिकों के परिवारों पर सामाजिक व आर्थिक दुष्परिणाम पड़ रहे हैं तथा कानून-व्यवस्था से जुड़ी समस्याएं भी उत्पन्न हो रही हैं. किडंगीपार में नागरिकों ने शराबबंदी की मांग को लेकर लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन किया था. इस दौरान कुछ नागरिकों के खिलाफ मामले दर्ज किए जाने से शराबबंदी की मांग करने वाले लोगों में नाराजगी है. फाउंडेशन ने इन मामलों की कानूनी समीक्षा कर पात्र मामलों में दर्ज प्रकरण वापस लेने की मांग की है. फाउंडेशन ने आमगांव नगर परिषद क्षेत्र में नए शराब दुकानों को लाइसेंस नहीं देने की मांग की है. साथ ही अवैध शराब बिक्री के खिलाफ पुलिस प्रशासन और राज्य उत्पादन शुल्क विभाग से संयुक्त रूप से नियमित व कड़ी कार्रवाई करने का आग्रह किया गया है. ज्ञापन में कहा गया है कि शराब बिक्री से उत्पन्न सामाजिक, पारिवारिक और कानून-व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन को प्रभावी कदम उठाने चाहिए. महिलाओं, युवाओं, अभिभावकों और आम नागरिकों की मांगों पर संवेदनशीलता से विचार करने का भी आह्वान किया गया है. इस अवसर पर धनीराम मटाले, जयवंता मटाले, राजेंद्र मेंढे, श्वेता अग्रवाल, राणी कालसर्पे, निलू फुले, संजू देशकर, विजय कोरे, अशोक बोकडे, आकाश मेश्राम, संतोष कुमार सुरते, पिंकेश शेंडे, दीक्षा चव्हाण, सुनीता मटाले, घनश्याम मेंढे, हरिचंद उकरे, आनंदराव नंदागवली, भालचंद उकरे, शशी हत्तीमारे सहित नागरिक उपस्थित थे।

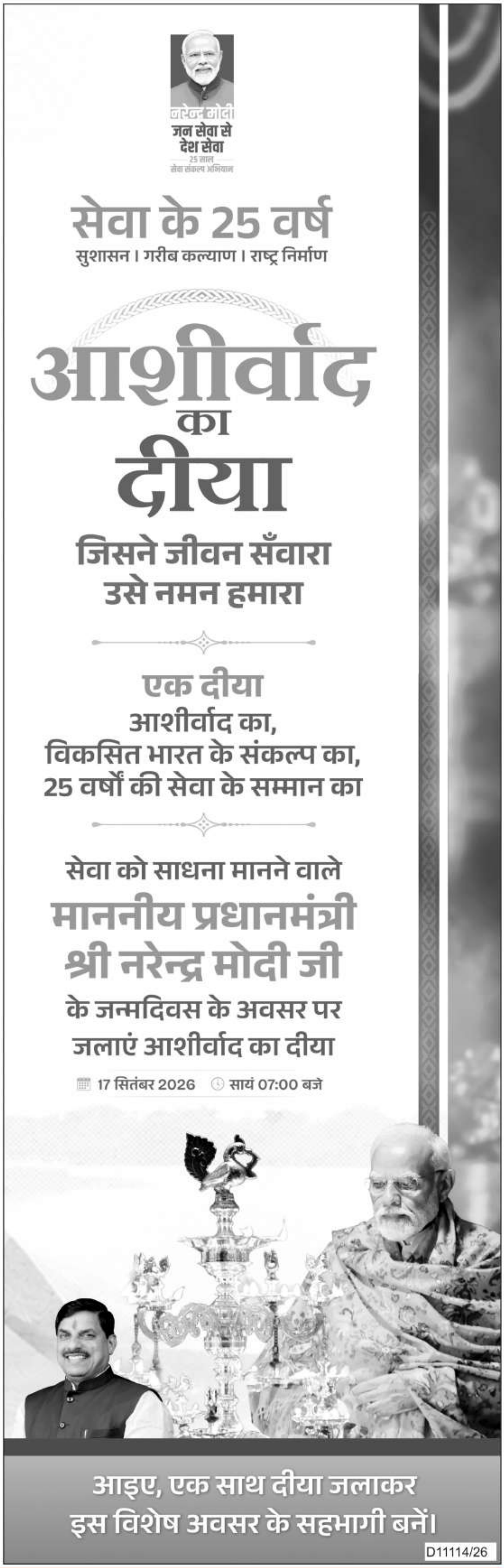

दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

मरारमाली समाज ने घेरा किरनापुर थाना

महिला से कथित पुलिस मारपीट के विरोध में किया धरना प्रदर्शन, पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को खदेड़ा, आधा दर्जन से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट/किरनापुर। किरनापुर थाने में कथित आरोपी चौधरी दंपत्ति के साथ पुलिस मारपीट के मामले में कार्रवाई की मांग को लेकर मंगलवार को मरार माली समाज का बड़ा आंदोलन उग्र हो गया। जिलेभर से पहुंचे हजारों सामाजिक लोगों ने रैली के दौरान किरनापुर थाने का घेराव कर दिया। प्रदर्शनकारियों की भीड़ थाने के मुख्य गेट को खुलवाकर अंदर तक पहुंच गई। इसी दौरान कुछ लोगों द्वारा पत्थरबाजी शुरू किए जाने से स्थिति तनावपूर्ण हो गई। पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पहले आंसू गैस के गोले छोड़े और बाद में लाठीचार्ज कर प्रदर्शनकारियों को खदेड़ा।

रैली निकालकर किया प्रदर्शन

सर्वप्रथम स्व. राणा हनुमान सिंह महाविधालय के प्रांगण मे एकत्रित होकर सभी सामाजिक बंधुओं ने रैली निकाली। रैली के कावरे चौक पहुंचने पर सामाजिक बंधुओं ने दिवंगत लिखीराम कावरे के समाधि स्थल पर स्व कावरे जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया गया। तत्पश्चात रानी अवंती चौक मे वीरांगना रानी अवंती बाई की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। रैली के दौरान महात्मा ज्योतिबा फूले, सावित्री बाई फुले, डॉ बाबा साहब अम्बेडकर अमर रहे के नारे लगाए गए तो किरनापुर पुलिस मुर्दाबाद, पुलिस प्रशासन मुर्दाबाद, पुलिस प्रशासन होश में आओ, पुलिस तेरी तानाशाही नहीं चलेगी के नारे लगाए गए। इस दौरान रैली मे शामिल महिला, पुरुषों के हाथों मे नारे लिखे तख्तियां एवं झंडे लिए हुए थे। वही जिन मार्गों से रैली निकली उन मार्गों में महापुरूषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर जयघोष लगाये गये।

अफरा-तफरी का माहौल बना

उधर घटना के बाद किरनापुर क्षेत्र में अफरातफरी का माहौल बन गया। पुलिस ने पत्थरबाजी करने वालों की पहचान शुरू कर दी है। सुरक्षा के मद्देनजर क्षेत्र में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। वहीं समाज की सभा उत्कृष्ट विद्यालय मैदान में आयोजित की गई, जहां महिला के साथ कथित अमानवीय व्यवहार के मामले में संबंधित पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और उन्हें सेवा से बर्खास्त करने की मांग उठाई गई।

एक नजर में

- हजारों लोगों ने किया किरनापुर थाने का घेराव
- मुख्य गेट खुलवाकर थाने के अंदर तक पहुंची भीड़
- प्रदर्शन के दौरान कुछ लोगों ने की पत्थरबाजी
- पुलिस ने छोड़े आंसू गैस के गोले, किया लाठीचार्ज
- आधा दर्जन से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल
- गंभीर घायलों को गोंदिया अस्पताल भेजा गया
- समाज ने पुलिसकर्मियों पर एफआईआर और बर्खास्तगी की मांग की

क्या है पूरा मामला.. ?

दरअसल, 2 सितंबर को किरनापुर थाने में चोरी के मामले में कथित आरोपी कैलाश चौधरी और उसकी पत्नी सावित्री के साथ पुलिस द्वारा कथित मारपीट का मामला सामने आया था। 7 सितंबर को मामला सामने आने के बाद एसपी आदित्य मिश्रा ने उपनिरीक्षक दामेन्द्र तुरकर, प्रधान आरक्षक आशीष बघेल, आरक्षक कपिल बघेल और महिला आरक्षक मेघा टेकाम को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया था। मामले की जांच के लिए डीएसपी प्रतिष्ठा राठौर के नेतृत्व में चार सदस्यीय एसआईटी गठित की गई है। पीड़िता का आरोप है कि रात में किरनापुर थाने में उसके साथ पुरुष पुलिसकर्मियों ने मारपीट की। इसी मामले में समाज लगातार संबंधित पुलिसकर्मियों के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज करने और पीडिता को न्याय दिलाने की मांग कर रहा है।

अमानवीय मारपीट के विरोध में किया आंदोलन-रमेश पंचे

मरार माली समाज के जिलाध्यक्ष रमेश पंचे ने कहा कि महिला के साथ थाने में हुई कथित अमानवीय मारपीट के विरोध में आंदोलन किया गया। समाज की मांग है कि दोषी पुलिसकर्मियों पर एफआईआर दर्ज कर उन्हें सेवा से बर्खास्त किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई तो समाज जिले में चक्काजाम सहित बड़ा आंदोलन करेगा। उन्होंने आंदोलन को विफल करने के लिए हिंसा भड़काने की आशंका भी जताई और इसकी जांच की मांग की।

पत्थरबाजी में पुलिसकर्मी घायल

किरनापुर थाना प्रभारी राजकुमार चौधरी के अनुसार थाने में हुई पत्थरबाजी में एसडीओपी दीपक तोमर, निरीक्षक जितेन्द्र चौहान, शैलेन्द्र पटेल, एसडीओपी वाहन चालक आलोक, प्रधान आरक्षक वर्षा, महिला आरक्षक अंबिका, अविषा सहित अन्य पुलिसकर्मियों को चोटें आई हैं। घायलों का प्राथमिक उपचार किरनापुर स्वास्थ्य केंद्र में कराया गया, जबकि गंभीर घायलों को बेहतर उपचार के लिए गोंदिया भेजा गया है। पुलिस अब पत्थरबाजी करने वाले लोगों को चिन्हित कर उनसे पूछताछ कर रही है।

पुलिस महानिरीक्षक और मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

किरनापुर पुलिस द्वारा महिला के साथ की गई अमानवीय एवं बर्बरतापूर्ण कार्यवाही के विरोध मे जिला मरार माली समाज के पदाधिकारियों, जिले भर से आंदोलन मे आए हुए हजारों लोगों की मौजूदगी मे पुलिस महानिरीक्षक एवं मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन के नाम संबोधित ज्ञापन तहसीलदार किरनापुर को सौंपा गया। इस दौरान जिले के सभी 10 विकासखण्डों से मरार माली समाज के लोगो की बहुतायत में मौजूदगी रही।

चरित्र शक पर पति ने की पत्नी की हत्या

मलाजखंड थाना क्षेत्र के बंजारी टोला की घटना, दो बच्चों की मां थी मृतका, पति गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मलाजखंड थाना क्षेत्र के ग्राम बंजारी टोला में चरित्र पर शक को लेकर पति द्वारा पत्नी की गला घोंटकर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मामले में आरोपी पति दुर्गेश पिता जगदीश विश्वकर्मा 32 वर्ष को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी मलाजखंड माइंस में डीसीएस कंपनी में काम करता था। आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में बैहर जेल भिजवा दिया गया है

पत्नी के साथ चरित्र शक को लेकर करता था विवाद

प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतका नेहा विश्वकर्मा का मायका ग्राम भंडारपुर मरारी टोला में है। करीब पांच वर्ष पूर्व उसका विवाह बंजारी टोला निवासी दुर्गेश विश्वकर्मा से हुआ था। दंपती के दो बच्चे हैं। बताया गया है कि दुर्गेश अपनी पत्नी नेहा के चरित्र पर संदेह करता था और घरेलू विवाद को लेकर उसके साथ आए दिन मारपीट भी करता था।जून 2026 में नेहा अपने दोनों बच्चों के साथ मायके भंडारपुर मरारी टोला आई थी। उस दौरान उसने अपने मायके वालों को बताया था कि उसका पति उसके चरित्र पर शक करते हुए उसके साथ मारपीट करता है।

विवाद के बाद गला घोंटकर हत्या

बताया गया कि 13 सितंबर की रात चरित्र पर संदेह को लेकर दुर्गेश और नेहा के बीच विवाद हुआ। विवाद बढ़ने पर आरोपी दुर्गेश ने आवेश में आकर नेहा की गला घोंटकर हत्या कर दी। इसके बाद उसने अपने साले विकास बावने , भंडारपुर मरारी टोला निवासी को फोन पर बताया कि उसने अपनी पत्नी नेहा को जान से मार दिया है और उसका शव घर के अंदर पलंग पर पड़ा है।सूचना मिलने पर विकास बावने तत्काल बंजारी टोला पहुंचा। उसने अपनी बहन नेहा को उठाने का प्रयास किया लेकिन वह नहीं उठी। उसकी मौत हो चुकी थी। इसके बाद विकास ने घटना की सूचना मलाजखंड पुलिस को दी।

मर्ग जांच के बाद हत्या का मामला दर्ज- आरोपी दुर्गेश गिरफ्तार

विकास बावने की रिपोर्ट पर मलाजखंड पुलिस ने मौके पर पहुंचकर नेहा का शव बरामद किया। शव का पोस्टमार्टम कराया गया।जिसके बाद उसे परिजनों को सौंप दिया गया। मर्ग जांच के उपरांत पुलिस ने आरोपी दुर्गेश विश्वकर्मा के खिलाफ पत्नी की हत्या करने के आरोप में धारा 103(1) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज किया।पुलिस ने मामले की जांच के बाद 15 सितंबर को आरोपी दुर्गेश विश्वकर्मा को गिरफ्तार कर लिया। जिसे बैहर की न्यायालय में पेश कर दिया गया जहां से न्यायालय के आदेश पर उसे न्यायिक अभिरक्षा में बैहर जेल भिजवा दिया गया है पुलिस द्वारा प्रकरण में आगे की विवेचना की जा रही है।

तेज रफ्तार स्कूटी ने दो बच्चियों को मारी टक्कर, दोनों घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर के वार्ड नंबर 1 माता मंदिर बूढ़ी क्षेत्र में 14 सितंबर की शाम तेज रफ्तार स्कूटी की चपेट में आने से दो बच्चियां घायल हो गईं। घायल बच्चियों में मिस्टी पिता मलय देव भारद्वाज 8 वर्ष और उसकी छोटी बहन चिन्मयी भारद्वाज 6 वर्ष शामिल हैं। दोनों वार्ड नंबर 1 माता मंदिर बूढ़ी निवासी हैं। दोनों का उपचार जिला अस्पताल बालाघाट में कराया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार 14 सितंबर की शाम दोनों बच्चियां अपने घर के सामने साइकिल चला रही थीं। इसी दौरान उनकी मां राधा भारद्वाज घरेलू काम में व्यस्त थीं। तभी वहां से तेज रफ्तार से गुजर रही स्कूटी ने दोनों बच्चियों को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों बच्चियां घायल हो गई।बच्चियों के रोने और चिल्लाने की आवाज सुनकर उनके बड़े भाई भास्कर भारद्वाज मौके पर पहुंचे और दोनों को उठाकर जिला अस्पताल बालाघाट ले गए। जहां दोनों का उपचार कराया गया।घटना के संबंध में जिला अस्पताल पुलिस ने बच्चियों की मां राधा भारद्वाज का बयान दर्ज किया है। मामले को आगे की कार्रवाई के लिए कोतवाली थाना भेज दिया गया है।

सर्पदंश ने बुझा दी 15 वर्षीय वैशाली की जिंदगी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सर्पदंश के चलते जिला अस्पताल में भर्ती 15 वर्षीय छात्रा वैशाली पिता टेकचंद गाड़ेकर की उपचार के दौरान मौत हो गई। वैशाली ग्राम साकड़ी थाना रामपायली की निवासी थी और तीन बहनों में सबसे छोटी थी। वह डोंगरमाली स्थित स्कूल में कक्षा 11वीं की पढ़ाई कर रही थी। घटना के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 14 सितंबर की रात वैशाली अपने परिवार के साथ खाना खाने के बाद घर में खटिया पर सो गई थी। परिवार के अन्य सदस्य भी उसी घर में सो रहे थे। रात करीब 1:30 बजे सोते समय एक सांप ने वैशाली के दाहिने पैर के नीचे काट लिया, लेकिन नींद में होने के कारण उसे तत्काल इसका एहसास नहीं हुआ।रात करीब 3 बजे वैशाली के पैर में सूजन आने लगी और उसे कुछ असहज महसूस हुआ। उसने तत्काल अपने माता-पिता को इसकी जानकारी दी। इसके बाद परिवार के लोगों ने घर में सांप की तलाश की तो दूसरे बिस्तर के पास एक डांडेकर सर्प दिखाई दिया। आशंका है कि इसी सांप ने वैशाली को काटा था और इसके बाद वह दूसरे बिस्तर की ओर चला गया।परिजन बिना समय गंवाए वैशाली को उपचार के लिए जिला अस्पताल बालाघाट लेकर पहुंचे।जहां उसे भर्ती कर उपचार शुरू किया गया। लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद 15 सितम्बर की सुबह करीब 8 बजे उपचार के दौरान वैशाली ने दम तोड़ दिया।जिला अस्पताल पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम कराया और शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम किया है। मामले की आगामी कार्रवाई के लिए प्रकरण घटनास्थल से संबंधित थाना रामपायली पुलिस को भेज दिया गया है।वैशाली के माता-पिता खेती-किसानी कर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। उसकी दो बड़ी बहनें भी पढ़ाई कर रही हैं। तीन बहनों में सबसे छोटी वैशाली के असमय निधन से परिवार के साथ ही परिचितों और ग्रामीणों में भी शोक की लहर है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट